शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 348 | गुवाहाटी | सोमवार, 17 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

बिश्वनाथ जिले में बाढ़ से बिगड़े हालात, 32 हजार से अधिक लोग प्रभावित... पेज 3
राष्ट्रपति मंगलवार को भूमि सम्मान 2023 प्रदान करेगी पेज 4
समस्या निस्तारण सरकार की प्राथमिकता : योगी आदित्यनाथ पेज 5
पंजाब और हरियाणा में बाढ़ से अब तक 57 की मौत, 518 गांव चपेट में, भारी... पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

धूर्त व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए दूसरों की सेवा करते हैं।
- आचार्य चाणक्य

संस्कृति के संरक्षण के लिए काम कर रही सरकार : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) के सभागार में आयोजित एक आधिकारिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम में स्वदेशी और आदिवासी आस्था और संस्कृति, स्वदेशी और आदिवासी मान्यताओं से संबंधित 73 पूजा स्थलों में से प्रत्येक को 5 लाख रुपए और गोरचुक स्थित ऑल बाथौ महासभा को 2 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गयी। असम सरकार के स्वदेशी और जनजातीय आस्था और संस्कृति निदेशालय के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि राज्य में वर्तमान सरकार स्वदेशी और जनजातीय मान्यताओं और संस्कृति के संरक्षण और प्रसार की दिशा में लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आयोजित होने वाला सहायता अनुदान वितरण समारोह स्वदेशी और आदिवासी समुदायों के प्रति असम सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की स्वदेशी और आदिवासी आस्था और संस्कृति हजारों वर्षों से प्रचलित है और सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आना चाहिए कि इन विरासतों को बिना किसी -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम के मियां वाले बयान पर बिफरे राज्य के विपक्षी दल

गुवाहाटी। सब्जियों की बढ़ती कीमतों के लिए स्थानीय बांग्ला भाषी मुसलमानों को जिम्मेदार ठहराने पर असम में विपक्षी दलों ने रविवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की आलोचना की। विपक्षी दलों के नेताओं ने कहा कि वह सांप्रदायिक राजनीति खेल रहे हैं। एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि सीएम की टिप्पणी से मिया आहत हुए हैं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने अगले साल के लोकसभा चुनाव से पहले सांप्रदायिक राजनीति में भाजपा और एआईयूडीएफ के बीच मिलीभगत की आशंका जताई। शर्मा ने गुवाहाटी में सब्जियों की बढ़ती कीमतों पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा था कि गांवों में सब्जियों की कीमत इतनी अधिक नहीं होती है। यहां मिया विक्रेता हमसे अधिक शुल्क लेते हैं। अगर असमिया विक्रेता सब्जियां बेचते, तो ऐसा नहीं होता। उन्होंने कहा कि मैं गुवाहाटी के सभी फुटपाथों को साफ कर दूंगा और मैं अपने असमिया लोगों से आगे आने और अपना व्यवसाय शुरू करने का आग्रह करता हूं। मिया मूल रूप से असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों -शेष पृष्ठ दो पर

स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करें न्यायपालिका : महबूबा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई की, तो उसे शर्मा की टिप्पणियों पर भी स्वत: संज्ञान लेना चाहिए। असम के मुख्यमंत्री द्वारा महंगाई के लिए मुसलमानों को दोषी ठहराना बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और विकास की कमी पर भाजपा की पूरी विफलता को दर्शाता है। हिमंत विश्व खुले तौर पर हिंदुओं से -शेष पृष्ठ दो पर

अध्यादेश पर बन गई बात, कांग्रेस संसद में केंद्र का करेगी विरोध

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को साफ किया कि वह दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र के अध्यादेश का समर्थन नहीं करेगी और देश में *संघवाद को ध्वस्त* करने के केंद्र सरकार के ऐसे किसी भी प्रयास का विरोध करेगी। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी का रुख साफ है कि वह राज्यपालों के जरिए विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में हस्तक्षेप करने के केंद्र के ऐसे किसी भी कदम का विरोध करेगी और उसने संसद में -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम शर्मा का केजरीवाल पर तंज, कहा-

हम बाढ़ के लिए चीन भूटान को दोष नहीं देते

गुवाहाटी। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने एक बार फिर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि भूटान, अरुणाचल और यहां तक कि चीन हर साल पानी छोड़ता है, जिसकी वजह से असम में बाढ़ आती है। हम बहादुरी के साथ इसका सामना करते हैं। हम इसके लिए दूसरों को दोष नहीं देते हैं। हमे पता है कि प्रकृति भूगोल को नहीं पहचानती है। बता दें, असम के मुख्यमंत्री शर्मा ने इससे पहले भी दिल्ली के सीएम पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि वह छह महीने से केजरीवाल के निमंत्रण का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उनके पास दिल्ली घुमाने वाला आमंत्रण नहीं आया है। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि आज भी केजरीवाल अगर निमंत्रण भेजते हैं तो वह उनके घर मिलने जाएंगे। दरअसल, इसी साल अप्रैल में अरविंद केजरीवाल असम के दौरे पर आए थे। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

छह कांवड़ियों की मौत से गुस्साए लोगों ने 13 घंटे बाद खोला जाम

मेरठ (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के भावनपुर थाना क्षेत्र के राली चौहान गांव में शनिवार रात को हाईटेंशन तार की चपेट में आने से छह कांवड़ियों की मौत हो गई, जबकि दस से ज्यादा कांवड़िए घायल हो गए। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने किला परीक्षितगढ़ रोड पर रात को यातायात जाम कर दिया। अधिकारियों से दोषियों पर कार्रवाई करने का आश्वासन मिलने के बाद रविवार सुबह ग्रामीणों ने जाम खोला। शनिवार रात से लेकर रविवार सुबह तक करीब 13 घंटे यातायात जाम रहा। राली चौहान गांव से कांवड़ियों का एक -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल में भारी बारिश सड़क धंसी, यातायात ठप

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश में पिछले कुछ दिन से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण पासीघाट-पांगिन सड़क धंस गई है। इससे यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। अरुणाचल प्रदेश और अन्य पड़ोसी पूर्वोत्तर राज्यों में कई दिनों से भारी बारिश हो रही है। पिछले कुछ दिनों से बारिश के कारण अरुणाचल प्रदेश के कई हिस्सों में सड़कों और रिहायशी इलाकों में लगातार भूस्खलन हो रहा है। संबंधित जिला -शेष पृष्ठ दो पर

नगालैंड विस में यूसीसी पारित होने पर विधायकों के आवास को जलाने की धमकी

डिमापुर (हि.स.)। एक स्वयंभू संगठन ने नगालैंड विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पारित होने पर राज्य के 60 विधायकों के सरकारी आवासों को जलाने की धमकी दी है। सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है। पुलिस ने धमकियां देने के आरोप में डिमापुर में संबंधित संगठन के शीर्ष पांच पदाधिकारियों को गिरफ्तार किया है। डिमापुर में नगालैंड पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि उन्हें डिमापुर पूर्व पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले के आधार पर पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि 30 जून को नगालैंड ट्रांसपेरेंसी, पब्लिक राइट्स एडवोकेसी एंड डायरेक्ट एक्शन ऑर्गनाइजेशन (एनटीपी-आरएडीओ) नाम के एक *अपंजीकृत* संगठन ने धमकियों भरा एक संदेश जारी किया था। इस संदेश में कहा गया कि अगर 14वीं नगालैंड विधानसभा समान नागरिक संहिता के समर्थन में बिल पास करती है तो राज्य के 60 -शेष पृष्ठ दो पर

लाचित नगर हनुमान मंदिर के शिवालय में सोमवती अमावस्या के अवसर पर भव्य पुष्प श्रृंगार का मनोरम दृश्य।

मानसून सत्र : केंद्र ने 19 को बुलाई एनडीए की बैठक

नई दिल्ली। संसद के 20 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र के हंगामेदार रहने के आसार हैं। एक ओर जहां सत्ता पक्ष महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगा, वहीं दूसरी ओर विपक्ष मणिपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, महंगाई और अडाणी मामले पर जेपीसी गठित करने की मांग सहित अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। केंद्र की भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने मानसून सत्र से पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं के बीच आम सहमति बनाने के लिए 19 जुलाई को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। लोकसभा सचिवालय की बुलेटिन -शेष पृष्ठ दो पर

सीमा मुद्दे पर बौखलाया पाक, मंदिर पर रॉकेट लॉन्चर से किया हमला

सिंध। सीमा हैदर के भारत में शरण लेने से पाकिस्तान में बौखलाहट है। जिस तरह से सीमा हैदर को भारत में लोकप्रियता मिली है उसके बाद पाकिस्तान में हिंदुओं को धमकी और मंदिर पर हमले के मामले बढ़ते जा रहे हैं। ताजा अटैक सिंध के कंधकोट में हुआ है। यहां पर डाकुओं ने मंदिर पर रॉकेट लॉन्चर से हमला किया है। हमले में कई आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया गया है। सीमा हैदर पाकिस्तान की रहने वाली है। वह भारतीय शख्स सचिन मीणा के साथ उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में रह रही है। सचिन और सीमा को मोबाइल पर ऑनलाइन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सरकार विषकन्या की तरह, किसी भी योजना को कर सकती है बर्बाद : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार *विषकन्या* की तरह है, जिसकी छाया भी किसी भी परियोजना को बर्बाद कर सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार का हस्तक्षेप उसकी भागीदारी और यहां तक कि उसकी छाया भी विषकन्या जैसी है, जो किसी भी योजना तो बर्बाद कर सकती है। नितिन गडकरी केंद्र की मोदी सरकार में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री है और वह अपने बयान को लेकर चर्चा में रहते हैं। उन्होंने अब जो बयान दिया है उसको विपक्षी पार्टियों मुद्दा बना सकती हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज ही नहीं जब वह विपक्ष के नेता थे, तब भी वह इस सिद्धांत में दृढ़ विश्वास रखते हैं कि लोगों को भगवान और सरकार पर भरोसा है, लेकिन सरकार का हस्तक्षेप और घटना उसकी छाया किसी परियोजना को बर्बाद कर सकती है, इसीलिए सरकार विषकन्या के समान है। जो सरकार से दूर रहता है, वह प्रगति कर सकता है। नितिन गडकरी ने नागपुर में कृषि विकास प्रतिष्ठान के तत्वाधान के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कही। गडकरी ने कहा कि सरकार से जो दूर रहेगा वह प्रगति कर सकता है, सरकार कि जो अड़चन है अलग है। उन्होंने आगे कहा कि आज हमारे सामने सबसे बड़ा लक्ष्य है... हम देश की कृषि आय को 22 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहते हैं और जिस दिन हम ये कर लेंगे उस दिन किसानों की मजदूरी 1500 हो जाएगी, इसलिए सरकार में समस्याएं अलग होती हैं, समस्याएं इस वर्ष एमएसपी देने में अर्थात बाजार मूल्य और एमएसपी के बीच, इसे संतुलित करने के लिए बाजार मूल्य कम है और एमएसपी अधिक है। गडकरी आगे कहते हैं कि सरकार को बैलेंस करने के लिए डेढ़ लाख करोड़ का भुगतान करना पड़ता है और जो अनाज लिया है उसे रखने के लिए गोदाम उपयुक्त नहीं है। भगवान जाने कितना गड़बड़ हो गया। मंत्री होने के कारण मुझे भी बोलने की कुछ मर्यादा है। नितिन गडकरी की गिनती भाजपा के दिग्गज नेताओं में होती है। वह अपने बेबाक बयान के लिए जाने जाते हैं। गडकरी कई बार कह चुके हैं कि केवल 20 प्रतिशत काम राजनीति के लिए काम करते हैं, बाकी 80 फीसदी काम समाजिक कारणों के लिए करते हैं। उनका एक और बयान चर्चा में रहा था। गडकरी ने कहा था कि अब राजनीति सिर्फ सत्ता के लिए होती है। कभी कभी मेरा मन राजनीति छोड़ देने का करता है।

भारी बारिश : हरिद्वार में भीमगोड़ा बैराज का फाटक टूटा, अलर्ट जारी

देहरादून (हि.स.)। उत्तराखंड के भीम गौड़ा बैराज गेट 01 के क्षतिग्रस्त होने पर डाउन स्ट्रीम में तेज गति से डिस्चार्ज बढ़ने की प्रबल सम्भावना है। इसे ध्यान में रखते हुए जिलाधकारी हरिद्वार को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। डयूटी ऑफिसर/ उप सचिव, राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र अनूप कुमार मिश्रा की ओर से जारी चेतावनी आदेश में कहा गया कि भीम गौड़ा बैराज का 01 गेट के क्षतिग्रस्त हुआ है। जिससे डाउन स्ट्रीम में तेज गति से डिस्चार्ज बढ़ने की प्रबल सम्भावना है। इसी के दृष्टिगत जिलाधकारी हरिद्वार को बैराज के डाउन स्ट्रीम में आम जनमानस के बचाव के लिए समस्त ईकाइयों को सक्रिय करने और आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। किसी भी प्रकार की आपदा की सूचना राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष के फोन नंबरों 0135-2710335, 2664314, 2664315, 2664316, फैक्स नं. 0135-2710334, 2664317, टोल फ्री नं. 1070, 9058441404 और 8218867005 पर तत्काल देना सुनिश्चित करेंगे।

विपक्षी एकता को मिला आप का साथ

नई दिल्ली। बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी दलों की मीटिंग में आम आदमी पार्टी भी हिस्सा लेने जा रही है। आम आदमी पार्टी की ओर से खुद सीएम केजरीवाल इस मीटिंग में हिस्सा लेंगे। दिल्ली के लिए आए केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी चाहती थी कि कांग्रेस उनका समर्थन करे। कांग्रेस ने रविवार को साफ किया कि वो आम आदमी पार्टी के साथ है। कांग्रेस के इस फैसले के बाद आम आदमी पार्टी ने राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में आम आदमी पार्टी ने फैसला लिया है कि बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी दिलों की मीटिंग में आम आदमी पार्टी भी हिस्सा लेगी। राघव चड्ढा ने कहा कि बैठक में विस्तार से हर पहलु पर चर्चा हुई और बैठक के समाप्त होने के बाद मैं कहूंगा कि काला अध्यादेश एक राष्ट्र विरोधी कानून है। हर वो शख्स जो इस अध्यादेश का समर्थन करता है वो राष्ट्र विरोधी है।

कराची में मॉल बनाने के लिए तोड़ा 150 साल पुराना हिंदू मंदिर

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कराची में 150 साल पुराने एक हिंदू मंदिर को तोड़ दिया गया। इससे पाकिस्तान में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोग दहशत में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कराची के सोल्जर बाजार में मारी माता का मंदिर है। ये 150 साल से भी अधिक पुराना मंदिर है। इसे शुक्रवार (14 जुलाई) की रात एक अज्ञात बिल्डर ने शॉपिंग प्लाजा बनाने के लिए तोड़ दिया। कहा जा रहा है कि मंदिर की जमीन को एक शॉपिंग प्लाजा प्रमोटर को सात करोड़ रुपए में बेच दी गई है। इसके बाद शुक्रवार की रात पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में मंदिर पर बुलडोजर चला दिया गया। पिछले साल जून में ही मरी माता मंदिर में हिंदू देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को तोड़ दिया गया था। कराची के श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर के पुजारी राम नाथ मिश्रा महराज ने डॉन को बताया कि मरी माता मंदिर का निर्माण 150 साल पहले हुआ था। हमने इसके आंगन में दबे पुराने खजाने के बारे में कहानियां भी सुनी हैं। यह लगभग 400 से 500 वर्ग गज में फैला हुआ है और पिछले कुछ समय से इस बात की चर्चा थी कि जमीन हड़पने वालों की नजर इस पर थी। इस बीच मद्रासी हिंदू समुदाय के एक सदस्य ने कहा कि उन्हें दो व्यक्तियों इमरान हाशमी और रेखा उर्फ नागिन बाई की ओर से घर खाली करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। ऐसी भी चर्चा थी कि मंदिर को नामित दोनों लोगों ने 70 मिलियन रुपए की राशि में किसी अन्य पार्टी को बेच दिया गया था और खरीदार वहां एक व्यावसायिक भवन बनाना चाह रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना से कराची में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोग दहशत में हैं। कोरंगी इलाके के एक हिंदू निवासी संजीव ने अखबार को बताया कि मोटरसाइकिल पर छह से आठ लोग वहां आए और मंदिर पर हमला कर दिया। पाकिस्तान में अक्सर मंदिर भीड़ की हिंसा का निशाना बनते रहे हैं। कोटरी, भोंग शहर और सुक्कुर-मुल्तान मोटरवे में सिंधु नदी के तट पर स्थित दर्जनों मंदिर नष्ट हो गए हैं। क्षेत्र के एक हिंदू समुदाय के नेता, रमेश ने कहा कि मंदिर प्रबंधन पिछले कुछ समय से परिसर खाली करने के दबाव में था क्योंकि जमीन जाली दस्तावेजों पर एक डेवलपर को बेच दी गई थी जो भूखंड पर एक शॉपिंग मॉल बनाना चाहता था। हिंदू समुदाय ने पाकिस्तान-हिंदू परिषद, सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह और सिंध पुलिस के महानिरीक्षक से इस मामले में दखल देने की मांग की है।

दिल्ली से तेल अवीव जाने वाले विमान को हाईजैक करने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एअर इंडिया विमान को हाईजैक करने की धमकी देने के मामले में एफआईआर दर्ज की है। बताया जा रहा है कि 13 जुलाई को पुणे में एयर इंडिया के कॉल सेंटर पर फोन कर धमकी दी गई थी। इस संबंध में रविवार को मामला दर्ज किया, फोन करने वाले ने दिल्ली से तेल अवीव जाने वाले विमान को हाईजैक करने की धमकी दी थी। पुलिस के अनुसार, कॉल करने वाले व्यक्ति ने कहा कि उसने एक अन्य व्यक्ति को यह कहते हुए सुना कि दिल्ली से तेल अवीव जाने वाले विमान को हाईजैक कर लिया जाएगा। दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के मुताबिक, 13 जुलाई को सुबह 6.05 बजे पुणे में एयर इंडिया के कॉल सेंटर पर एक कॉल आई।

पहाड़ी इलाके में बिजली के खंभे-जीआई पाइप से बनाई गई बंदूकें

तलाशी अभियान के दौरान हुआ खुलासा

सुगनू (मणिपुर)। मणिपुर में पुलिस शस्त्रागारों से लूटे गए हथियारों को बरामद करने के लिए चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान एक बड़ा खुलासा हुआ है। मणिपुर के पहाड़ी इलाके में तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा जब्त किए गए हथियारों का एक बड़ा हिस्सा उखाड़े गए बिजली के खंभों या गैल्वनाइज्ड लोहे (जीआई) पाइपों से बनी बंदूकें थीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन बंदूकों के अलावा, पहाड़ी इलाकों से संघर्षरत समूह के शस्त्रागार में एके और इंसास राइफल जैसे अन्य हथियार मौजूद हैं। दक्षिणी मणिपुर के काकचिंग जिले में स्थित अधिकारियों ने कहा कि पहाड़ी समुदाय के लोग पारंपरिक रूप से शिकारी हैं और घातक हथियार बनाने और उसे ठीक की क्षमता रखते हैं। हाल ही में, यहां के दूरदराज के गांवों के साथ-साथ पड़ोसी चुराचांदपुर जिले में भी कुछ बिजली के खंभे गायब और पानी के पाइप उखड़े हुए पाए गए थे। अधिकारियों ने कहा कि यह इस बात के पर्याप्त संकेत हैं कि इनका इस्तेमाल हथियार बनाने में किया गया और झड़प के दौरान दूसरे समुदाय पर गोली चलाने के लिए इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि यह समुदाय परंपरागत रूप से तलवार, भाले, धनुष और तीर का उपयोग करता था। बाद में उन्होंने देसी बंदूकों और गोलियों का उपयोग करना शुरू कर दिया, जिन्हें *थिहनांग* भी कहा जाता है। उखाड़े गए बिजली के खंभों का उपयोग देसी तोप बनाने के लिए किया गया, जिसे *पम्पी* या *बम्पी* भी कहा जाता है, जो स्क्रैप आयरन और अन्य धातु की वस्तुओं से भरी होती है और गोलियों या छर्रों के रूप में काम करती हैं। अधिकारियों ने कहा कि इनका निर्माण ग्रामीण लोहारों द्वारा किया जाता है, जिन्हें *थिह-खेंग पा* कहा जाता है। ये अक्सर अपने समुदाय की रक्षा के लिए मुफ्त में सेवा देते हैं। बता दें कि तीन मई को हुई मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय झड़पों की पृष्ठभूमि में सुरक्षा बल राज्य में हिंसा को रोकने के लिए नागरिक अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहे हैं। इस हिंसा में 160 से अधिक लोगों की जान चली गई है।

पृष्ठ एक का शेष

संस्कृति के संरक्षण ...

नुकसान के अनंत काल तक संरक्षित रखा जाए। तथ्य यह है कि सभी प्रतिकूलताओं का सामना करते हुए, स्वदेशी और जनजातीय मान्यताएं और संस्कृति इतने लंबे समय तक जीवित रहने में कामयाब रही हैं, यह ऐसी मान्यताओं और प्रथाओं की अंतर्निहित शक्तियों का प्रकटीकरण है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 25 किसी को भी अपनी पसंद के धर्म का स्वतंत्र रूप से अभ्यास करने, मानने और प्रचार करने का अधिकार देता है, यह किसी भी प्रकार के प्रलोभन और प्रलोभन के माध्यम से धार्मिक रूपांतरण को अधिकृत नहीं करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कई स्वदेशी और आदिवासी समुदायों के बीच देखी गई धार्मिक रूपांतरण की प्रवृत्ति ने उनकी पारंपरिक मान्यताओं और प्रथाओं को कमजोर कर दिया है। उन्होंने जातिगत हिंदू और ईसाई संप्रदायों से विभिन्न माध्यमों से संस्कृतिकरण और ईसाईकरण के प्रयासों से परहेज करने की भी अपील की, जिसमें सामग्री और इसी तरह की पेशकश के माध्यम से प्रलोभन भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्म परिवर्तन के कारण दुनिया भर में कई स्वदेशी विश्वास लगभग विलुप्त हो गए हैं, हालांकि, वह अपनी स्वतंत्र इच्छा औत विकल्प पर किसी अन्य धर्म में परिवर्तित होने वाले व्यक्तियों के विरोध में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि समाज में विविध आस्थाओं के एक साथ पनपने और विकसित होने के लिए पर्याप्त जगह है। यह कहते हुए कि यह धर्म है जिसने संस्कृति का निर्माण किया है, न कि इसके विपरीत, मुख्यमंत्री ने संस्कृति को पनपने और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक प्रसारित करने के लिए अपने पूर्वजों की मान्यताओं और विश्वासों से जुड़े रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में असम सरकार कई अन्य स्वदेशी और आदिवासी संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि साल के अंत तक, असम सरकार कई स्वदेशी आस्था और आदिवासी सांस्कृतिक प्रथाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक उत्सव आयोजित करेगी जो अब तक लोकप्रिय कल्पनाओं से दूर रही है। उन्होंने एक स्वदेशी और आदिवासी खेल महोत्सव आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की, जिसका उद्देश्य उन खेलों को पुनर्जीवित करना है जो कभी राज्य के ग्रामीण परिदृश्यों पर हावी थे।

हम बाढ़ के लिए ...

इस दौरान केजरीवाल ने असम सीएम हिमंत शर्मा को दिल्ली आने और अपने आवास पर चाय के लिए निमंत्रण दिया था। दोनों के बीच खूब जुबानी जंग छिड़ी थी। हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार दोपहर एक और ट्वीट करके इशारों में केजरीवाल पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भूटान, अरुणाचल और यहां तक कि चीन हर साल पानी छोड़ता है, जिसकी वजह से असम में बाढ़ आती है। हम बहादूरी के साथ इसका सामना करते हैं। हम मानवीय कल्पना से परे दर्द और दुख का अनुभव करते हैं। फिर भी हम दूसरों को दोष नहीं देते हैं क्योंकि हम जानते हैं कि प्रकृति भूगोल को नहीं पहचानती।

सीएम के मियां वाले ...

के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। शर्मा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि ऐसे शब्द एक मुख्यमंत्री के लिए अशोभनीय हैं। इससे राज्य का एक विशेष समुदाय आहत और नाराज महसूस कर रहा है। यह बयान एक सांप्रदायिक विभाजन पैदा कर रहा है। अगर इससे कोई घटना होती है, तो सरकार और हिमंत विश्व शर्मा इसके लिए जिम्मेदार होंगे। अजमल ने यह भी कहा कि सब्जियों की कीमतें मियाओं द्वारा नियंत्रित नहीं हैं। असमिया युवाओं से कृषि अपनाने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि हम असमिया युवाओं का कृषि गतिविधियों में शामिल होने का स्वागत करेंगे। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे ऐसा करेंगे क्योंकि इसके लिए बहुत कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने आरोप लगाया कि लोगों के बीच सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने के लिए शर्मा और अजमल दोनों मिलकर मिया-असमिया विवाद पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, वे दोनों लोगों को धार्मिक आधार पर बांटना चाहते हैं। भाजपा बेरोजगारी, महंगाई, अवैध प्रवासियों आदि जैसे मुख्य मुद्दों को संबोधित करने में विफल रही है और ध्यान भटकाने के लिए वे इस तरह की रणनीति अपना रहे हैं। रायजोर दल के अध्यक्ष और विधायक अखिल गोगोई ने यह भी दावा किया कि शर्मा के ऐसे सांप्रदायिक बयान महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने की एक चाल है। उन्होंने कहा कि ऐसी सांप्रदायिक राजनीति के तीन मुख्य कारण हैं। भाजपा परिसीमन प्रस्ताव के मसौदे से ध्यान भटकाना चाहती है क्योंकि विपक्ष लोगों के सामने यह कहने में सक्षम है कि दस्तावेज स्वदेशी लोगों के हितों का समर्थन नहीं करता है। उधर ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक अमीनुल इस्लाम ने भाजपा पर समुदायों को जाति और धर्म के आधार पर विभाजित करने का आरोप लगाया। एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा लाभ पाने के लिए समुदायों को जातिपात और धर्म के नाम पर बांटने की रणनीति अपनाती है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा को दिख रहा है कि पूर्वोत्तर उनके पक्ष में नहीं जा रहा है, इसलिए असम में समुदायों के बीच खाई पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी तभी मिया- मिया करके समुदायों को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। वह एक प्रतिष्ठित पद पर हैं, ऐसे में इस तरह के बयान देना शोभा नहीं देता है। अमीनुल इस्लाम ने शर्मा के बयान की निंदा की। कहा कि अगर यह सब होने के बाद कोई घटना घटती है तो इसके लिए सरकार और सीएम हिमंत विश्व शर्मा जिम्मेदार होंगे। उनके बयान से भाईचारे को नुकसान पहुंच सकता है। पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए विधायक ने कहा कि वो तो चाहते हैं कि हम दंगा करें, सड़कों पर उतरें तो उनको इसका लाभ मिलेगा। हालांकि, हम सोच रहे हैं कि ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने आगे असम के लोगों से अपील की कि कुछ लोग दंगा भड़काने और समुदायों के बीच में दरार लाने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि हम सब साथ मिलकर रहेंगे। किसी राजनीतिक पार्टी की बात में आकर दंगा नहीं करने लगेंगे। हिमंत शर्मा ने गुरुवार को कहा था कि पूर्वी बंगाल मूल के मुसलमान असम के लोगों से ऊंची कीमतें ले रहे हैं। उन्होंने कहा था कि गुवाहाटी में मिया लोगों ने स्थानीय सब्जी बाजारों पर नियंत्रण कर लिया है। अगर कोई असमिया युवक सब्जियां बेच रहा होता, तो वह अन्य असमिया साथी नागरिकों से बढ़ी हुई कीमतें नहीं ले सकता। इतना ही नहीं सीएम हिमंत ने आगे कहा था कि मैं असमिया युवाओं को आश्वासन देता हूं कि मैं सभी मिया मुस्लिम सब्जी विक्रेताओं को शहर से बाहर निकाल दूंगा।

स्वत: संज्ञान लेते हुए ...

आग्रह कर रहे हैं कि वे उनकी आजीविका के मामूली साधनों - सब्जी विक्रेताओं और किराने की दुकानों - को भी जबरन छीन लें। मुफ्ती ने ट्विटर पर लिखा कि जबकि न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार पर वैध सवाल उठाने के लिए राहुल गांधी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की, लेकिन उन्हें असम के सीएम के आग भड़काने वाले बयानों पर स्वत: संज्ञान लेने से कौन रोकता है। गुवाहाटी में सब्जियों की ऊंची कीमत पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए शर्मा ने हाल ही में कहा था कि गांवों में सब्जियों की इतनी ऊंची कीमत नहीं होती है। यहां मिया विक्रेता हमसे अधिक कीमत वसूलते हैं। अगर ये असमिया विक्रेता होते जो सब्जियां बेच रहे होते, तो वे अपने ही लोगों को नहीं लूटते। उन्होंने कहा कि मैं गुवाहाटी के सभी फुटपाथों को साफ कर दूंगा और मैं अपने असमिया लोगों से आगे आने और अपना व्यवसाय शुरू करने का आग्रह करता हूं। मिया मूल रूप से असम में बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक अपमानजनक शब्द है। हाल के वर्षों में, समुदाय के कार्यकर्ताओं ने अवज्ञा के संकेत में इस शब्द को अपनाना शुरू कर दिया है। असम में विपक्षी दलों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता पर सांप्रदायिक राजनीति खेलने का आरोप लगाते हुए शर्मा की टिप्पणियों की आलोचना की है।

अध्यादेश पर बन गई ...

दिल्ली अध्यादेश पर विधेयक आने पर इसका विरोध करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हम संघवाद को खत्म करने के केंद्र सरकार के प्रयासों का निरंतर विरोध कर रहे हैं। हम विपक्ष द्वारा शासित राज्यों को राज्यपालों के जरिए चलाने के केंद्र सरकार के रवैये का निरंतर विरोध कर रहे हैं। हमारा रुख बहुत स्पष्ट है, हम दिल्ली अध्यादेश का समर्थन नहीं करने वाले हैं। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी (आप) के सोमवार से बेंगलुरु में शुरू हो रही विपक्ष की दूसरी बैठक में भाग लेने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। आप कहती रही है कि कांग्रेस दिल्ली अध्यादेश पर अपना रुख स्पष्ट करे और उसके बाद ही वह विपक्षी दलों की अगली बैठक में भाग लेने पर फैसला करेगी। इस बीच, आप नेता राघव चड्ढा ने अध्यादेश पर कांग्रेस के *स्पष्ट विरोध* का स्वागत किया और कहा कि यह एक सकारात्मक घटनाक्रम है।

नगालैंड विस में ...

विधायकों पर संकट आ जाएगा। उनके सरकारी आवासों में आग लगा दी जाएगी। दरअसल, संगठन ने धमकी भरा यह संदेश लगभग सभी विधायकों को भेजा गया था। इसके बाद राज्य के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में पुलिस ने धमकी, विधायकों के खिलाफ अपराधिक साजिश रचने, सरकारी संपत्ति को नष्ट करने और शांति भंग करने की धमकी देने से संबंधित कई मामले दर्ज किए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने संगठन से जुड़े लोगों की पहचान करने के लिए तलाश शुरू कर दी। एक जांच अभियान के बाद डिमापुर पुलिस ने संबंधित आरोपों में संगठन के अध्यक्ष माइकल टुंगो, महासचिव (सार्वजनिक नीति) इकाटो झिमोमी, महासचिव अल्बर्ट किरे, मुख्य सलाहकार हैथुंग टी लोथा और राज्य कार्यकारी सदस्य टेमजेन मार एओ सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया।

अरुणाचल में भारी ...

एवं अनुमंडल प्रशासन इस खराबी को दूर कर यातायात व्यवस्था को बहाल करने के लिए कोई विशेष प्रयास नहीं कर रहा है। इसी बीच लगातार भारी बारिश के कारण रविवार की सुबह पासीघाट-पांगिन सड़क धंस कर गहरी खाई में समा गई। परिणामस्वरूप, पूर्वी सियांग जिले के पासीघाट शहर और सियांग जिले के पांगिन के बीच सड़क संपर्क टूट गया है। इस बीच, नदी किनारे के इलाकों के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए बचाव अभियान जारी है। दूसरी ओर, राज्य के पहले से ही भूस्खलन की आशंका वाले जिलों के प्रशासन ने स्थानीय निवासियों को मानसून जारी रहने के कारण सड़कों पर यात्रा करने से बचने की चेतावनी जारी की है।

सीमा मुद्दे पर बौखलाया...

गेम खेलने के दौरान प्यार हुआ था। सीमा को भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि बाद में उसे जमानत मिल गई थी। कुछ दिन पहले पाकिस्तान के एक डाकु ने धमकी दी थी कि अगर सीमा और उसके बच्चे वापस नहीं आए तो दो दिन के अंदर हम मंदिर पर हमला करेंगे। हम यहां के हिंदुओं को नहीं छोड़ेंगे। सीमा हैदर तब से हेडलाइन में है जब उसकी कहानी पहली बार सामने आई थी। जिस घर में यह कपल रहता है वह पत्रकारों और लोगों से घिरा हुआ है। वे सीमा और सचिन की एक झलक पाने के लिए उत्सुक रहते हैं। इस भीड़ ने उत्तर प्रदेश पुलिस को अलर्ट पर ला दिया है। उत्तर प्रदेश के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सीमा पर संभावित हमलों के बारे में चिंता व्यक्त की, जब उसने सचिन के साथ रहने के लिए इस्लाम से हिंदू धर्म में परिवर्तित होने की बात कही थी। पुलिस अधिकारी ने चेतावनी दी कि भीड़ में से कोई या मीडिया कर्मियों के भेष में कोई बदमाश सीमा पर जानलेवा हमला कर सकता है। सीमा को लेकर मुंबई पुलिस को भी धमकी मिल चुकी है। ट्रैफिक पुलिस नियंत्रण कक्ष को धमकी दी गई थी कि अगर भारत सरकार सीमा हैदर को वापस करने में विफल रही तो 26/11 जैसा आतंकवादी हमला किया जाएगा। मुंबई पुलिस को ये धमकी उर्दू में मिली थी, जिसमें लिखा था कि अगर सीमा हैदर पाकिस्तान नहीं लौटी तो भारत नष्ट हो जाएगा। 26/11 जैसे हमले के लिए तैयार रहें। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार जिम्मेदार होगी।

छह कांवड़ियों की मौत...

जत्था ट्रैक्टर-ट्रॉली पर हरिद्वार से डीजे कांवड़ लेकर आया था। औघड़नाथ मंदिर में जल चढ़ाने के बाद शनिवार रात को राली चौहान गांव में पहुंची डीजे कांवड़ हाईटेंशन तार से टकरा गई। कांवड़ में करंट उतरने से लगभग 20 कांवड़िए झुलस गए। इनमें से छह की मौत हो गई, जबकि बाकी कांवड़ियों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। इस दुर्घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने किला परीक्षितगढ़ रोड पर जाम लगा दिया। एडीजी राजीव सब्बरवाल ने अस्पताल में भर्ती कांवड़ियों का हालचाल पूछा। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम की एमडी चैत्रा वी., जिलाधिकारी दीपक मीणा, एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने गांव में पहुंच कर ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी रातभर ग्रामीणों को समझाते रहे। जिलाधिकारी ने हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए मजिस्ट्रियल जांच बैठा दी है। इसके साथ ही पावर कार्पोरेशन की भूमिका की जांच के लिए भी एक समिति का गठन किया गया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद रविवार सुबह ग्रामीणों ने जाम खोल दिया।

मानसून सत्र : केंद्र ने ...

के अनुसार, संसद के मानसूत्र सत्र या 17वीं लोकसभा के 12वें सत्र के दौरान लिए जाने वाले सरकारी कार्यों की संभावित सूची में 21 नये विधेयकों को पेश व पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इसमें दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक 2023 भी शामिल है। यह विधेयक संबंधित अध्यादेश का स्थान लेने के लिए पेश किया जाएगा। सरकारी सूत्रों ने कहा कि सत्र में महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाने हैं, ऐसे में सभी दलों को सत्र चलाने में सहयोग करना चाहिए क्योंकि सरकार नियम व प्रक्रिया के तहत किसी भी विषय पर चर्चा कराने से पीछे नहीं हट रही है। मणिपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, संघीय ढांचे पर कथित आक्रमण, महंगाई, अडाणी मामले पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग, महिला पहलवानों के उत्पीड़न पर चर्चा कराने सहित अन्य मुद्दों पर विपक्ष के हमलावर रुख को देखते हुए सत्र के हंगामेदार होने की संभावना है। कांग्रेस के नेता के. सुरेश ने कहा कि हाल में पार्टी की संसदीय रणनीति समूह की बैठक हुई, जिसमें तय किया गया कि हम मणिपुर हिंसा,रेल सुरक्षा,संघीय ढांचे पर आक्रमण, जीएसटी को पीएमएलए के दायरे में लाने और महंगाई पर चर्चा कराने की मांग करेंगे। संसद का मानसून सत्र गुरुवार से शुरू होगा। 23 दिनों का यह सत्र 11 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान संसद के दोनों सदनों की कुल 17 बैठकें प्रस्तावित हैं।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

नेती धोती त्राटका, नौली वस्ती साध।
वज्रोली संयम करे, तन शुद्ध वपु राध॥ 27॥

शब्दार्थ : (वज्रोली) स्त्री की योनि में गिरे हुए वीर्य को खींचने का साधन (वपु) शरीर (शुद्धी) पवित्रता

भाष्य : नेता, धौती, त्राटक, बस्ती और वज्रोली ये सब क्रियाएं और इनके संयम के सब साधन शरीर की शुद्धि और रक्षा के लिए हैं।

आतम साधन है नहीं, यह हठयोग विधान।
आतम अन्तर आतमा, अनुभव गति विज्ञान॥ 28॥

शब्दार्थ : (आतम साधन) आत्मोन्नति का योग-साधन।

भाष्य : ये उपरोक्त सभी क्रियाएं हठयोग हैं, इनके द्वारा शरीर की पवित्रता होती है और इनके साथ मन के संयम करने से जीवन में तेज आ जाता है। ब्रह्मविद्या के अनुभव-विज्ञान की प्रगति से आत्मा का अंतर-साधन होता है, जिसके द्वारा परब्रह्म की प्राप्ति होती है।

बिश्वनाथ जिले में बाढ़ से बिगड़े हालात, 32 हजार से अधिक लोग प्रभावित; सात की मौत

गुवाहाटी। असम के बिश्वनाथ जिले में 32400 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बताया कि इन इलाकों में बाढ़ से जनजीवन व्यस्त हो गया है। एसडीएमए ने कहा कि गोहपुर क्षेत्रों में 22417 लोग प्रभावित हुए हैं और हलेम क्षेत्रों में लगभग 10000 लोग प्रभावित हुए हैं। गुवाहाटी, एएनआई। असम में बाढ़ से स्थिति गंभीर है। असम के बिश्वनाथ जिले में 32, 400 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बताया कि इन इलाकों में बाढ़ से जनजीवन व्यस्त हो गया है। एसडीएमए ने कहा कि बाढ़ से गोहपुर क्षेत्रों में 22, 417 लोग प्रभावित हुए हैं और हलेम क्षेत्रों में लगभग 10, 000 लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, बिश्वनाथ उप-मंडल के अंतर्गत 47 गांव जलमग्न हो गए हैं, जबकि 858 हेक्टेयर फसल नष्ट हो गया है। गोहपुर इलाके के एक स्थानीय निवासी ने कहा कि उनके घर के अंदर पानी का स्तर 3 फीट तक बढ़ गया है। उनहोंने कहा कि अब हमें बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अब हम अपने घर में नहीं रह सकते हैं। जलस्तर अभी भी बढ़ रहा है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार हमारी मदद करेगी। एएसडीएमए बाढ़ रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य में बाढ़ से 15 जिलों और दो उप-मंडलों के 31 राजस्व क्षेत्रों के तहत 385 गांवों के 1.08 लाख लोग प्रभावित हुए थे। बताया गया कि बाढ़ के पानी से 4168.40 हेक्टेयर फसल क्षेत्र डूब गया है। अधिकारियों के अनुसार, प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित जिलों में 22 राहत शिविर और 71 राहत वितरण केंद्र स्थापित किए हैं, जहां अब 4, 275 लोग शरण ले रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि गोलाघाट जिले में अनुमानित रूप से 19, 379 लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि धेमाजी जिले में 13, 000 लोग, माजुली जिले में 12, 000 लोग, डिब्रूगढ़ में 12, 855 लोग, चिरांग जिले में 6218 लोग, धुबड़ी जिले में 3336 लोग, शिवसागर जिले में 3135 लोग प्रभावित हुए हैं। जानकारी के अनुसार, बाढ़ से 72, 300 से अधिक घरेलू जानवर प्रभावित हुए हैं। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा, स्थानीय प्रशासन की टीमें बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव कार्य में लगी हुई हैं। बता दें कि पिछले 24 घंटों में, बाढ़ प्रभावित कई जिलों में बाढ़ के पानी ने तीन तटबंधों, 42 सड़कों, पुलियों, सिंचाई नहरों, आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूल भवनों को नष्ट किया है। वहीं, राज्य में बाढ़ से अब तक सात लोगों की जान जा चुकी है।

तिनसुकिया के धला नदी में डूबा युवक

तिनसुकिया (हिंस.)। तिनसुकिया जिला के धला नदी में एक युवक के डूब जाने को लेकर इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने आज बताया कि लापता युवक की पहचान पापानू ओरांग के रूप में हुई है। यह हादसा शनिवार की रात घर आते समय युवक द्वारा धला नदी पार करने के दौरान हुआ। बताया गया है कि युवक नदी पार कर लफांगकला गांव जाने की कोशिश कर रहा था। युवक की तलाश में एसडीआरएफ का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

भारी मात्रा में विस्फोटक के साथ एक युवक गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के कछार जिले से एक युवक को भारी मात्रा में विस्फोटकों के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि विस्फोटक पड़ोसी राज्य मेघालय से लाया गया था। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान जिले के गुमराह निवासी 24 वर्षीय प्रोसोनजीत बैष्णब के रूप में की गई है। विस्फोटकों की तस्करी की एक सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने असम राइफल्स के साथ मिलकर गुरुवार को एक संयुक्त अभियान चलाया और असम-मेघालय सीमा के करीब फदरी टीला इलाके में मेघालय से आ रही एक कार को रोका और विस्फोटक बरामद किया। पुलिस अधीक्षक नुमल महट्टा ने कहा कि छापेमारी के दौरान टाटा सूमो से 400 जिलेटिन की छड़ें, 400 डेटोनेटर और कुछ अन्य सामग्री बरामद की गई। सामग्री जब्त कर ली गई और कार के चालक को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तार युवक से पूछताछ की जा रही है। हो सकता है कि वह इन बमों को किसी पड़ोसी राज्य में ले जाने की कोशिश कर रहा हो। हम स्थिति पर विस्तार से नजर रख रहे हैं।

गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी के बीच फेरी सेवा निलंबित

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी के बीच की फेरी सेवा आज से निलंबित कर दी गई है। ब्रह्मपुत्र के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि के कारण अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग ने यह निर्णय लिया। विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि राज्य में मानसून के आगमन के साथ ही भारी बारिश के कारण ब्रहमपुत्र नद और सहायक नदियां उफान पर हैं। इस कारण विभागीय अधिकारियों ने लगभग हर नदी और सहायक नदियों में छोटी नौकाओं की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। ब्रह्मपुत्र के जलस्तर में वृद्धि के कारण अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग ने माजुली-निमातीघाट नौका सेवा पहले से ही निलंबित कर रखी है।

25 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त, सात गिरफ्तार

आइजल (हिंस)। मिजोरम में 25 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त की गई है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि आबकारी और नारकोटिक्स विभाग ने एक अभियान चलाते हुए हेरोइन को जब्त किया। जब्त हेरोइन का परिमाण 5 किग्रा से अधिक बताया गया है। चाइचल इलाके में एक बोलेरो और ग्रैंड विटारा गाड़ी से हेरोइन जब्त किए गए है। कुल 436 साबुनदानी में भरकर हेरोइन की आपूर्ति की जा रही थी। पुलिस ने त्रिपुरा के चार तस्करों को गिरफ्तार किया है।

ऑनलाइन ठगी करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की दिसपुर पुलिस और क्राइम ब्रांच ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर ऑनलाइन ठगी में शामिल तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा और दिसपुर पुलिस थाना की एक संयुक्त टीम ने कल्याण नगर इलाके में छापेमारी के बाद एक बड़े ऑनलाइन वित्तीय घोटाले का भंडाफोड़ किया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान तीन ठगों को गिरफ्तार किया गया। इंजामुल इस्लाम और शाकिब उद्दीन दोनों को मोरीगांव के लाहोरीघाट से और एक अन्य को दक्षिण सालमारा-मनकाचार से गिरफ्तार किया गया। पुलिस तीनों से पूछताछ करने में जुटी हुई है।

अणुव्रत समिति, गुवाहाटी का नशामुक्ति व पर्यावरण संरक्षण पर पोस्टर प्रचार अभियान

गुवाहाटी। अणुव्रत समिति, गुवाहाटी द्वारा साप्ताहिक नशामुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत दूसरे सप्ताह भी पोस्टरों के माध्यम से प्रचार-प्रसार अभियान जारी है। इसी कड़ी में अणुव्रत समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने फैंसी बाजार में ऑटो रिक्शा एवं रिक्शा के पीछे *ड्रग्स को कहें ना* के पोस्टर लगाए गए। ज्ञातव्य हो कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नशे (ड्रग्स) की बढ़ती प्रवृत्ति के प्रति लोगों को जागरूक करना है। यह जनजागरूकता कार्यक्रम प्रत्येक सप्ताह वर्षपर्यंत चलता रहेगा। उल्लेखनीय है कि अणुव्रत समिति, गुवाहाटी समय-समय पर नशामुक्ति, पर्यावरण शुद्धि के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष बजरंग बैद, निवर्तमान अध्यक्ष बजरंग डोसी, पूर्व अध्यक्ष निर्मल सामसुखा, मंत्री संजय चौरड़िया, कार्यक्रम संयोजक कमलेश रांका, कार्यकारिणी सदस्य, राजकुमार भटेरा, पवन जम्मड़, प्रमोदजी बैद, दीपक सेठिया, पुखराज श्रीमाल का सक्रिय योगदान रहा। इस आशय की जानकारी प्रचार-प्रसार मंत्री सरोज बरड़िया ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

ढकुवाखाना में सड़क दुर्घटना एक की मौत, दो घायल

लखीमपुर (असम) (हिंस)। जिले के ढकुवाखाना घिलामारा ढकुआखाना स्टेट हाईवे के शिंगिया इलाके में हुए सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती रात दो युवक और एक युवती बाइक (एएस-07-बी-4316) पर सवार होकर सुवनसिरी बाली मेदक गांव से ढकुवाखाना की ओर तेज गति से आ रहे थे। हादसा उस समय हुआ जब ये तीनों मइना गोगोई, कृष्ण कांत पेगू और लक्ष्मी मेदक घिलामारा-ढकुवाखाना राज्य राजमार्ग पर यात्रा कर रहे थे। तभी बाइक सिंगिया खंड पर बांस ले जा रहे ट्रक (एआर-01जी-1736) से टकरा गयी। ढकुआखाना थाना अंतर्गत दांगधरा के शिमलुगुड़ी गांव 1 नंबर की मैना गोगोई (23) इस भीषण सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे घिलामारा सामुदायिक अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसने दम तोड़ दिया। इस बीच, एक अन्य युवक कृष्णकांत पेगू और युवती लक्ष्मी मेदक का पहले घिलामारा सामुदायिक अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए लखीमपुर जिला सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया। घिलमारा पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले ट्रक को जब्त कर लिया है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम की व्यवस्था कर मामला दर्ज कर लिया है। इस बीच एक सूत्र ने कहा कि लड़की को प्रेमी कृष्ण कांत पेगू घर से दूर ले आया था। इस बारे में पता चलने के बाद लड़की के पिता भी उनका पीछा कर रहे थे। दुर्भाग्यवश यह हादसा हो गया और मासूम युवा प्रेमी मैना गोगोई का असामयिक निधन हो गया।

सांसद क्वीन ओझा ने कोर समूह में किया *ग्लो गैलरी* का उद्घाटन

गुवाहाटी (विभास)। असम सहित पूर्वोत्तर की अग्रणी समूह कोर ग्रुप ऑफ कंपनीज की ओर से आंतरिक व बाहरी डिजाइन उत्पादों का एक उत्कृष्ट संग्रहजी *ग्लो गैलरी* का शुभारंभ उलूबाड़ी स्थित सैनी स्टील प्रा. लि. परिसर में किया। गुवाहाटी से सांसद क्वीन ओझा ने ग्लो गैलरी स्टूडियो का उद्घाटन किया। इस मौके पर कंपनी के निदेशक अजय अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, अविनाश अग्रवाल, श्रीमती रेनू अग्रवाल, श्रीमती नेहा अग्रवाल और श्रीमती अंकिता अग्रवाल के साथ-साथ ग्लो पैनल्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चेतन छेड़ा के अलावा कई जाने-माने आर्किटेक्ट, इंटीरियर डिजाइनर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे। मुख्य अतिथि श्रीमती ओझा ने दूरदर्शी पहल के लिए कोर ग्रुप ऑफ कंपनीज की सराहना करते हुए कहा कि ग्लो गैलरी में जबरदस्त संभावनाएं हैं और इसके उत्पादों की विशाल श्रृंखला किसी के घर को और अधिक सुंदर बना देगी। ब्रांड, जो निस्संदेह आगामी आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाओं के सौंदर्यीकरण में योगदान देगा। इस मौके पर कोर समूह के निदेशक आदित्य अग्रवाल ने कहा की अपने उत्पादों की विशाल श्रृंखला के साथ सबसे अद्भुत ब्रांडों में से एक *ग्लो गैलरी* का लक्ष्य ग्राहकों, आर्किटेक्ट्स और इंटीरियर डिजाइनरों के लिए एक शानदार केंद्र बनना है, जो अपने उत्पादों की विशाल रेंज को खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया है। ग्लो गैलरी समकालीन उत्पादों की एक आकर्षक श्रृंखला प्रदर्शित करती है, जिसमें एमडीएफ फ्लूटेड पैनल एचएमआर/एचडी-एचएमआर), टेरा ब्लॉक्स, ब्रीज ब्लॉक्स, फैब्रिक पैनल्स (चारकोफैब/नियोफैब), केन वेबिंग, मल्टी प्लैंक्स, मेटाडेकोर पैनल्स, वर्टिकल गार्डन और कई अन्य उत्पाद शामिल हैं। गैलेरी में आगंतुकों को उत्पादों के बारे में अधिक जानकारी मिलती है और इसके उपयोग का विकल्प चुनने में मदद मिलती है।

एसएसबी ने भारी मात्रा में अवैध रूप से ले जाए जा रहे रजनीगंधा पान मसाला समेत एक को किया गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) रानीघुली के कार्यवाहक कमांडेंट के मार्गदर्शन में रविार को सीमा चौकी दादगिरी ने भारत-भूटान अंतर्राष्ट्रीय सीमा स्तंभ संख्या 169/5 के नजदीक गेट के पास से चैकिंग के दौरन भारीस मात्रा में अवैध मान मसाला जब्त किया। मिली सूत्रों के अनुसार गुप्त सूचना के अनुसार चलाए गए इस तलाशी अभियान में एक बोलोरो (बीपी 3ए 4371) नंबर की कार में अवैध रूप से ले जाए जा रहे रजनीगंधा पान मसाला के साथ एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान पेमा तमांग (34) के रूप में की गई है। जो रूनिखाता थानांतर्गत चिराग जिले के रहने वाला बताया जाता है। जब्त की गई सामग्री की कीमत लगभग आठ लाख पचहत्तर हजार रुपए (8.75, 000/-) आंकी गई है। इन सभी अवैध रजनीगंधा पान मसाला व बोलेरो के साथ तस्कर को कस्टम ऑफिस हातीसार, दादगिरी को सौंप दिया गया। जहां आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लाट मंडल अब्दुल जब्बार का निधन

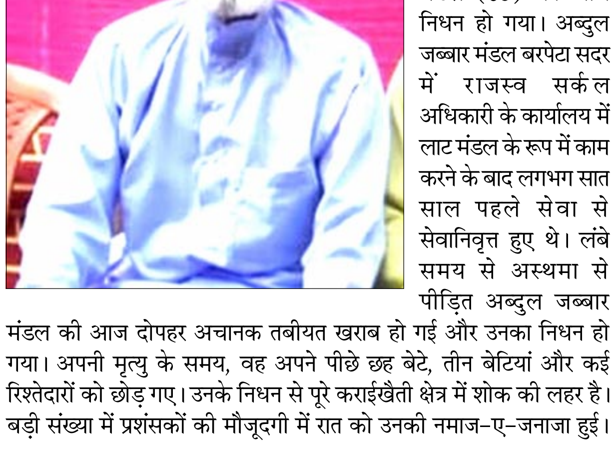

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के तहत आने वाले कराईखैती गांव के निवासी और सेवानिवृत्त लाट मंडल अब्दुल जब्बार मंडल (68) का आज निधन हो गया। अब्दुल जब्बार मंडल बरपेटा सदर में राजस्व सर्कल अधिकारी के कार्यालय में लाट मंडल के रूप में काम करने के बाद लगभग सात साल पहले सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे। लंबे समय से अस्थमा से पीड़ित अब्दुल जब्बार मंडल की आज दोपहर अचानक तबीयत खराब हो गई और उनका निधन हो गया। अपनी मृत्यु के समय, वह अपने पीछे छह बेटे, तीन बेटियां और कई रिश्तेदारों को छोड़ गए। उनके निधन से पूरे कराईखैती क्षेत्र में शोक की लहर है। बड़ी संख्या में प्रशंसकों की मौजूदगी में रात को उनकी नमाज-ए-जनाजा हुई।

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ व राज्य प्राथमिक शिक्षक सम्मेलन का भारत यात्रा शूरू

बिश्वनाथ (विभास)। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ और असम राज्यिक प्राथमिक शिक्षक सम्मेलन ने नई पेंशन नीति को रद्द करने की मांग को लेकर 5 सितंबर से देश के चार कोनों से रैली निकालेंगे; यात्रा देश के चार कोनों पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण से शुरू होगी। यह कार्यक्रम आगामी पांच सितंबर को गुवाहाटी, छह सितंबर को शिवसागर में इस यात्रा के भाग लेने के बाद आगामी 7 सितंबर में विश्वनाथ चारिआलि को सहस्त्र अध्यापकों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। यह आयोजन 8 सितंबर को नलबाड़ी और 9 सितंबर को कोकराझाड़ में होगा। देश के अनान्य स्थानों के साथ में इस कार्यक्रम में नई पेंशन नीति को रद्द करने, सभी स्तरों पर संविदा पदों को नियमित करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा और शिक्षक विरोधी खामियों को दूर करने की मांग की जाएगी। आज विश्वनाथ चारिआलि के विणापाणि नाट्य समाज सभागृह में आयोजित एक बैठक में असम राज्यिक प्राथमिक शिक्षक सम्मेलन के के अध्यक्ष अखिलचंद्र नाथ और महासचिव रतुल गोस्वामी ने उपरोक्त कार्यक्रम की घोषणा की। एसोसिएशन के अध्यक्ष और महासचिव ने अपने भाषण में कहा कि अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ और असम राज्यिक प्राथमिक शिक्षक सम्मेलन लंबे समय से भारत सरकार और राज्य सरकार और सम्मेलन के साथ चर्चा कर रहे हैं। हालांकि न तो केंद्र और न ही राज्य सरकार ने प्राथमिक शिक्षकों की जायज मांगों को स्वीकार किया है। इसलिए, संघ और प्राथमिक सम्मेलन ने आज बिश्वनाथ चारिआलि में बीनापानी नाट्य समाज हॉल में भारत यात्रा संचालन के परिकल्पना सभा और अंतरंग वार्ता के लिए इस सभा का आयोजन किया। इस सभा में सम्मेलन ने भारत यात्रा की विभिन्न सिद्धांतों को ग्रहण की। बैठक में असम राज्यिक प्राथमिक शिक्षक सम्मेलन के अध्यक्ष अखिल चंद्र नाथ, महासचिव रतुल गोस्वामी, उप सचिव दीपांकर ने भाग लिया। शर्मा, अखिल भारतीय सदस्य परेश बोरा, कॉलेज एनपीएस अध्यक्ष, हाई स्कूल शिक्षक संघ अध्यक्ष, सचिव, एनपीएस शिक्षक संघ बिश्वनाथ जिला अध्यक्ष, सचिव, मध्य अंग्रेजी शिक्षक संस्था के अध्यक्ष , सचिव, टेट उत्तीर्ण शिक्षक समाज के विश्वनाथ जिला के अध्यक्ष, सचिव, बिश्वनाथ महकमा प्राथमिक शिक्षक सम्मेलन का केंद्र के सचिव, अध्यक्ष, धेमाजी महकमा , ढकुआखाना महकमा, लखीमपुर, गोहपुर, बिश्वनाथ, कालियाबार, तेजपुर, मंगलदै, उदालगुड़ी, भेरगांव सब-डिविजन प्राथमिक शिक्षक सम्मेलन के अध्यक्ष, सचिव, राज्यिक सदस्य और बैठक में शिक्षक शामिल हुए। सम्मेलन के महासचिव रतुल गोस्वामी ने संवाददाताओं के प्रश्न के उत्तर में कहा कि शिक्षा मंत्री ने असम में प्राथमिक विद्यालय के प्रधान शिक्षकों की समस्याओं के समाधान पर ध्यान नहीं दिया है। इसलिए, राज्य भर के प्रभारी प्रधान शिक्षक सामूहिक रूप से आगामी 19 जुलाई में अपना 300 रुपए का चार्ज भत्ता (बोनस) वापस करेंगे। इधर सरकार ने राज्य में स्नातक शिक्षकों के ग्रेड पे 8700 रुपए की कटौती कर ली है। इस संपर्क में असम सरकार के कैबिनेट तथा वित्त विभाग ने ध्यान नहीं दिया है और सरकार इस अड़ियल फैसले को लेकर कोर्ट जाएगी। प्राथमिक शिक्षक सम्मेलन के अध्यक्ष अखिल चंद्र नाथ ने कहा कि संविदा नौकरियों को नियमित करने के क्षेत्र में सम्मेलन जबदस्त मांग उत्थापन करने की जानकारी दी।

राष्ट्रपति मंगलवार को "भूमि सम्मान" 2023 प्रदान करेंगी

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति मंगलवार, 18 जुलाई को यहां के विज्ञान भवन में 09 राज्य सचिवों और 68 जिला कलेक्टरों को उनकी टीमों के साथ "भूमि सम्मान" 2023 प्रदान करेंगी, जिन्होंने डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआ-ईएलआरएमपी) - शासन का मूल-के मुख्य घटकों के लिए सम्पूर्णता प्राप्त करने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। केन्द्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि यह आयोजन राज्य के राजस्व और पंजीकरण पदाधिकारियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जो अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पिछले 75 वर्षों में पहली बार भूमि सम्मान प्राप्त करेंगे। यह भूमि सम्मान को संस्थागत रूप देने का ऐतिहासिक वर्ष होगा। उन्होंने कहा कि भूमि सम्मान योजना विश्वास और साझेदारी पर आधारित केंद्र-राज्य सहकारी संघवाद का एक अच्छा उदाहरण है, क्योंकि भूमि अभिलेखों के कम्प्यूटरीकरण और डिजिटलीकरण में श्रेणी प्रणाली मुख्य रूप से राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की रिपोर्ट और इनपुट पर आधारित होती है। सिंह ने कहा कि भूमि रिकॉर्ड और पंजीकरण की डिजिटलीकरण प्रक्रिया से भूमि विवादों से जुड़े लंबित अदालती मामलों को बड़े पैमाने पर कम करने में मदद मिलेगी। इससे भूमि विवादों से जुड़े मुकदमे के कारण रुकी हुई परियोजनाओं की वजह से देश की अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाले नुकसान में भी कमी आएगी।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कृषि और किसान कल्याण, रसायन और उर्वरक, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), पंचायती राज और वित्तीय संस्थान, आदि केंद्र और राज्य सरकार के विभागों के कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न सेवाओं और लाभों की प्रभावशीलता और दक्षता को बढ़ाने में भूमि रिकॉर्ड से संबंधित जानकारी बहुत उपयोगी और प्रभावी हो सकती है। उपरोक्त विभागों/एजेंसियों/मंत्रालयों की सेवा-अदायगी की प्रभावशीलता विभिन्न हितधारकों के बीच भूमि रिकॉर्ड से संबंधित जानकारी साझा करने के क्रम में एकरूपता, अंतर-संचालन व अनुकूलता पर निर्भर करती है। गिरिराज सिंह ने बताया कि भूमि संसाधन विभाग ने पूरे भारत में 94 प्रतिशत डिजिटलीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है और 31 मार्च 2024 तक देश के सभी जिलों में भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण के मुख्य घटकों की 100 प्रतिशत पूर्णता प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

अमित शाह आज "ड्रग्स तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा" पर क्षेत्रीय सम्मेलन की करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज नई दिल्ली में "ड्रग्स तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा" पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक सम्मेलन के दौरान अमित शाह के नेतृत्व में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा सभी राज्यों के एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) के साथ समन्वय से देश के विभिन्न हिस्सों में लगभग 2,416 करोड़ रुपये मूल्य के 01 लाख 44 हजार किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों को नष्ट किया जाएगा। नष्ट किए जाने वाले मादक पदार्थों में एनसीबी की हैदराबाद इकाई द्वारा 6590 किलोग्राम, इंदौर द्वारा 822 किलोग्राम और जम्मू द्वारा 356 किलोग्राम नशीले पदार्थ नष्ट किए जाएंगे। इसके साथ ही विभिन्न राज्यों की विधि प्रवर्तन एजेंसीज द्वारा असम

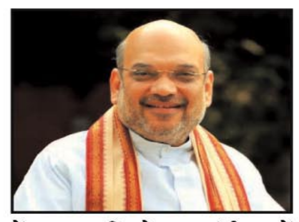

में 1,486 किलोग्राम, चंड़ीगढ़ में 229 किलोग्राम, गोवा में 25 किलोग्राम, गुजरात में 4,277 किलोग्राम, हरियाणा में 2,458 किलोग्राम, जम्मू और कश्मीर में 4,069 किलोग्राम, मध्य प्रदेश में 1,03,884 किलोग्राम, महाराष्ट्र में 159 किलोग्राम, त्रिपुरा में 1,803 किलोग्राम और उत्तर प्रदेश में 4,049 किलोग्राम समेत कुल 1,44,122 किलोग्राम मादक पदार्थों का विनष्टीकरण किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने नशामुक्त भारत बनाने के लिए नशीली दवाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। एक जून 2022 से 15 जुलाई तक एनसीबी की सभी क्षेत्रीय इकाइयों तथा राज्यों के एएनटीएफ ने मिलकर करीब 8,76,554 किलोग्राम जब्त मादक पदार्थों को नष्ट करने में सफलता प्राप्त की है, जो लक्ष्य से 11 गुना से भी अधिक है। नष्ट किए गए इन मादक पदार्थों का मूल्य लगभग 9,580 करोड़ रुपये है। सोमवार, 17 जुलाई को होने वाले विनष्टीकरण के साथ ही एक वर्ष में नष्ट किए गए मादक पदार्थों की मात्रा करीब 10 लाख किलोग्राम हो जाएगी जिसका मूल्य लगभग 12 हजार करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री मोदी के नशामुक्त भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए यह विशेष विनष्टीकरण अभियान इसी उत्साह और तत्परता के साथ आगे भी सक्रिय रूप से जारी रहेगा।

दिल्ली मेट्रो का ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण अभियान 17 जुलाई से 13 अगस्त तक

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो द्वारा 17 जुलाई से 13 अगस्त तक ह्यग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण-2023ह्व के 9वें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य मेट्रो सेवाओं और सुविधाओं के विभिन्न पहलुओं के बारे में यात्रियों का फीडबैक प्राप्त करना है। एक व्यापक प्रश्नावली के साथ अलग-अलग विषयों पर भाग लेने वाले यात्रियों से विस्तृत फीडबैक लिया जाएगा। सर्वेक्षण में सुधारों के लिए सुझाव भी मांगे जाएंगे। इसके साथ ही जो भी यात्री इस सर्वेक्षण में भाग लेना चाहेंगे डीएमआरसी की आधिकारिक वेबसाइट www.delhimetrorail.com/corporate देख सकते हैं तथा वेबसाइट के होमपेज पर दिए गए लिंक पर क्लिक करके अपने उत्तर दे सकते हैं। सर्वेक्षण फॉर्म अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में उपलब्ध रहेगा। इस सर्वेक्षण में सात (7) विषयों पर फीडबैक मांगा गया है। ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण में यात्रियों

द्वारा उत्तर भरे जाने के लिए एक विषय के संबंध में सर्वेक्षण का लिंक डीएमआरसी की वेबसाइट पर केवल चार (4) दिन के लिए ही उपलब्ध रहेगा। चार दिन के बाद फीडबैक के लिए अगला विषय उपलब्ध कराया जाएगा। चूंकि सर्वेक्षण के लिए सात विषय रखे गए हैं। यह सर्वेक्षण 28 दिन (13 अगस्त) में समाप्त होगा।

यात्रीगण मेट्रो की गतिविधियों के निम्नलिखित महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपना फीडबैक दे सकेंगे :

-उपलब्धता एवं सुगम्यता
-ग्राहकों को उपलब्ध सुविधाएं
-जानकारी
-सेवाओं की गुणवत्ता
-ग्राहक सेवा
-मेट्रो का बाहरी क्षेत्र
-सुरक्षा, संरक्षा एवं सुविधा

दिल्ली मेट्रो द्वारा इस सर्वेक्षण का आयोजन यात्रियों को दी जाने वाली सेवाओं के बारे में उनके विचार जानने के लिए किया जा रहा है। प्राप्त फीडबैक के आधार पर सर्वेक्षण के परिणाम मेट्रो की सुविधाओं और सेवाओं के विभिन्न पहलुओं का आकलन करने तथा आवश्यक सुधार लाने में सहायक सिद्ध होंगे।

चंद्रयान-3 : भूटानी प्रधानमंत्री ने दी शुभकामनाएं, प्रधानमंत्री मोदी ने दिया धन्यवाद

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के लिए भूटान के प्रधानमंत्री की मंगलकामनाओं के लिए धन्यवाद व्यक्त किया है। भूटान के प्रधानमंत्री लोटे शेरिंग के ट्वीट के प्रत्युत्तर में प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, "आपके उत्साहवर्धक शब्दों के लिए धन्यवाद। वास्तव में चंद्रयान की सफलता सम्पूर्ण मानवता के लिए शुभ संकेत है।" भूटान के प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा था कि चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो और प्रधानमंत्री मोदी के साथ वे भी खुशी मना रहे हैं। यह क्षितिज से परे विज्ञान

Narendra Modi
@narendramodi · Follow

Thank you, Excellency, for your warm words. Indeed, success of Chandrayaan augurs well for the entire humanity.

PM Bhutan @PMBhutan
I rejoice with @ISRO and PM @narendramodi for successful launch of Chandrayaan-3. Displays your vision and commitment to science and learning beyond horizon. May India and humanity benefit immensely from this mission.

8:42 AM · Jul 16, 2023

और सीखने के प्रति आपकी दृष्टि और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। इस मिशन से भारत और मानवता को अत्यधिक लाभ होगा।

यमुना पुल के रखरखाव में दिल्ली सरकार की कोई भूमिका नहीं है : अरविंद केजरीवाल

अजय त्यागी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को मोरीगेट स्थित एक स्कूल में लगाए गए राहत शिविर का जायजा लेने के पत्रकार वार्ता कर हरियाणा के उस आरोप का खंड़न किया है, जिसमें कहा जा रहा है कि दिल्ली सरकार ने यमुना पुल के रखरखाव का पैसा नहीं दिया है। इस संबंध में केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने इस बारे में पता किया है। यमुना के पुल के रखरखाव का पैसा दिल्ली सरकार नहीं देती है, बल्कि एनटीपीसी देती है। एनटीपीसी भी केंद्र सरकार के अधीन आती है। इसलिए इस बारे में एनटीपीसी ही सही बता सकती है। यमुना पुल के रखरखाव में दिल्ली सरकार की कोई भूमिका नहीं है। हरियाणा सरकार गलत बोल रही है कि दिल्ली सरकार ने पैसा नहीं है। जब से आईटीओ बैराज के पांच गेट नहीं खुलने का मुद्दा उठा है और मीडिया की सुर्खियों में आया है, तब से वे लोग कोई न कोई बहाना ढूंढ रहे हैं। लेकिन यह समय आपस में दोषारोपण का नहीं है।

सड़कों पर जमा पानी पंप से निकालने की कोशिश - आगे केजरीवाल ने जलभराव के चलते बंद सड़कों को चालू करने को लेकर कहा कि हम सड़क पर जमा पानी को पंप से निकालने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ जगहों पर जमा पानी को जल्द निकाल दिया जा रहा है, जबकि कुछ जगहों पर थोड़ा समय लग रहा है। उन्होंने कहा कि यमुना का जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है और अब जलस्तर 205.9 मीटर पर आ गया है। जबकि यह 208.6 मीटर तक पहुंच गया था। जैसे-जैसे यमुना का जलस्तर नीचे जा रहा, वैसे-वैसे आम जनजीवन समान्य होता जा रहा है।

संकट के समय पाटीर्बाजी करना ठीक नहीं है - भाजपा कार्यकताओं द्वारा बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने जा रहे प्रभारी मंत्रियों का विरोध करने पर केजरीवाल ने कहा कि भाजपा को इस तरह की राजनीति नहीं करनी चाहिए। सबको मिलकर काम करना चाहिए। इस संकट के समय में भी अगर पाटीर्बाजी करेंगे, तो यह ठीक नहीं है।

ओखला के बाद चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट भी चालू - वहीं मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर जानकारी दी कि चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट भी शुरू हो गया है। यमुना का जलस्तर बढ़ने के बाद चंद्रवाल, ओखला और वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में पानी भर गया था। इस वजह से दिल्ली जल बोर्ड को इन तीनों प्लांट को बंद करना पड़ा। 14 जुलाई को ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को चालू कर दिया था और अब चंद्रावल प्लांट भी रविवार को चालू कर दिया गया है। वहीं, वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को भी जल्द शुरू कर दिया जाएगा।

आज से टमाटर 80 रुपये किलो बेचेगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार का कहना है कि टमाटर को 90 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बेचने से स्थिति में सुधार हुआ है। इससे टमाटर की थोक कीमतों में कमी आई है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार सरकार उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय का कहना है कि देश भर में 500 से अधिक स्थानों के दोबारा आकलन के आधार पर आज से टमाटर को 80 रुपये प्रति किलोग्राम बेचने का निर्णय लिया गया है। नैफेड और एनसीसीएफ के माध्यम से दिल्ली, नोएडा, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, पटना, मुजफ्फरपुर और आरा में कई स्थानों पर आज से बिक्री शुरू हो गई है।

मौजूदा बाजार कीमतों के आधार पर कल से इसका विस्तार अधिक शहरों में किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने की मुख्यमंत्री शिवराज से मुलाकात

भोपाल, (हि.स.)। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने रविवार को भोपाल प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने अपने निवास पर केंद्रीय मंत्री यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री यादव का अंगवस्त्रम ओढ़ाकर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर लिखा, आज निवास पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से सौजन्य भेंट हुई। इस अवसर पर राज्य के कल्याण और विकास कार्यों से जुड़े विभिन्न विषयों पर उनके साथ सार्थक चर्चा हुई। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री यादव

इन दिनों भोपाल के तीन दिवसीय प्रवास पर हैं। भाजपा हाईकमान ने उन्हें मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रभारी नियुक्त किया है। वे भोपाल में रहकर चुनावी तैयारियों के बारे में बूथ से लेकर प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों के साथ बैठ कर रणनीति तैयार कर रहे हैं।

शरद पवार से मिले उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और राकांपा के मंत्री

- शरद पवार को सरकार में शामिल होने के कारणों के बारे में विस्तार से बताया गया

मुंबई, (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में हुई बगावत के बाद रविवार को दक्षिण मुंबई के यशवंतराव प्रतिष्ठान में राकांपा अध्यक्ष शरद पवार से उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने मुलाकात की। पूर्व केंद्रीय मंत्री और राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल, विधानसभा के उपाध्यक्ष नरहरि झिरवल सहित राकांपा के आठों मंत्रियों की शरद पवार के साथ करीब पौने घंटे तक बैठक चली। प्रफुल्ल पटेल ने बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि कल से राज्य के विधानमंडल का वषार्कालीन सत्र शुरू हो रहा है। इसी वजह से आज हम लोगों ने शरद पवार से बिना उनका समय लिए यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान में पहुंचे

थे। पटेल ने बताया कि हम सभी ने शरद पवार से कहा कि पार्टी के अंदर किसी भी तरह का विवाद नहीं रहना चाहिए। हम सब राकांपा में ही रहकर काम करना चाहते हैं।

शरद पवार को सरकार में शामिल होने के कारणों के बारे में विस्तार से बताया गया है। शरद पवार ने सभी बातें ध्यानपूर्वक सुना है, लेकिन अभी तक इस संबंध में कोई निर्णय नहीं दिया है। शरद पवार राकांपा के अन्य पदाधिकारियों से चर्चा कर रहे हैं। इसका ब्योरा अभी तक नहीं मिल सका है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस मुलाकात का गलत अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए। इस तरह की बैठकों को सकारात्मक रूप से देखा जाना चाहिए। इस मुलाकात का सरकार पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने सर्वोदय बाल राहत शिविर का किया दौरा

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बाड़ के बाद हजारों लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। ऐसे में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मोरी गेट स्थित सर्वोदय बाल विद्यालय में बाढ़ राहत शिविर का दौरा किया। इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि यमुना नदी के आस-पास के निचले क्षेत्रों में कई घरों में पानी घुस गया है। उन लोगों के लिए दिल्ली सरकार ने अलग-अलग जगहों पर कई राहत शिविर लगाए हैं। दिल्ली में छह जिले प्रभावित हैं। बाढ़ प्रभावित लोग, जिनका सब कुछ बह गया है, उनके सामान की भरपाई करने का तरीका

भी हम निकाल रहे हैं। पंप से पानी निकालने की कोशिश कर रहे हैं। अब धीरे-धीरे पानी का स्तर कम हो रहा है। अब पानी का स्तर 205.9 मीटर तक आ गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द हालात बेहतर होंगे और स्थिति ठीक होगी। दिल्ली सरकार लोगों की मदद के लिए दिन रात लगी हुई है। इस दौरान मंत्री आतिशी और कई आधिकारी भी मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ओपेन जिम का निरीक्षण किया

लखनऊ, (हि.स.)। भारत सरकार के रक्षामंत्री एवं लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने रविवार को निराला नगर में आठ नंबर चौराहे के पास मृत्युंजय (शास्त्री) पार्क में स्थापित ओपन जिम का अवलोकन किया। रक्षामंत्री ने पार्क में लगी जिम पर अभ्यास भी किया। स्थानीय सांसद राजनाथ सिंह के प्रयास से एच ए एल के सीएसआर फंड से पार्कों में जिम लगाने का कार्य नगर निगम के माध्यम से किया जा रहा है। प्रथम चरण में शहर के करीब 80 पार्कों में जिम लगाने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इस मौके पर राजनाथ सिंह के

साथ लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, लखनऊ महानगर अध्यक्ष व विधान परिषद के सदस्य मुकेश शर्मा, विधायक डा.नीरज बोरा एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके बाद राजनाथ सिंह उमराव धर्मशाला, डालीगंज में महानगर पदाधिकारियों एवं पार्षदों के साथ आयोजित बैठक में सम्मिलित होंगे। भाजपा महानगर कार्यालय की ओर से मिली जानकारी के अनुसार रक्षामंत्री 17 जुलाई सोमवार शाम 04:00 बजे आईआईएम रोड स्थित महर्षि विश्वविद्यालय में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। वह आईआईएम तिराहे से सीतापुर रोड पर बनकर तैयार ओवरब्रिज को जनता को समर्पित करेंगे। इस कार्यक्रम के उपरांत राजनाथ सिंह दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली के शाहदरा जिले में स्थित राहत शिविर का दौरा किया

अजय कुमार

नई दिल्ली। मौजूदा बाढ़ के हालातों को देखते हुए दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियो को दिल्ली के अलग -अलग जिले के बचाव, राहत और पुनर्वास कार्य की निगरानी और पर्यवेक्षण संबंधित कार्यो की जिम्मेदारी दी गई है। इसी के तहत रविवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली के शाहदरा जिले में पुराने लोहे वाले पुल के पास स्थित राहत शिविर का सभी संबंधित अधिकारियों के साथ दौरा किया। शिविर में सफाई और मेडिकल सुविधा सुनिश्चित करने के विशेष निर्देश भी दिए। सभी संबंधित अधिकारियो को बाढ़ राहत शिविरों में रहने, खाने-पीने, शौचालय, सहित सभी जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिलाधिकारी को टीमें अलर्ट पर रखने और जरुरत पड़ने पर अतिरिक्त टीमें तैनात किए जाने के निर्देश भी जारी किए गए। राहत शिविरों का जायजा लेने के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पत्रकार वार्ता कर कहा कि आपदा की इस परिस्थिति में दिल्ली सरकार ने हर तरह के खतरे से निपटने के लिए कमर कस ली है।

बाढ़ के हालातों को देखते हुए मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा सभी मंत्रियो को दिल्ली के अलग अलग जिले के बचाव, राहत और पुनर्वास कार्य की निगरानी और पर्यवेक्षण संबंधित कार्यो की जिम्मेदारी सौपी गई है। उन्होंने बताया की आपदा प्रभावित लोगो के लिए सरकार के रूप में हमारी जिम्मेदारी है की इससे प्रभावित होने वाले लोगों को की मदद करे और उन्हें हर जरुरी सुविधाएं मुहैया करवाएं। इसी के चलते बाढ़ प्रभावित इलाको से लोगों को निकालने और उन्हें सुरक्षित इन राहत शिविरों में लाने का काम तेजी से चल रहा है। इन राहत शिविरों में लोगों के लिए रहने,भोजन,पानी, मेडिकल व अन्य जरुरी सुविधाओं का प्रबंध किया गया है। इन शिविरों में लोगों की सुविधा के लिए दरी और गद्दें की भी व्यवस्था की गई है। खासतौर पर इन कैम्पों में बहुत से बच्चे भी है जिनके लिए मेडिकल सुविधा सुनिश्चित की गई है। हमने निर्देश दिए है कि यहां साफ सफाई का विशेष प्रबंध करें। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया की अब हमारी कोशिश है कि हम किसी तरह से लोगों की जान-माल की रक्षा कर सके। साथ ही देखा जा रहा है की बाढ़ देखने के लिए भी लोग घर से बहार निकल रहे है , ऐसे में उनसे गुजारिश है की सरकार का साथ दे और बेवजह अपने घरो से न निकले।

भारत-मंगोलिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलीफैंट' उलानबटार में होगा

- अभ्यास में भाग लेने के लिए 43 जवानों वाली भारतीय सेना की टुकड़ी मंगोलिया पहुंची
- भारत-मंगोलिया के बीच यह अभ्यास रक्षा सहयोग में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत और मंगोलिया की सेनाओं के बीच 17 जुलाई से द्विपक्षीय संयुक्त सैन्य अभ्यास ह्यनोमैडिक एलीफैंटह्व का 15वां संस्करण उलानबटार में शुरू होगा। 31 जुलाई तक चलने वाले इस अभ्यास में भाग लेने के लिए 43 जवानों वाली भारतीय सेना की टुकड़ी रविवार को मंगोलिया पहुंच गई है। यह मंगोलिया के साथ एक वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जो मंगोलिया और भारत में वैकल्पिक रूप से आयोजित किया जाता है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक मंगोलियाई सशस्त्र बल यूनिट 084 के सैनिक और जम्मू एवं कश्मीर लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट के भारतीय सेना के सैनिक इस अभ्यास में भाग लेंगे। भारतीय सेना की टुकड़ी 16 जुलाई को भारतीय वायु सेना के सी-17 विमान से

उलानबटार पहुंच गई है। इस अभ्यास का उद्देश्य सकारात्मक सैन्य संबंध बनाना, सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करना, दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता, सौहार्द, सौहार्द और मित्रता विकसित करना है। अभ्यास का प्राथमिक विषय संयुक्त राष्ट्र के आदेश के तहत पहाड़ी इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों पर केंद्रित होगा। इस अभ्यास के दायरे में प्लाटून स्तर की फील्ड ट्रेनिंग एक्सरसाइज (एफटीएक्स) शामिल है। अभ्यास के दौरान भारतीय और मंगोलियाई सैनिक अपने कौशल और क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों में शामिल होंगे। इन गतिविधियों में सहनशक्ति प्रशिक्षण, रिफ्लेक्स फायरिंग, रूम इंटरवेंशन, छोटी टीम रणनीति और रॉक क्राफ्ट प्रशिक्षण शामिल हैं। दोनों देशों के सैनिक एक-दूसरे के ऑपरेशनल अनुभव से फील्ड ट्रेनिंग एक्सरसाइज करेंगे। भारत और मंगोलिया की क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग के प्रति साझा प्रतिबद्धता है। ह्यनोमैडिक एलीफेंटह्व अभ्यास भारतीय सेना और मंगोलियाई सेना के बीच रक्षा सहयोग में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा, जो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा देगा। इसका पिछला संस्करण अक्टूबर, 2019 में विशेष बल प्रशिक्षण स्कूल, बकलोह में आयोजित किया गया था।

ओम प्रकाश राजभर का कोई ठिकाना नहीं, कब कहां चले जाएं : शिवपाल यादव

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी(सपा) के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के एनडीए में शामिल होने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। गोसाईगंज के टिकानिया मऊ गांव पहुंचे शिवपाल यादव ने एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए कहा है कि ओम प्रकाश राजभर का कोई ठिकाना नहीं है। कब कहां चले जाएं उनका कोई भरोसा नहीं है। अभी कुछ दिन पहले वह मायावती को प्रधानमंत्री बना रहे थे। अब वह एनडीए में शामिल हो गए हैं। उन पर विश्वास नहीं किया सकता है। राजभर जहां से चुनाव लड़ेंगे वहां से हारेंगे। जहूराबाद में राजभर की जमानत जब्त होगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष मजबूत हो रहा है और 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने वाली नहीं हैं। शिवपाल ने कहा एक बड़बोले नेता कह रहे थे कि सपा समाप्त हो गई है लेकिन वह कौशाम्बी में हमसे चुनाव हार गए।

गाली खाकर गालीबाज को शामिल कर रही है भाजपा : शिवपाल

इतना हीं नहीं समाजवादी पार्टी ने अपने अधिकारिक ट्वीटर हैंडल से ओमप्रकाश राजभर की कई वीडियो सार्वजनिक की है। जब वह चुनाव के दौरान जनता को सम्बोधित करते हुए भाजपा के नेताओं को गालियां दे रहे थे। ट्वीट में आगे कहा है कि अखिलेश यादव के पीडीए एलान यानी पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक एकता के बाद से भाजपा घबराई हुई है और गाली खाकर भी गालीबाज को शामिल कर रही है।

सिद्धपीठ हथियाराम मठ पर मोहन भागवत का आगमन 19 को

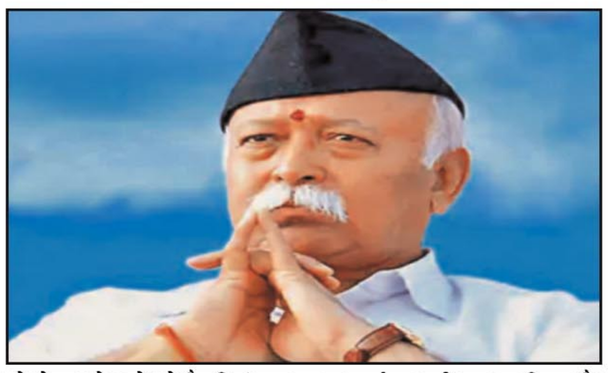

गाजीपुर, (हि.स.)। जनपद के जखनिया तहसील स्थित सिद्धपीठ हथियाराम में 19 जुलाई को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का आगमन होने जा रहा है। इसे लेकर मठ व प्रशासन की तरफ से जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। संघ प्रमुख मोहन भागवत बेसो नदी के रमणीय तट पर स्थित अति प्राचीन सिद्धपीठ हथियाराम मठ के 26वें पीठाधिपति महामंडलेश्वर स्वामी श्री भवानीनन्दन यति जी महाराज के सानिध्य में बुढ़िया माता का दर्शन-पूजन व अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। 19 जुलाई को हथियाराम मठ के महंत एवं जूना अखाड़ा के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति महाराज से मुलाकात व उनके आगमन कार्यक्रम को लेकर जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। संघ प्रमुख गत वर्ष भी हथियाराम स्थित बुढ़िया माता मंदिर आये थे। सरसंघचालक कुछ वर्षों से पूर्वांचल में संघ कार्य, विचार और समसामयिक विषयों पर चर्चा के लिए प्रवास पर निकलते हैं। काशी प्रवास का कार्यक्रम इसी क्रम का हिस्सा है। श्री भागवत जी के आगमन के तहत रविवार को जिलाधिकारी आर्यका अखौरी व पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह सिद्धपीठ में पहुंचे। जहां उन्होंने सभी मठ परिसर का गहन निरीक्षण किया।

झारखंड में 2019 से अब तक पॉक्सो एक्ट की 1324 वारदातें

रांची, (हि. स.)। झारखंड में वर्ष 2019 से अब तक प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन अगेंस्ट सेक्सुअल ऑफिंस (पॉक्सो) की 1324 वारदातें हुई हैं। पुलिस मुख्यालय से मिले आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2019 में पॉक्सो एक्ट के 239 वारदातों को अंजाम दिया है। इनमें धनबाद में 42, गिरिडीह में 10, हजारीबाग में 12, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में 18, पलामू में 18, रांची में 28, साहिबगंज में 6, दुमका में सात, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में चार, बोकारो में 27, लातेहार में चार, जामताड़ा में चार, सरायकेला में तीन, देवघर में10, गोड्डा में चार,गुमला में पांच, लोहरदगा में चार, चतरा में छह, गढ़वा में 14,कोडरमा में दो,खूंटी में दो, रामगढ़ में पांच और पाकुड़ में चार शामिल हैं। वर्ष 2019 में पॉक्सो एक्ट की सबसे अधिक 42 घटनाएं धनबाद में हुई है।

इसी प्रकार वर्ष 2020 में 306 पॉक्सो एक्ट की वारदात हुई है। इनमें धनबाद में 54, गिरिडीह में 22, हजारीबाग में चार, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में 18, पलामू में 24, रांची में 36, साहिबगंज में 14, दुमका में सात, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में सात, बोकारो में 22 ,लातेहार में छह, जामताड़ा में आठ,सरायकेला में 12, सिमडेगा में चार, देवघर में चार, गोड्डा में छह,गुमला में पांच,लोहरदगा में चार,चतरा में 14,गढ़वा में 14,कोडरमा में पांच, खूंटी में चार, रामगढ़ में नौ और पाकुड़ में तीन शामिल है। वर्ष 2020 में सबसे अधिक धनबाद में 54 पॉक्सो एक्ट की घटनाएं हुई हैं।

वर्ष 2021 में पॉक्सो एक्ट की 284 घटनाएं हुई है। इनमें धनबाद में 53, गिरिडीह में 12, हजारीबाग में 15, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर)में 20, पलामू 15, रांची में 23, साहिबगंज में 11, दुमका में 9, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा)में आठ, बोकारो में 33, लातेहार में सात ,जामताड़ा में तीन , सरायकेला में आठ, देवघर में 10, गोड्डा में आठ , गुमला में 11, लोहरदगा में दो, चतरा में आठ , गढ़वा में 13, कोडरमा में चार, खूंटी में तीन, रामगढ़ में पांच और पाकुड़ में तीन शामिल है। वर्ष 2021 में सबसे अधिक धनबाद में 53 पॉक्सो एक्ट की वारदात हुई है।

इसी प्रकार 2022 में पूरे राज्य में 338 पॉक्सो एक्ट की वारदात हुई है। इनमें धनबाद में 45, गिरिडीह में 16 ,हजारीबाग में 23, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में 22, पलामू में 14, रांची में 33, साहिबगंज में 12, दुमका में 17, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में 11, बोकारो में 23, लातेहार में सात, जामताड़ा में पांच, सरायकेला में चार, सिमडेगा में सात , रेल जमशेदपुर में एक ,देवघर में 19, गोड्डा में 9, गुमला में 16, लोहरदगा में तीन, चतरा में 9, गढ़वा में 22, कोडरमा में चार, खूंटी में चार, रामगढ़ में आठ और पाकुड़ में चार शामिल है। वर्ष 2022 में धनबाद में सबसे अधिक 45 पॉक्सो एक्ट की वारदात हुई है।

वर्ष 2023 में अब तक पॉक्सो एक्ट की 157 घटनाएं घटी हैं। इनमें धनबाद में 18, गिरिडीह 9, हजारीबाग 12, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर)से आठ, पलामू में 9, रांची में 9, साहिबगंज से 9, दुमका में दो, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में तीन, बोकारो में 14, लातेहार में चार, जामताड़ा में दो, सरायकेला में एक, सिमडेगा में तीन, रेल धनबाद एक, देवघर में चार,गोड्डा में नौ , गुमला में आठ, चतरा में एक, गढ़वा में 13, कोडरमा में आठ, खूंटी में चार, रामगढ़ में तीन और पाकुड़ में तीन शामिल है। वर्ष 2023 में अब तक सबसे अधिक 18 साइबर क्राइम की वारदात राजधानी रांची में हुई है। हालांकि आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में अब तक की तुलना में साइबर अपराध की घटनाएं कम हुई है।

सात अगस्त से शुरू होने वाले मिशन इंद्रधनुष 5.0 के सफलता की तैयारी तेज

बेगूसराय, (हि.स.)। सात अगस्त से शुरू होने वाले सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 की सफलता को लेकर प्रशासनिक स्तर पर जोरदार तैयारी की जा रही है। डीएम रोशन कुशवाहा खुद इसके सभी पहलुओं पर नजर रख रहे हैं, जिससे कोई चूक नहीं हो। अभियान की तैयारी को लेकर समाहरणालय स्थित कारगिल विजय सभा भवन में डीएम की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक में जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। जिसमें जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. गोपाल मिश्रा ने बताया कि सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 अभियान में शून्य से दो वर्ष आयुवर्ग के सभी बच्चे शामिल होंगे। शून्य से दो वर्ष आयुवर्ग के वैसे सभी बच्चे जो टीका लेने से किसी कारणवश छुट गये होंगे या एक भी टीका नहीं लिए होंगे उनका टीकाकरण होना है। दो से पांच वर्ष के वैसे बच्चे जो खसरा- रूबैला के प्रथम एवं द्वितीय खुराक से वंचित होंगे, उनका प्राथमिकता के तौर पर टीकाकरण कराया जाएगा। टी.डी. का एक भी टीका नहीं लेने वाली एवं अधूरा डोज लेने वाली गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जाएगा। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी ने बताया कि सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 अभियान तीन चक्रों में होना है। प्रथम चक्र सात से 12 अगस्त तक, दूसरा चक्र 11 से 16 सितम्बर तक एवं तीसरा चक्र नौ से 14 अक्टूबर तक चलेगा। पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग से कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए कई अपेक्षाएं हैं। पंचायती राज के सदस्य जन-मानस में सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 के संबंध में जागरूकता एवं उत्प्रेरण करते हुए टीकाकरण के दौरान आवश्यक सहयोग करें। सभी लाभार्थियों को टीकाकरण सत्र स्थल पर लाया जाए जो किसी कारण टीका लेने से इंकार करते हों। दुर्गम क्षेत्रों में अभियान के दौरान कार्यक्रम का उद्घाटन एवं प्रचार-प्रसार में आवश्यक सहयोग। प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा दुर्गम क्षेत्रों में कार्यक्रम का उद्घाटन एवं कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक दिन संध्याकालीन समीक्षात्मक बैठक में संबंधित सभी पदधारकों की उपस्थिति सुनिश्चित करना। क्षेत्रों में सभी स्वंयसेवी समुह के द्वारा कार्यक्रम में आवश्यक सहयोग के लिए अपने स्तर से अनुरोध किया जाना। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से भी कार्यक्रम के सफल संचालन में अपेक्षाएं हैं। वे समुदायों के बीच मस्दिद, गुरुद्वारा, चर्च, मंदिर आदि के द्वारा जन-मानस में कार्यक्रम से संबंधित प्रसार-प्रसार करें। अल्पसंख्यकों के बीच टीकाकरण से होने वाले फायदे के संबंध में जागरूकता फैलाएं। धार्मिक संस्थानों में कार्यक्रम से संबंधित बैनर, पोस्टर को प्रदर्शित करवाएं। अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित सत्रों का उद्घाटन संबंधित धर्म गुरू करेंगे तो बेहतर होगा।

समस्या निस्तारण सरकार की प्राथमिकता: योगी आदित्यनाथ

- धन के अभाव में बाधित नहीं होगा किसी का इलाज : मुख्यमंत्री

- समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टि परक निस्तारण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

गोरखपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन के दौरान रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में 400 लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं। सबकी समस्या के निस्तारण को सरकार की प्राथमिकता बताई। उन्होंने कहा सबके साथ न्याय होगा। एक-एक शिकायतकर्ता की बातों को सुनते और उनके हाथों से समस्याओं से जुड़े प्रार्थना पत्रों को लेते हुए उन्हें अधिकारियों को थमाते गये। समस्याओं का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण करने का निर्देश दिया। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने समस्या निस्तारण का भरोसा देते हुए कहा कि उनके रहते किसी को चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्रवाई कराई जाएगी। कुछ लोगों के बिजली बिल संबंधी परेशानी पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ओटीएस योजना से लोगों को राहत प्रदान की जाए। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन को भेजें। इलाज के लिए पर्याप्त

धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री से मिलीं विधान सभा अध्यक्ष, विलिजेंस से पुल टूटने की जांच कराने की मांग की

नजीबाबाद कोटद्वार रोड पर मालन नदी पर बने पुल के टूटने पर कोटद्वार विधायक पहले ही काफी नाराज हैं, वही विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी ने भी इस मामले की शिकायत उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी से करते हुए विजिलेंस से जांच कराने की मांग की है। विधानसभा अध्यक्ष ने सचिव आपदा रंजीत सिन्हा व सचिव पीडब्ल्यूडी पंकज पाण्डेय की क्लास लगाई। ऋतु खण्डूरी ने दोनों अधिकारियों को बुलाकर कोटद्वार में पुल टूटने के साथ आपदा में हुए नुकसान पर चर्चा की। स्पीकर ने कहा है कि वह स्थिति पर नजर बनाए हुए है । पीड़ितों को अविलम्ब राहत पहुंचाने के साथ सड़क ठीक करने,बिजली व पानी की सप्लाई आपूर्ति करने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि 14 जुलाई को उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड को जोड़ने वाला यह पुल पानी के तेज प्रवाह में टूट गया था जिसके कारण आवागमन बंद कर दिया गया था । पुल टूटने का मुख्य कारण पुल के आसपास अवैध खनन होना बताया जा रहा है।

राजग में ओम प्रकाश राजभर का स्वागत: भूपेन्द्र चौधरी

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर का राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) परिवार में आने का स्वागत किया है। भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके आगमन से यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्कृष्ट नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के संकल्प के प्रयास को और बल मिलेगा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी राजग का हिस्सा बनने के लिए ओम प्रकाश राजभर का स्वागत किया है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि ओम प्रकाश राजभर अनुभव वाले नेता हैं और उत्तर प्रदेश में उनके अनुभव का लाभ आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा और गठबंधन को मिलेगा।

झारखंड के लिए देह व्यापार एक अभिशाप : चीफ जस्टिस

रांची, (हि.स.)। महिला उत्पीड़न और देह व्यापार की रोकथाम पर रविवार को राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस रांची के ज्यूडिशियल एकेडमी में आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि चीफ जस्टिस झारखंड संजय कुमार मिश्र शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत महिला उत्पीड़न पर जागरुकता से जुड़े पुस्तक के विमोचन के साथ हुआ। इसके बाद झारखंड सहित दूसरे राज्य से आए न्यायाधीशों ने महिला उत्पीड़न की रोकथाम पर व्याख्यान दिए। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र ने कहा कि झारखंड के लिए देह व्यापार और महिला उत्पीड़न एक संवेदनशील विषय है। अक्सर यह घटना पीड़ित के नजदीकी द्वारा किया जाता है। घटना के बाद सबसे बड़ी जिम्मेदारी आरोपित को सजा दिलाने को लेकर है। इसमें पुलिस अधिवक्ता और न्यायाधीशों की अहम भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि झारखंड के लिए देह व्यापार एक अभिशाप है। इसे कम करने की आवश्यकता है और यह जागरुकता के माध्यम से ही होगा। न्यायाधीश एसके द्विवेदी ने कहा कि झारखंड में इस तरह के मामलों की संख्या ज्यादा है। इसके कई कारण हैं। जागरुकता और त्वरित न्याय ही इससे बचाव का रास्ता है। इस अवसर पर झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस चंद्रशेखर, जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद, जस्टिस रोगन मुखोपाध्याय, गुजरात हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस सोनिया कोगानी के अलावा अधिवक्ता और पुलिसकर्मी मौजूद थे।

केन्द्र सरकार के प्रयास से आगे बढ़ रहा है बिहार, देती है राज्य के कुल बजट का 76 प्रतिशत : राकेश सिन्हा

बेगूसराय, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की सरकार द्वारा नौ वर्ष में किए गए विकास कार्यों और जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी हर घर तक पहुंचाई जा रही है। भाजपा के कार्यकर्ता पत्रक के माध्यम से लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचा रहे हैं। इस कड़ी में राज्यसभा सांसद प्रो. राकेश सिन्हा भी लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पूरे देश में विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समग्र उत्थान किया है। बिहार पर भी मोदी सरकार की विशेष नजर है। यहां जन कल्याणकारी योजनाओं ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि आज बिहार सरकार विकास की चाहे जितनी बात कर ले। लेकिन बिहार के कुल बजट का 76 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देती है। राज्य सरकार मात्र 24 प्रतिशत का हिस्सेदार है। बिहार के रेलवे प्रोजेक्ट के लिए 51 सौ करोड़ रुपये आवंटित किए गए। मिथिला-कोसी क्षेत्र में 88 वर्षों से लंबित रेल पुल का सपना मोदी सरकार ने साकार किया। बिहार में राजमार्गों के निर्माण पर केंद्र ने एक लाख 25 हजार करोड़ से ज्यादा राशि खर्च की तथा राजमार्ग की लंबाई 34 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई। 84 सौ करोड़ की लागत से बरौनी खाद कारखाना का पुनर्निर्माण कराया गया। सभी जिले में पीएम केयर्स फंड से वेंटिलेटर, पीएचसी पर ऑक्सीजन कंस्ट्रेटर तथा वैलनेस सेंटर एवं जांच केंद्र निर्माण कराया गया। 13 करोड़ बिहार वासियों को मुफ्त में कोरोना का टीका दिया। दरभंगा में एयरपोर्ट की सुविधा मिली। आरा-मोहनिया एवं पटना-बक्सर फोरलेन, कोईलवर पुल, जेपी सेतु, गांधी सेतु के समानांतर फोरलेन सड़क पुल, मुंगेर-खगड़िया एवं मोकामा-सिमरिया रेल एवं सड़क पुल, भागलपुर-नवगछिया फोरलेन पुल, बिहपुर से वीरपुर मेगा ब्रिज एवं सड़क, दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोड, साहिबगंज से कटिहार सिक्स लेन ब्रिज जैसे निर्माण से संपूर्ण बिहार में इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति स्थापित हुई। जन कल्याणकारी योजनाओं की बात करें तो राष्ट्रीय स्तर पर 48 करोड़ 30 लाख जनधन खाता खोला गया, जिसमें बिहार के तीन करोड़ 71 लाख लोग शामिल हैं। देश में 12 करोड़ किसानों को सम्मान निधि मिल रहा है, बिहार के 81 लाख परिवार लाभान्वित पर हैं।

अब पटरी से उतर चुकी है समाजवादी पार्टी : ब्रजेश पाठक

-उप मुख्यमंत्री वाराणसी पहुंचे, एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं ने किया स्वागत

वाराणसी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के वापस राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में आने पर एनडीए परिवार की संख्या बढ़ी है और गठबंधन भी मजबूत हुआ है। बिहार में भाजपा कार्यकर्ता की मौत के सवाल पर पाठक ने कहा कि यह बहुत ही दुःखद है।

विरोधी दलों के भाजपा पर हमले को लेकर पूछे गए सवाल पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी अब पटरी से उतर चुकी है। उनके पास कहने-सुनने को कुछ है ही नहीं। जनता ने उन्हें हाशिए पर धकेल दिया है। कांग्रेस की भ्रष्टाचार वाली नीतियों के कारण हाशिए पर है। उनके पास करने को कुछ बचा ही नहीं है। वह रविवार को एक दिवसीय दौरे पर वाराणसी आए उपमुख्यमंत्री सर्किट हाउस में मीडिया से रूबरू थे। उन्होंने दावा किया कि ओमप्रकाश राजभर के आ जाने के बाद उत्तर प्रदेश में लोकसभा की सभी 80 सीटों पर एनडीए की जीत होगी। इसके पहले वाराणसी के बाबतपुर स्थित लालबहादुर शास्त्री अन्तर राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उपमुख्यमंत्री पाठक का स्वागत राज्यमंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र 'दयालु', जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, सुशील त्रिपाठी,बबलू मिश्रा, पवन सिंह, शैलेश पांडेय (प्रोटोकॉल प्रभारी भाजपा) आदि ने किया। एयरपोर्ट से उपमुख्यमंत्री वाहनों के काफिले में सर्किट हाउस पहुंचे। जहां पुलिस की सशस्त्र टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उपमुख्यमंत्री एक दिवसीय वाराणसी दौरे में कबीरचौरा स्थित नागरी नाटक मंडली प्रेक्षागृह में आयोजित मासिक पत्रिका सोच विचार के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शाम को वापस लखनऊ रवाना हो जाएंगे।

रामगढ़ में संदिग्ध हालात में युवती की मौत

तीन युवकों ने युवती के साथ बनाया था शारीरिक संबंध

रामगढ़, (हि.स.)। जिले के भदानी नगर ओपी क्षेत्र अंतर्गत बीचा गांव में नवीं कक्षा की छात्रा की उसके घर में ही संदिग्ध हालात में मौत हो गई। इस मामले में भदानी नगर ओपी प्रभारी राजदीप ने बताया कि उन्हें यह सूचना मिली थी कि गांव में युवती मनीषा की मौत हो गई है और आनन-फानन में अंतिम संस्कार करने की कोशिश की जा रही है। थाने पहुंची मृतिका की छोटी बहन अनीशा ने कई तरह के बयान भी पुलिस और मीडिया के बीच दिए हैं, जिनकी सत्यता की जांच की जा रही है। अनीशा ने यह बताया है कि बुधवार को जब वे जंगल की तरफ गई थी तो वहां तीन युवकों ने उनको बातों में फंसा लिया। युवकों ने उसकी बहन के साथ शारीरिक संबंध भी बनाए। उसका मोबाइल भी छीन लिया। घर वालों को इसकी जानकारी भी नहीं दी। शनिवार को उसके पिता मदन मोहन सिंह और माता दिहाड़ी मजदूरी करने के लिए जब घर से निकले तो अनीशा भी दातुन लेने के लिए घर से निकली थी लेकिन जब वह कुछ देर बाद घर लौटी तो देखा कि मनीषा जमीन पर गिरी हुई है और उसकी मौत हो चुकी है। उसने इसकी जानकारी गांव वालों और माता-पिता को दी। गांव वालों से ही पुलिस को इसकी जानकारी मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट होगी।

लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए जाने जाते हैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार : नीरज कुमार

बेगूसराय, (हि.स.)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने एक बार फिर भाजपा पर जोरदार निशाना साधा है। भाजपा के साथ ही उन्होंने बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को भी निशाने पर लिया है। रविवार को बेगूसराय अतिथि गृह में पत्रकारों से बात करते हुए नीरज कुमार ने कहा कि हनुमान चालीसा पढ़ने से इतिहास का ज्ञान नहीं हो जाता है। दुनिया में सबसे बड़ा तानाशाह हिटलर को माना जाता है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने हिटलर की वंश परंपरा को कायम रखा। भाजपा सावरकर को वीर मानता हैं, जबकि वीर सावरकर ने अंग्रेजों से पांच बार माफी मांगी और पेंशन लेकर अपना गुजारा किया। भाजपा द्वारा नीतीश कुमार की तुलना किम जॉन से करने पर नीरज कुमार ने कहा है वीर सावरकर हिटलर को अपना आदर्श मानता था। जबकि, नीतीश कुमार लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नौ साल में भाजपा ने हिंदू को बेहाल कर दिया। लोग हैरान परेशान हैं और भाजपा विकास के मुद्दे के बदले लोगों को इधर-उधर भटका रही है। बेगूसराय गिरिराज सिंह का संसदीय क्षेत्र है। भाजपा अपने को हिंदुत्व का हितैषी कहती है। लेकिन सिर्फ बेगूसराय की बात की जाए तो यहां 13 मंदिरों को तोड़ा गया। जिसे बिहार सरकार बनवा रही है। नीरज कुमार ने कहा कि हिंदू का नाम लेने वाली भाजपा के सांसद और विधायक प्रावधान होने के बावजूद कभी एक रुपया मंदिर निर्माण के लिए नहीं देते हैं। नरेन्द्र मोदी की सभा में बेगूसराय के एक व्यक्ति की मौत हुई थी, उनके परिवार को नौकरी देने का वादा किया था। लेकिन कहां है नौकरी, भाजपा वाले उसका नियुक्ति पत्र दिखाएं। धर्म के राजनीतिक दुश्मन के रूप में भाजपा नए दौर में मोदी और शाह के रूप में आई है। 17 और 18 जुलाई को बेंगलुरु में होने वाली महागठबंधन की बैठक को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा पंचांग को भी नहीं मानती है। पटना में महागठबंधन की बैठक पंचमी के दिन हुई थी। इसका असर यह हुआ कि अब दलों की संख्या बढ़ने वाली है। वे अब तक कहते थे कोई बैठक में आएगा नहीं, जबकि अधिक राजनीतिक दल आ रही है। महागठबंधन के सभी दलों का एक ही फैसला है 2024 में नरेन्द्र मोदी की सरकार को हटाना। नीतीश कुमार ने जब यह फैसला लिया तो हनुमान जी ने इनको कर्नाटक में गदा दे दिया। महाकाल को भी भाजपा ने धोखा दिया है, जिससे मध्यप्रदेश में तांडव मच रहा है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी भाजपा की राजनीति कमजोर होगी।

संपादकीय

ऊंची उड़ान

इसरो ने श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से अपने चंद्रयान-3 को चांद के लिए रवाना कर दिया और इसके साथ ही आम भारतीयों ने 23-24 अगस्त का इंतजार शुरू कर दिया है, जब इसे चांद की सतह पर उतरना है। पिछला मिशन यानी चंद्रयान-2 हर चरण को सफलतापूर्वक पार करने के बाद इसी में नाकाम हो गया था। सॉफ्ट लैंडिंग करने के बजाय वह तेजी से चांद की सतह से जा टकराया और क्षतिग्रस्त हो गया। बड़ी बात यह कहिए कि न तो वह नाकामी हमारे मनोबल को कमजोर कर सकी और न ही उसने हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम की संभावनाओं को प्रभावित किया। यह सही है कि चंद्रयान-2 के बाद चंद्रयान-3 को रवाना करने में चार साल लगे, जिसे बहुत कम नहीं कहा जा सकता, लेकिन इस बीच कोरोना महामारी से उपजी चुनौतियां भी हमारे रास्ते में आईं थीं। बहरहाल, हमारे संकल्प के सबूत के तौर पर चंद्रयान-3 अंतरिक्ष में जा चुका है। निश्चित रूप से इस मिशन की कामयाबी काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन यह एक लंबे सिलसिले की बस शुरुआत है। चांद पर इसकी सफल सॉफ्ट लैंडिंग भारत को उन देशों के क्लब में सम्मानपूर्ण प्रवेश देगी जिसके अभी सिर्फ तीन सदस्य हैं- अमेरिका, रूस और चीन। भारत ऐसा करने वाला चौथा देश होगा। लेकिन इससे बड़ी बात यह है कि यह मिशन इसरो के आगामी अंतरिक्ष अभियानों का रास्ता साफ करेगा। सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य एल इसी साल लॉन्च किया जाना है। पृथ्वी के वातावरण और उसकी सतह के अध्ययन के लिए अमेरिका के साथ एक जॉइंट मिशन 2024 में तय है और अंतरिक्ष में भारत का पहला मानव मिशन गगनयान 2025 में छोड़ा जाना है। ध्यान रहे, इसी साल 21 जून को भारत ने अमेरिका की अगुआई वाले संयुक्त चंद्र अभियानों से जुड़े आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर किया है। इससे जहां भारत को स्पेस टेक्नॉलजी में अमेरिकी महारत का फायदा मिलेगा, वहीं इसरो के कॉस्ट इफेक्टिव लॉन्च फैसिलिटी का भी बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित किया जा सकेगा। यही नहीं, समझौते में शामिल अन्य देशों - फ्रांस, जापान और ऑस्ट्रेलिया- के साथ भी करीबी सहयोग का मौका मिलेगा। इस बीच देश में स्पेस एक्सप्लोरेशन का जो इकोसिस्टम विकसित हुआ है, उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गौर करने की बात है कि चार साल पहले यानी चंद्रयान-2 लॉन्च किए जाते समय देश में स्पेस सेक्टर की मात्र 10 स्टार्टअप कंपनियां थीं। अब इनकी संख्या बढ़कर 140 हो गई है। इसरो ने सुविचारित ढंग से स्पेस सेक्टर में प्राइवेट कंपनियों के लिए गुंजाइश बनाई है जिसका एक फायदा यह भी है कि वह अब अपनी ऊर्जा स्पेस साइंस से जुड़े कोर एरिया में केंद्रित कर सकेगा। जाहिर है यह नया क्षेत्र भारत के सामने खुल रहा है और उसे इसमें बहुत आगे जाना है।

> चंद्रयान-2 के बाद चंद्रयान-3 को रवाना करने में चार साल लगे, जिसे बहुत कम नहीं कहा जा सकता, लेकिन इस बीच कोरोना महामारी से उपजी चुनौतियां भी हमारे रास्ते में आईं थीं। बहरहाल, हमारे संकल्प के सबूत के तौर पर चंद्रयान-3 अंतरिक्ष में जा चुका है। निश्चित रूप से इस मिशन की कामयाबी काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन यह एक लंबे सिलसिले की बस शुरुआत है। चांद पर इसकी सफल सॉफ्ट लैंडिंग भारत को उन देशों के क्लब में सम्मानपूर्ण प्रवेश देगी जिसके अभी सिर्फ तीन सदस्य हैं- अमेरिका, रूस और चीन। भारत ऐसा करने वाला चौथा देश होगा। लेकिन इससे बड़ी बात यह है कि यह मिशन इसरो के आगामी अंतरिक्ष अभियानों का रास्ता साफ करेगा। सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य एल इसी साल लॉन्च किया जाना है। पृथ्वी के वातावरण और उसकी सतह के अध्ययन के लिए अमेरिका के साथ एक जॉइंट मिशन 2024 में तय है और अंतरिक्ष में भारत का पहला मानव मिशन गगनयान 2025 में छोड़ा जाना है। ध्यान रहे, इसी साल 21 जून को भारत ने अमेरिका की अगुआई वाले संयुक्त चंद्र अभियानों से जुड़े आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर किया है। चंद्रयान-2 के बाद चंद्रयान-3 को रवाना करने में चार साल लगे, जिसे बहुत कम नहीं कहा जा सकता, लेकिन इस बीच कोरोना महामारी से उपजी चुनौतियां भी हमारे रास्ते में आईं थीं। बहरहाल, हमारे संकल्प के सबूत के तौर पर चंद्रयान-3 अंतरिक्ष में जा चुका है। निश्चित रूप से इस मिशन की कामयाबी काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन यह एक लंबे सिलसिले की बस शुरुआत है।

कुछ अलग

सेवा विस्तार पर सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिए एक महत्वपूर्ण फैसले में केंद्र सरकार की ओर से प्रवर्तन निदेशालय के मौजूदा डायरेक्टर को दिया गया सेवा विस्तार अवैध करार दिया। ED के डायरेक्टर को मिले सेवा विस्तार पर पहले से ही राजनीतिक विवाद चल रहा था, लेकिन कोर्ट का यह आदेश कुछ अन्य वजहों से भी अहम माना जा रहा है। पहली बात है, फैसला देते हुए बरती गई बारीकी और न्यायिक संतुलन। यह मामला जटिल इसलिए भी था कि इसमें सिर्फ ED प्रमुख को दिए गए सेवा विस्तार पर ही विचार नहीं करना था बल्कि इससे सरकार के अधिकार का मामला भी जुड़ा था। केंद्र ने साल 2021 में सेंट्रल विजिलेंस कमिशन एक्ट और दिल्ली स्पेशल पुलिस इस्टैब्लिशमेंट एक्ट में संशोधन के जरिए सीबीआई और ED के प्रमुखों को पांच साल की अवधि पूरी होने तक एक्सटेंशन देने का अधिकार हासिल कर लिया था। इसे भी चुनौती दी गई थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सीमाओं का ध्यान रखते हुए इस मामले में दखल देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि विधायिका का कोई कार्य या फैसला न्यायिक समीक्षा की जद में तभी आता है जब या तो इससे मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों या यह स्पष्ट तौर पर पक्षपातपूर्ण लगे। चूंकि मौजूदा मामले में इस तरह की कोई बात नहीं है, इसलिए इस संशोधन पर एतराज करने की कोई जरूरत अदालत ने महसूस नहीं की। ED प्रमुख को दिए जाने वाले एक्सटेंशन का मामला इससे अलग इसलिए था क्योंकि सुप्रीम कोर्ट पहले ही एक मामले में कह चुका था कि उन्हें नवंबर 2022 के बाद एक्सटेंशन नहीं दिया जाना चाहिए। ऐसे में यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हो जाता है, जिसका अधिकार सरकार को नहीं है। दरअसल, मौजूदा ED प्रमुख को जिस तरह से सेवा विस्तार दिया जा रहा था, उस पर सवाल पहले से ही उठ रहे थे। कोर्ट में सुनवाई के दौरान भी यह बात कही गई कि ED जैसी महत्वपूर्ण जांच एजेंसी का स्वतंत्र होना ही नहीं, उसका स्वतंत्र दिखना भी जरूरी है। यह बात इस तथ्य की रोशनी में ज्यादा अहम हो जाती है कि हाल के दिनों में ED की कार्रवाई के दायरे में विपक्षी दलों और नेताओं से जुड़े मामले बड़ी संख्या में आए हैं। विपक्षी दलों की ओर से इन कार्रवाइयों को पक्षपातपूर्ण भी बताया जा रहा है। हालांकि कार्रवाई के औचित्य पर फैसला ऐसे आरोपों के आधार पर नहीं हो सकता। वह तो कानूनी प्रक्रिया की तार्किक परिणति से ही तय होता है। लेकिन जांच एजेंसियों की छवि हर संदेह से परे होनी चाहिए। इस संदर्भ में केंद्रीय गृहमंत्री का वह बयान महत्वपूर्ण है जो उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद दिया। उन्होंने सही कहा कि जांच एजेंसी का प्रमुख नहीं बल्कि उसका काम महत्वपूर्ण है। उम्मीद की जाए कि आगे सरकार का फैसला इन्हीं शब्दों और भावनाओं से निर्देशित होगा।

> कोर्ट ने कहा कि विधायिका का कोई कार्य या फैसला न्यायिक समीक्षा की जद में तभी आता है जब या तो इससे मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों या यह स्पष्ट तौर पर पक्षपातपूर्ण लगे। चूंकि मौजूदा मामले में इस तरह की कोई बात नहीं है, इसलिए इस संशोधन पर एतराज करने की कोई जरूरत अदालत ने महसूस नहीं की। ED प्रमुख को दिए जाने वाले एक्सटेंशन का मामला इससे अलग इसलिए था क्योंकि सुप्रीम कोर्ट पहले ही एक मामले में कह चुका था कि उन्हें नवंबर 2022 के बाद एक्सटेंशन नहीं दिया जाना चाहिए। ऐसे में यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हो जाता है, जिसका अधिकार सरकार को नहीं है।

आज भाजपा में दूसरे दलों से आए नेताओं का बोलबाला हो रहा है

भाजपा राजनीतिक रूप से तो मजबूत हुई है मगर चारित्रिक रूप से कमजोर हो गयी

रमेश सर्राफ

कभी चाल, चरित्र, चेहरे की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब पूरी तरह से बदल गई है। सत्ता के लालच ने भाजपा का चरित्र ही बदल कर रख दिया है। देश में कम्युनिस्ट पार्टियों के बाद अनुशासन के मामले में सख्त मानी जाने वाली भाजपा का अनुशासन अब तार-तार हो गया है। भाजपा में वफादारी की बात करना अब बेमानी हो गया है। सत्ता के लालच में पार्टी के नेता कब कौन-सा कदम उठा ले किसी को पता नहीं है। 2014 के बाद तो भाजपा पूरी तरह बदल गयी है। इस समय की भाजपा सत्ता की इतनी भूखी हो गई है कि सत्ता मिलते देख वह अपने जन्मजात दुश्मनों को भी गले लगाने से परहेज नहीं कर रही है। जब 1980 में जनता पार्टी से अलग होकर भाजपा का गठन किया गया था। उस समय राजनीतिक रूप से तो भाजपा कमजोर थी मगर चारित्रिक रूप से बहुत मजबूत थी। भाजपा के अनुशासन व संगठन को लेकर सभी राजनीतिक दलों में चर्चाएं होती थीं। अपने वफादार कार्यकर्ताओं के बल पर भाजपा हर समय संघर्ष करने को तैयार रहती थी। पार्टी नेताओं के एक इशारे पर पार्टी कैडर मरने मारने पर उतारू हो जाता था। पार्टी के कार्यकर्ता भूखे रहकर महीनों तक चुनाव में पार्टी के लिए मेहनत करते थे। मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल गया है। आज भाजपा का कार्यकर्ता सुविधा भोगी हो गया है। सबको सत्ता का लालच आ गया है। पार्टी का हर कार्यकर्ता पांच सितारा जिंदगी में जीना चाहता है। भाजपा का छुटभैया नेता भी आज बड़ी-बड़ी लग्जरी गाड़ियों में घूम रहा है। एक समय पाई पाई के लिए मोहताज रहने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं के पास अचानक ही लग्जरी लाइफस्टाइल बिताने के लिए इतना धन कहां से आया इस बात से पार्टी के बड़े नेताओं को कोई मतलब नहीं रहता है। सत्ता पाने की होड़ में पार्टी आलाकमान उस बात से भी आंख मूंद लेती है जिससे पार्टी की छवि खराब हो रही है। पार्टी की स्थापना करने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, नानाजी देशमुख, विजय राजे सिंधिया, भैरोंसिंह शेखावत, कुशाभाऊ ठाकरे, सुंदर सिंह भंडारी, कल्याण सिंह, मुरली मनोहर जोशी, शांता कुमार, सुंदरलाल पटवा, श्यामाचरण सकलेचा, मदन लाल खुराना, जगदीश प्रसाद माथुर, विजय कुमार मल्होत्रा, जाना कृष्णमूर्ति, एम वेंकैया नायडू, सूरजभान जैसे बहुत से नेताओं ने पार्टी को बनाने में अपना सब कुछ खपा दिया था। पार्टी में इन वरिष्ठ नेताओं का जब तक दबदबा रहा तब तक पार्टी सत्ता पाने की दौड़ में शामिल नहीं हुई थी। अटल, आडवाणी युग में भाजपा ने अपने को जमीनी स्तर पर बहुत मजबूत किया था। जिसका ही नतीजा है कि आज भाजपा देश में शासन कर रही है। एक समय था जब अटल बिहारी वाजपेयी ने सिद्धांतों से समझौता नहीं कर के प्रधानमंत्री का पद गंवा दिया था। उस दौर में पार्टी के लिए सत्ता से बड़े सिद्धांत होते थे। मगर अब सब कुछ बदल गया है। आज के समय में सत्ता हासिल करना ही पार्टी का मुख्य उद्देश्य बन गया है। 2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने और अमित शाह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने उसके बाद से पार्टी में पुराने नेताओं, पुराने कार्यकर्ताओं को धीरे-धीरे पीछे धकेला जाने लगा। उनके स्थान पर फाइव स्टार कल्चर के नए-नए लोगों को आगे बढ़ाए जाने जाने लगा। भाजपा के बारे में माना जाता था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का पार्टी पर पूरा नियंत्रण रहता है। संघ की इजाजत के बिना पार्टी में पत्ता भी नहीं हिल सकता है। मगर मौजूदा परिस्थितियों में लगता है कि संघ का पार्टी पर से नियंत्रण समाप्त हो गया है। संघ के पदाधिकारी भी आज मौन रहकर पार्टी के सत्ता लोलुप स्वरूप को देख रहे हैं। पार्टी की नीतियों में हस्तक्षेप करने की संघ में भी हिम्मत नहीं रह गई है। इसीलिए भाजपा के बड़े नेता मन मुताबिक फैसले लेकर काम कर रहे हैं। आज भाजपा में दूसरे दलों से आए नेताओं का बोलबाला हो रहा है। पार्टी के शासन वाले बहुत से राज्यों में दूसरे दलों से आए नेताओं को मुख्यमंत्री, मंत्री बनाया गया है। ऐसे ही संगठन में दूसरी पार्टी से आए नेता प्रमुख पदों पर बैठे हुए हैं। हाल ही में पंजाब भाजपा के अध्यक्ष बनाए गए सुनील जाखड़ तो कुछ माह पूर्व ही भाजपा में शामिल हुए थे। कांग्रेस पार्टी में तवज्जो नहीं मिलने के चलते सुनील जाखड़ भाजपा में आ गए थे। पूर्व में वह पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसी तरह असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होकर राज कर रहे हैं। उन प्रदेशों में जो पार्टी कैडर के कार्यकर्ता थे उनका आज पता ठिकाना भी नहीं है कि वो लोग कहां गुमनामी में खो गए हैं। भाजपा के मौजूदा नेतृत्व ने जब 2015 में जम्मू-कश्मीर में जम्मू कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के मुफ्ती मोहम्मद सईद फिर उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती के साथ मिलकर सरकार बना ली थी उसी दिन से भाजपा के सभी सिद्धांत समाप्त हो गए थे। सत्ता के लिए मुफ्ती मोहम्मद सईद व महबूबा मुफ्ती जैसे भारत विरोधी विचारधारा के कट्टरपंथी नेताओं के साथ सरकार बनाना भाजपा द्वारा अपने सभी सिद्धांतों को तिलांजलि देने के समान था। इसके साथ ही भाजपा जहां चुनाव नहीं जीत सकती वहां जोड़-तोड़ कर सरकार बनाना शुरू कर दिया। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर इसके पहले शिकार हुए। उसके बाद 2018 में कर्नाटक व मध्य प्रदेश में विधानसभा का चुनाव हार जाने के बाद भाजपा ने वहां दल बदल करवाकर अपनी सरकार बना ली थी। उसी का नतीजा है कि पिछले दिनों संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को कर्नाटक में करारी हार झेलनी पड़ी थी। इसी तरह महाराष्ट्र में भी भाजपा ने पहले शिवसेना में और अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में तोड़फोड़ करवा कर अपनी सरकार बनायी है। हालांकि भाजपा के नेताओं को भी पता लग गया है कि जोड़-तोड़ कर बनाई सरकार को मतदाता स्वीकार नहीं करते हैं। मतदाताओं को जब भी कर्नाटक की तरह मौका मिलता है वह बुरी तरह हरवा देते हैं। इसी साल के अंत में मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव होने हैं। मौजूदा परिस्थितियों से वहां भाजपा कि स्थिति सही नहीं लग रही है। इसी तरह महाराष्ट्र में भी एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में भाजपा सहित कई दलों की सरकार चल रही है। मगर सरकार में शामिल दलों की आपसी खींचतान के चलते महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में बहुत से पद खाली पड़े हैं। भाजपा आलाकमान ने यदि अपनी नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पार्टी के वफादार लोग पार्टी से दूर होते चले जाएंगे। फिर भाजपा में सिर्फ दलबदलू व मौकापरस्त लोगों का जमावड़ा रह जाएगा। जिनके बल पर भाजपा लंबे समय तक नहीं चल पाएगी।

> देश में कम्युनिस्ट पार्टियों के बाद अनुशासन के मामले में सख्त मानी जाने वाली भाजपा का अनुशासन अब तार-तार हो गया है। भाजपा में वफादारी की बात करना अब बेमानी हो गया है। सत्ता के लालच में पार्टी के नेता कब कौन-सा कदम उठा ले किसी को पता नहीं है। 2014 के बाद तो भाजपा पूरी तरह बदल गयी है। इस समय की भाजपा सत्ता की इतनी भूखी हो गई है कि सत्ता मिलते देख वह अपने जन्मजात दुश्मनों को भी गले लगाने से परहेज नहीं कर रही है। जब 1980 में जनता पार्टी से अलग होकर भाजपा का गठन किया गया था। उस समय राजनीतिक रूप से तो भाजपा कमजोर थी मगर चारित्रिक रूप से बहुत मजबूत थी। भाजपा के अनुशासन व संगठन को लेकर सभी राजनीतिक दलों में चर्चाएं होती थीं। अपने वफादार कार्यकर्ताओं के बल पर भाजपा हर समय संघर्ष करने को तैयार रहती थी।

लगता है कुंआरों की पेंशन अब दूसरे राज्यों में भी शुरू होगी

औरत अपना आप बचाए तब भी मुजरिम होती है

औरत अपना आप गंवाए तब भी मुजरिम होती है

प्रज्ञा से करीब तीन साल पहले एक गांव में मुलाकात हुई थी। तब शायद वह सातवीं क्लास में थी, अभी दसवीं पास कर चुकी है। दो दिन पहले वॉट्सऐप पर उसका मेसेज आया- सर, मैंने तय किया है कि घरवाले कितना भी दबाव डालें, मैं तब तक शादी नहीं करूंगी, जब तक पढ़ लिखकर खुद अपने पैरों पर न खड़ी हो जाऊं। एसडीएम मैडम वाले मामले में लोग जिस तरह से पढ़ाई कर रही पत्नी को टारगेट करके ट्रोल कर रहे हैं, उसे देखकर तो मैंने घर वालों को भी यह बात साफ साफ बता दी है। आप भी जरूर कुछ लिखिए इस पर। उसका संदेश पढ़ा और फिर मेरी नजर उसी दौरान हरियाणा सरकार के एक फैसले पर पड़ी। यहां कुआरों को हर महीने 2750 रुपये देने का एलान हुआ है। पैंतालीस से साठ साल के ऐसे प्रौढ़ जिनकी सालाना आय एक लाख अस्सी हजार रुपये से कम है, इसके अलावा विधुरों के लिए भी पेंशन की घोषणा की गई है। अब आप लोगों को लग रहा होगा कि प्रज्ञा के फैसले और हरियाणा में कुंआरों की पेंशन का क्या लेना-देना है? इसे समझने के लिए थोड़ा गहराई में जाना होगा। सोचिए कि देश में हरियाणा ही ऐसा राज्य क्यों है, जहां कुंआरों को पेंशन देनी पड़ेगी। वह इसलिए कि तमाम कोशिशों के बावजूद सेक्स रेशियो की हालत बाकी देश के मुकाबले अभी भी हरियाणा में बहुत अच्छी नहीं है। आज भी यहां कम से कम पांच जिले ऐसे हैं, जहां लड़कियों की संख्या लड़कों के मुकाबले बहुत कम है। हजार पर नौ से भी नीचे। जाहिर है यहां कुंआरे ज्यादा होंगे। अभी ही उम्मीद की जा रही है कि लाख से ऊपर लाभार्थी तो तत्काल तैयार बैठे हैं। उत्तर प्रदेश की एक एसडीएम के निजी रिश्तों को लेकर गंगा यमुना के दोआबे में जिस तरह का उबाल आया है, उसे देखकर लगता है कि काऊ बेल्ट के कई राज्यों में आगे कुंआरों की पेंशन का ऐलान करना पड़ सकता है। एसडीएम का किस्सा यह है कि उनकी शादी एक सफाई कर्मचारी से हुई। उस वक्त एसडीएम नहीं थीं, बल्कि पढ़ाई कर रही थीं। बाद में उनके बच्चे हुए और वह अपनी मेहनत से एसडीएम बन गईं। इस दौरान पति से रिश्ते खराब हुए और उनकी किसी दूसरे अफसर मित्र से निजी बातचीत के अंश मीडिया में लीक कर दिए गए। यह सुनते ही पुरुष समाज भड़क उठा। बिहार में तो तमाम विडियो और अलबम रिलीज हो गए कि शादी के बाद लड़कियों को पढ़ाया तो समझो ससुराल वालों का बंटाधार। इस माहौल में कुछ लोगों ने तो वाकई अपनी पत्नियों की पढ़ाई छुड़वा दी कि कहीं वह भी पढ़-लिखकर पति को छोड़ न दे। इस होहल्ले और शोरगुल से लगता है कि इससे शादी करने के बाद महिलाओं का तो वाकई बहुत नुकसान हो गया। पर इसका अनदेखा पहलू यह है कि महिलाओं की पढ़ाई की इस ट्रोलिंग से युवा पुरुषों का ही नुकसान होने वाला है। अब प्रज्ञा के उदाहरण से इसे समझ सकते हैं। यह एक मौन क्रांति है, जिसका असर आने वाले वक्त में दिखेगा। जिन बच्चियों के मां-बाप समझ रखते हैं, वह अब बेटियों की जल्दी शादी पर जोर नहीं देंगे। ऐसे में उस कैटिगरी के समाज का सबसे ज्यादा नुकसान होने वाला है, जो अपने लड़कों की जल्दी शादी करने को समझदारी मानता है। ऐसे लड़के जो जवानी के दौरान पढ़ाई-लिखाई और खुद की तरक्की पर मेहनत करने के बजाय आवारागर्दी करते हैं और यह दावा करते हैं कि उन्होंने अपनी पत्नी को पढ़ाया या पढ़ा रहे हैं, अब परेशान होंगे। लड़कियां तय कर रही हैं कि उन्हें तब तक शादी ही नहीं करनी, जब तक वह खुद अपने पैरों पर खड़ी न हो जाएं। उन्हें अब अपना स्वाभिमान प्यारा लग रहा है और वह आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं। दाम्पत्य में एक बराबरी का रिश्ता रखकर साझी जिम्मेदारी उठाना चाहती हैं कि जिसमें कोई किसी पर बोझ न हो। तो अब समझने की बारी उस समाज की है कि जो देसी अलबम और विडियो देखकर नाच रहा है या हंस रहा है। गांव, कस्बों और छोटे शहरों की लड़कियों में यह ट्रेंड जैसे-जैसे बढ़ेगा, वैसे-वैसे कम उम्र में शादियों का चलन कम होता जाएगा। जब पढ़-लिखकर और कुछ बनकर एक युवती विवाह करने का फैसला करेगी, तब वह यह देखेगी कि लड़का कितना काबिल है। लड़कियां ऐसा भी मानने लगी हैं कि शादी इतनी जरूरी भी नहीं। अब यह लड़कों के सोचने-समझने का वक्त है कि वह किसी एक एसडीएम या सफाईकर्मी की जिंदगी के निजी झगड़ों पर ही विमर्श करते रहेंगे या फिर वह समझेंगे जो परतों के नीचे छिपा है और उन्हें दिख नहीं रहा।

> एसडीएम मैडम वाले मामले में लोग जिस तरह से पढ़ाई कर रही पत्नी को टारगेट करके ट्रोल कर रहे हैं, उसे देखकर तो मैंने घर वालों को भी यह बात साफ साफ बता दी है। आप भी जरूर कुछ लिखिए इस पर। उसका संदेश पढ़ा और फिर मेरी नजर उसी दौरान हरियाणा सरकार के एक फैसले पर पड़ी। यहां कुआरों को हर महीने 2750 रुपये देने का एलान हुआ है। पैंतालीस से साठ साल के ऐसे प्रौढ़ जिनकी सालाना आय एक लाख अस्सी हजार रुपये से कम है, इसके अलावा विधुरों के लिए भी पेंशन की घोषणा की गई है। अब आप लोगों को लग रहा होगा कि प्रज्ञा के फैसले और हरियाणा में कुंआरों की पेंशन का क्या लेना-देना है? इसे समझने के लिए थोड़ा गहराई में जाना होगा।

नागरिक बोध

नागरिक संहिता का एक आसान रास्ता और चुनाव पूर्व वर्ष का सियासी परिदृश्य

बात बहुत चौंकाने वाली लगती है और पहली नजर में अविश्वसनीय भी, अगर कोई कहे कि देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का कानून बिना किसी ज्यादा विरोध के लाया और आसानी से लागू भी किया जा सकता है! लेकिन कैसे? मौजूदा हालात तो ये हैं कि पूर्वोत्तर के कई राज्यों समेत देश के कई हिस्सों के आदिवासी समूहों और मुसलमानों, ईसाइयों, सिखों आदि धार्मिक समूहों के बड़े वर्गों ने इसे लेकर आपत्ति जताई है। पंद्रह से ज्यादा राजनीतिक दल अपना विरोध जता चुके हैं और भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं कि वह यूसीसी के बहाने 2024 के लोकसभा चुनावों में हिंदू वोटों का तीखा ध्रुवीकरण करा कर चुनावी ट्रंप कॉर्ड खेलना चाहती है। इसमें शक नहीं कि एक प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए यूसीसी बेहद जरूरी है। अगर हम राजनीति को एक तरफ रख दें और भाजपा रचनात्मक रवैया अपनाते हुए एक 'आउट ऑफ द बॉक्स आइडिया' पर विचार करने को तैयार हो, तो एक आसान रास्ता यह निकल सकता है कि इसे 'ऐच्छिक' कानून के रूप में लाया जाए। यानी जो इस कानून को अपनाना चाहे, वह इसे चुन ले और जो अपने पर्सनल लॉ या पुरानी परंपरागत व्यवस्था पर चलना चाहे, वह उसे चुन ले। प्रावधान यह हो कि जिसने भी यूसीसी का विकल्प चुन लिया, वह अपने पुराने पर्सनल लॉ आदि पर वापस नहीं लौट सकता। पढ़कर बड़ा झटका लगा न आपको? लेकिन आगे की लाइनें पढ़िए और जरा ठंडे दिमाग से सोचिए। देश में इनकम टैक्स देनेवाले कुल चार प्रतिशत लोग हैं। सरकार इनकम टैक्स कानून के तहत छूट के कुछ प्रावधानों को खत्म करना चाहती थी, लेकिन यह भी नहीं चाहती थी कि इससे कोई नकारात्मक संदेश जाए। इसलिए उसने टैक्स का नया ढांचा तो दिया, साथ ही लोगों को यह विकल्प भी दिया कि वे छूट वाले पुराने और बिना छूट वाले नए टैक्स ढांचों में से किसी एक को चुन सकते हैं। सवाल यह है कि अगर केवल चार प्रतिशत करदाताओं के लिए एक 'ऐच्छिक' विकल्प दिया जा सकता है, तो फिर देश की समूची आबादी को प्रभावित करनेवाली नागरिक संहिता के मामले में ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता? आप कह सकते हैं कि ऐसा होने पर बहुत कम लोग ही यूसीसी को चुनेंगे? लेकिन ऐसा सोचना बिल्कुल गलत है। मेरा मानना है कि ऐसा होने पर पहले साल में ही शायद 50 प्रतिशत से भी ज्यादा लोग इसे चुन लेंगे और अगले पांच से दस साल में समूची आबादी इसे स्वतः मान लेने पर मजबूर हो सकती है। कैसे? आइए, देखते हैं। वर्ष 2017 में लोकनीति-सीएसडीएस ने एक सर्वे में पाया था कि देश में 40 फीसदी हिंदू, 24 फीसदी मुस्लिम, 38 फीसदी ईसाई और 30 फीसदी सिख यूसीसी लाए जाने के समर्थक हैं। यह संख्या अच्छी-खासी है। सर्वे यह भी बताता है कि 2004 के मुकाबले यूसीसी का समर्थन करनेवालों की संख्या 2017 आते-आते काफी बढ़ी है। तो छह साल बाद यानी 2023 तक यह संख्या और बढ़ी ही होगी, ऐसा मानना गलत नहीं होगा। दूसरी बात, 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को अकेले 37.4 फीसदी और एनडीए को करीब 45 फीसदी प्रतिशत वोट मिले थे। मोटा-मोटा मान लें कि ये 45 फीसदी वोटर यूसीसी का समर्थन करते ही होंगे। फिर यूसीसी का विरोध करने वाली पार्टियों के बहुत-से नेता, कार्यकर्ता और वोटर भी भीतर से इसके समर्थक हैं ही और इसके ऐच्छिक होने की स्थिति में वे भी इसे चुनेंगे ही। उधर, विभिन्न आदिवासी समूहों और धार्मिक समुदायों के पास विरोध की कोई गुंजाइश नहीं बचेगी, क्योंकि वे अपने पुराने कानूनों पर चलने को स्वतंत्र होंगे।

देश दुनीया से

अलगाववादी आंदोलन और कूटनीतिक चुनौतियां

समावेशी विचार और लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले भारत में खालिस्तान आंदोलन की कोई संभावना नहीं है। मगर कट्टरता, धार्मिक प्रदर्शन, सर्वोच्च धार्मिक संस्थाओं के क्रियाकलापों को नियंत्रित करने और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों द्वारा अलगाववादी ताकतों को संरक्षण न मिले, इसे लेकर सजग रहने की जरूरत अवश्य है। खालिस्तान समर्थक विदेश में भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में भारत को कूटनीतिक स्तर पर कड़े कदम उठाने की जरूरत है। खालिस्तान आंदोलन की संभावनाएं करीब ढाई दशक पहले ही खत्म हो गई थीं, लेकिन भारत से बाहर इसे जिंदा रखने की धार्मिक और राजनीतिक कोशिशें जारी रही हैं। हाल के महीनों में खालिस्तान से जुड़े कट्टर अलगाववादियों और भारत के 'मोस्ट वांटेड' आतंकियों में से कुछ की मौत हुई है, इसे लेकर खालिस्तान समर्थक भारत पर आरोप लगा रहे हैं। दुनिया भर में भारत के खिलाफ प्रदर्शन और भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा की अपील भी कर रहे हैं। कनाडा खालिस्तानी समर्थकों का गढ़ माना जाता है, वहीं ब्रिटेन, अमेरिका और आस्ट्रेलिया में भी खालिस्तान समर्थकों ने भारतीय दूतावास के बाहर प्रदर्शन किया है। लंदन में खालिस्तानी समर्थकों के हाथों में पाकिस्तान और कश्मीर के समर्थन वाले पोस्टर देखे गए। इसी साल मार्च में ब्रिटेन की राजधानी लंदन में खालिस्तान समर्थकों की उग्र भीड़ ने भारतीय उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया था। इस दौरान एक व्यक्ति ने भारतीय उच्चायोग पर लगे तिरंगे को उतार दिया था। वहीं आस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर में भारतीय दूतावास को खालिस्तान समर्थकों के डर से बंद करना पड़ा था। विदेशों में दूतावास की सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर विएना समझौते को माना जाता है। वैश्विक स्तर पर यह राजनयिक संबंधों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संधि है। यह संधि राजनयिकों को मेजबान देश में बिना किसी जबर्दस्ती, उत्पीड़न या डर के काम करने में सक्षम बनाती है। कनाडा, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया जैसे देश भी इस संधि से बंधे हैं। भारत से इन देशों के साझा आर्थिक और रणनीतिक हित हैं। इन सबके बाद भी इन देशों में भारत-विरोधी गतिविधियों से कूटनीतिक चुनौतियां बढ़ गई हैं। कनाडा में भारतीय मूल के करीब दस लाख लोग रहते हैं, जिसमें पंजाबियों को अच्छी-खासी तादाद है, जो आर्थिक और राजनीतिक तौर पर बेहद सक्षम माने जाते हैं। इसका प्रभाव कनाडा के राजनीतिक हितों पर भी देखा गया है। कुछ कनाडाई सिख प्रवासी भारतीय आंदोलन के समर्थन के लिए कट्टरपंथियों को उकसाते हैं। बैसाखी और खालसा दिवस पर कनाडा के राजनेता भी खालिस्तान को समर्थन देते देखे गए हैं। इसके चलते भारत और कनाडा के संबंधों में ठहराव देखा गया है। भारत ने 2022 में कनाडा द्वारा खालिस्तानी अलगाववादी जनमत संग्रह की अनुमति देने पर आपत्ति जताई थी, साथ ही कनाडा में घृणा अपराधों के खिलाफ चेतावनी के साथ आगाह किया था। लोकतंत्र और बहुलवाद की भारत की साझी विरासत के प्रति कनाडा अपना समर्थन जताता रहा है। भारत कनाडा का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश है। कनाडा के पास यूरेनियम, प्राकृतिक गैस, तेल, कोयला, खनिज और जल विद्युत, खनन, नवीकरणीय ऊर्जा तथा परमाणु ऊर्जा में उन्नत प्रौद्योगिकियों के दुनिया के सबसे बड़े संसाधन हैं। उसकी चार सौ से अधिक कंपनियों की भारत में उपस्थिति है और एक हजार से अधिक कंपनियां सक्रिय रूप से भारतीय बाजार में कारोबार कर रही हैं।

> खालिस्तान समर्थक विदेश में भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में भारत को कूटनीतिक स्तर पर कड़े कदम उठाने की जरूरत है। खालिस्तान आंदोलन की संभावनाएं करीब ढाई दशक पहले ही खत्म हो गई थीं, लेकिन भारत से बाहर इसे जिंदा रखने की धार्मिक और राजनीतिक कोशिशें जारी रही हैं। हाल के महीनों में खालिस्तान से जुड़े कट्टर अलगाववादियों और भारत के 'मोस्ट वांटेड' आतंकियों में से कुछ की मौत हुई है, इसे लेकर खालिस्तान समर्थक भारत पर आरोप लगा रहे हैं। दुनिया भर में भारत के खिलाफ प्रदर्शन और भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा की अपील भी कर रहे हैं। कनाडा खालिस्तानी समर्थकों का गढ़ माना जाता है, वहीं ब्रिटेन, अमेरिका और आस्ट्रेलिया में भी खालिस्तान समर्थकों ने भारतीय दूतावास के बाहर प्रदर्शन किया है।

अमेरिका के अलास्का में भूकंप के तेज झटके : रिक्टर स्केल पर 7.4 तीव्रता ; वीडियो में बच्चों को लेकर भागता दिखा पिता

वॉशिंगटन।

अमेरिकी राज्य अलास्का में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.4 रही। अमेरिका के सुनामी वॉर्निंग सिस्टम ने भी अलर्ट जारी किया था। हालांकि, बाद में इसे रद्द कर दिया गया। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन से 9.3 किमी की गहराई पर था। अलास्का में भूकंप का एक वीडियो भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें अलास्का के एक घर में भूकंप का असर देखा जा सकता है। वीडियो में तेज झटकों के बीच एक पिता अपने बच्चों को लेकर भागता हुआ नजर आ रहा है। वो पहले अपने एक बच्चे को गोद में लेकर भागता है। इस दौरान हड़बड़ी में उसके हाथ से दूसरी बेटी का हाथ छूट जाता है। इसके बाद वो तुरंत वापस आकर उसे भी लेकर जल्दी से कमरे से बाहर चला जाता है।

अलास्का में पहले भी आए तेज भूकंप, 1964 में 250 लोग मारे गए थे – 2 साल पहले 2021 में भी अलास्का में 8.2 तीव्रता का भूकंप आया था। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने तब भी सुनामी की चेतावनी जारी की थी। हालांकि, इससे कोई नुकसान नहीं हुआ था। 2020 में भी अलास्का के दक्षिणी तट पर 7.5 तीव्रता के भूकंप के कारण सुनामी लहरें आईं थी, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ था। इससे पहले मार्च 1964 में अलास्का में तेज भूकंप आया था। इसकी तीव्रता 9.2 थी। ये उत्तरी अमेरिका में अब तक का सबसे विनाशकारी अर्थक्वेक था। इसकी चपेट में आकर एंकरेज इलाका तबाह हो गया। साथ ही सुनामी ने अलास्का की खाड़ी, अमेरिका के पश्चिमी तट और हवाई को भारी नुकसान पहुंचाया। भूकंप और सुनामी से 250 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

रिंग ऑफ फायर में आता है अमेरिका – रिंग ऑफ फायर ऐसा इलाका है जहां कई कॉन्टिनेंटल के साथ ही ओशियनिक टेक्टॉनिक प्लेट्स भी हैं। ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो भूकंप आता है, सुनामी उठती है और ज्वालामुखी फटते हैं। इस रिंग ऑफ फायर का असर न्यूजीलैंड से लेकर जापान, अलास्का और उत्तर व साउथ अमेरिका तक देखा जा सकता है। दुनिया के 90प्रतिशत भूकंप और 78प्रतिशत सुनामी इसी रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में आती हैं। यह क्षेत्र 40 हजार किलोमीटर में फैला है। दुनिया में जितने सक्रिय ज्वालामुखी हैं, उनमें से 75प्रतिशत इसी क्षेत्र में हैं। रिंग ऑफ फायर का असर 15 देशों- जापान, रूस, फिलिपींस, इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड, अंटार्कटिका, कनाडा, अमेरिका, मैक्सिको, ग्वाटेमाला, कोस्टा रिका, पेरू, इक्वाडोर, चिली और बोलिविया में है।

न्यूज ब्रीफ

देखने की क्षमता और डिमेंशिया के बीच रिलेशनः आंखों से जुड़ी समस्यों का समय पर इलाज जरूरी, 3 हजार लोगों पर हुई रिसर्च

न्यूयॉर्क। जामा के नए अध्ययन के मुताबिक, अगर आंखों से जुड़ी समस्यों का उपचार समय पर नहीं किया जाए तो उससे डिमेंशिया विकसित होने की संभावना बढ़ सकती है। पहले के शोधों में मस्तिष्क और नजर के बीच के संबंध पर अध्ययन किया जा चुका है। जामा ऑफ्थैल्मोलॉजी जर्नल के लेखक और मिशिगन यूनिवर्सिटी में विजुअल साइंस और ऑफ्थैल्मोलॉजी के सहायक प्रोफेसर डॉ. जोशुआ एर्लिच ने कहा कि इस नए अध्ययन में देखने की क्षमता और डिमेंशिया के लक्षणों पर उसके प्रभाव के बीच के संबंध को देखा गया। एर्लिच और उनके सह-लेखकों ने अमेरिका की 2021 में की गई नेशनल हेल्थ एंड ऐजिंग ट्रेंडस स्टडी के आंकड़ों को देखा। इसमें लगभग 3,000 लोगों को शामिल किया गया था। इन लोगों को नजदीक और दूर की नजर के साथ कॉन्ट्रास्ट सेंसटिविटी के परीक्षण के लिए टैबलेट डिवाइस दिए गए। इन लोगों में 71 साल से अधिक उम्र वालों की डिमेंशिया स्क्रीनिंग से जांच की गई। इन सभी में से 12.3प्रतिशत लोगों में डिमेंशिया के लक्षण दिखे। इन लक्षणों में जिन लोगों की दूर की नजर खराब थी उनमें 19.5प्रतिशत और जिनकी पास की नजर खराब थी उनमें 21.5प्रतिशत की बढ़त देखी गई। इसके अलावा ऐसे लोग जिनके देखने की क्षमता मध्यम से गंभीर तौर पर खराब थी या वो दृष्टिबाधित थे, में 32.9प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू अस्पताल में भर्तीः सीने में दर्द की शिकायत, डॉक्टर्स बोले- अब हालत ठीक है

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को शनिवार शाम अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने सीने में दर्द की शिकायत की थी। रिपोर्ट में कहा गया कि अस्पताल ले जाते समय नेतन्याहू होश में थे। वे चलकर अस्पताल के इमरजेंसी रूम पहुंचे। डॉक्टर्स ने बताया कि फिलहाल उनकी हालत ठीक है। इसके पहले 5 अक्टूबर 2022 को भी उन्हें तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया था। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, नेतन्याहू की तबीयत खराब लग रही थी जिसके बाद तेल हाशोमर के शीबा अस्पताल में उनका मेडिकल टेस्ट करवाया गया। नेतन्याहू के भारत से अच्छे रिश्ते रहे हैं। 5 साल पहले नेतन्याहू प्रधानमंत्री रहते भारत आए थे। तब पीएम नरेंद्र मोदी प्रोटोकॉल तोड़कर उन्हें रिसीव करने एयरपोर्ट गए थे। इसी साल वे इजराइल दौरे पर गए थे। मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने इजराइल की यात्रा की थी। दोनों एक-दूसरे को दोस्त बता चुके हैं। भारत ने 32 साल पहले इजराइल को एक अलग देश के तौर पर मान्यता दी थी। तब भारत के इस कदम से कुछ अरब देश खफा भी हुए थे। मोदी के सत्ता में आने के बाद दोनों देशों के रिश्तों में काफी मजबूती आई है।

इस्तीफा देंगे ब्रिटेन के रक्षामंत्री : बोले- बिस्तर पर तीन फोन रखकर सोता हूं, अब आगे चुनाव भी नहीं लड़ूंगा

लंदन। ब्रिटेन के रक्षामंत्री बेन वालेस ने रविवार को कहा कि वह मंत्रिमंडल के अगले फेरबदल में इस्तीफा दे देंगे। बेन ने ये भी एलान कर दिया कि अगले साल होने वाले आम चुनावों में भी वह हिस्सा नहीं लेंगे। बेन पिछले चार साल से ब्रिटेन में मंत्री हैं। 2005 से वह लगातार संसद के सदस्य हैं। बेन ने तीन ब्रिटिश प्रधानमंत्रियों बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और ऋषि सनक के तहत रक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया है। रूस-यूक्रेन युद्ध संघर्ष के बीच वह ब्रिटेन की तरफ से अभी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वालेस ने कहा, मैं 1999 में स्कॉटिश संसद में राजनीति में आया था। तब मेरी उम्र 24 साल थी। मैंने अपने बिस्तर के पास तीन फोन के साथ सात साल से अधिक समय बिताया है। उन्होंने कहा, मुझे इतने सारे अद्भुत लोगों के साथ काम करने और इस महान देश की रक्षा में योगदान देने पर गर्व है। लेकिन इसे अपने परिवार से आगे रखने की कीमत कुछ ऐसी है जिससे मैं बहुत दुखी हूं। उन्होंने अखबार को दिए साक्षात्कार में सुझाव दिया कि वह उच्च रक्षा खर्च की मांग करना आगे भी जारी रखेंगे। इसके लिए उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में अभियान चलाया था। माना जाता है कि बेन ने पिछले महीने कैबिनेट से हटने के अपने फैसले के बारे में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को सूचित कर दिया था।

अमेरिका में 80 हजार भारतवंशियों ने गन लाइसेंस लिया

वजह- नस्लीय हमले बढ़े ; 2 साल पहले सिर्फ 40 हजार के पास थीं बंदूकें

वॉशिंगटन।

अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नस्लीय हिंसा के मामले बढ़ने के बाद दो साल में 80 हजार भारतीयों ने नए गन लाइसेंस लिए हैं। अमेरिका में रहने वाले लगभग 40 लाख भारतीयों में पहले बंदूकें रखने का ट्रेंड नहीं था। दो साल पहले मात्र 40 हजार भारतीयों के पास ही बंदूकें थीं।

अमेरिका के नेशनल फायर आर्म्स सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार, अब गन लाइसेंस वाले भारतीयों की संख्या बढ़कर एक लाख 20 हजार हो गई है। सर्वे के अनुसार 80 हजार भारतीयों ने गन लाइसेंस के लिए अप्लाई करने का मन बनाया है। अमेरिका में भारतीय समुदाय सबसे शांतिप्रिय समझा जाता है। यहां हर 100 अमेरिकियों पर 120 बंदूकें हैं।

2020 में भारतवंशी अमेरिकियों पर हमले 500प्रतिशत बढ़े

अमेरिकी जांच एजेंसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में 2020 में भारतवंशी अमेरिकियों पर हमले 500प्रतिशत बढ़े हैं। इनमें से ज्यादातर हिंदू धर्म मानने वाले हैं। उधर, उत्तरी अमेरिका में हिंदुओं के संगठन के निकुंज त्रिवेदी का कहना है कि जिस भी देश में हिंदू जाकर बसते हैं, वे वहां के विकास में योगदान देते हैं।

पिछले पांच साल के दौरान हिंदुओं पर हमलों की घटनाओं में तेजी आई है। अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया जैसे बड़े देशों में हिंदुओं पर हिंसा बढ़ी है। हिंदूफोबिया को एक साजिश के तहत बढ़ाया जा रहा है।

भारतीय स्टोर्स को लूट रहे चोर, सोचते हैं उनके पास हथियार नहीं होंगे

एशियन अमेरिकन स्टोर ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपुल पटेल का कहना है कि भारतीयों पर पिछले दो साल में नस्लीय हमलों के मामले 279 से बढ़कर 470 हो गए। पटेल बताते हैं कि अमेरिका में स्टोर चलाने वाले भारतीयों को आसान शिकार मानकर अक्सर हमले होते हैं, क्योंकि लुटेरे ये मानकर वारदात करते हैं कि वहां किसी के पास हथियार नहीं होंगे।

छह महीने में 12 भारतीय मूल के लोगों पर हमले हो चुके हैं। कैलिफोर्निया और जॉर्जिया में स्टोर में पार्ट टाइम जॉब करने वाले दो भारतीयों की गोली मार कर हत्या कर दी गई। ओहायो में पिछले महीने भारतीय स्टूडेंट की हत्या हुई थी। इन घटनाओं से भारतीयों में दहशत बढ़ गई है।

अमेरिकी गन कल्चर का इतिहास 230 साल पुराना

अमेरिका में गन कल्चर का इतिहास करीब 230 साल पुराना है। 1791 में संविधान के दूसरे संशोधन के तहत अमेरिका नागरिकों को हथियार रखने और खरीदने का अधिकार दिया गया। तब वहां अंग्रेजों का शासन था और कोई स्थायी सिक्योरिटी फोर्स नहीं थी। ऐसे में लोगों को अपनी और परिवार की सुरक्षा के लिए हथियार रखने का अधिकार दिया गया, लेकिन अमेरिका का ये कानून आज भी जारी है।

अमेरिका 230 साल बाद भी अपने गन कल्चर को नहीं खत्म कर पाया है। इसकी दो प्रमुख वजहें हैं। पहली- कई अमेरिकी राष्ट्रपति से लेकर वहां के राज्यों के गवर्नर तक इस कल्चर को बनाए रखने की वकालत करते रहे हैं। दूसरी वजह गन बनाने वाली कंपनियां, यानी गन लॉबी। नेशनल राइफल एसोसिएशन अमेरिका में सबसे ताकतवर गन लॉबी है, जो वहां संसद सदस्यों को प्रभावित करने के लिए जमकर पैसा खर्च करती है। ये ताकतवर लॉबी गन कल्चर को खत्म करने के लिए प्रस्तावित दूसरे संविधान संशोधन का विरोध करती रही है।

येवगेनी प्रिगोजिन से छीनी जाएगी वैगनर ग्रुप की कमान

पुतिन सीरिया में लड़ चुके आंद्रेई ट्रोशेव को बनाएंगे नया लीडर; बेलारूस पहुंचे वैगनर फाइटर्स

मॉस्को।

रूस में पुतिन के तख्तापलट की कोशिश करने वाले येवगेनी प्रिगोजिन का कुछ पता नहीं चल रहा है। पूर्व अमेरिकी जनरल रॉबर्ट अब्राहम के मुताबिक वो कभी नजर नहीं आने वाले हैं। इन सभी रिपोर्ट्स के बीच खबर है कि पुतिन वैगनर को लीड करने के लिए एक नया हेड नियुक्त करने वाले हैं। तख्तापलट की कोशिश के 5 दिन बाद पुतिन ने वैगनर प्रमुख प्रिगोजिन और उनके कई टॉप फाइटर्स से बातचीत की थी। इस दौरान वैगनर के भविष्य पर बात हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुतिन ने आगे काम करने के लिए उन्हें कई ऑप्शन दिए थे। इनमें से एक ये भी था कि उनका हेड बदल दिया जाए। रूसी मीडिया के मुताबिक पुतिन ने वैगनर के नए हेड के लिए रिटायर्ड कर्नल आंद्रेई ट्रोशेव का नाम सुझाया है।

कौन हैं आंद्रेई ट्रोशेव - अगर आंद्रेई ट्रोशेव वैगनर ग्रुप के चीफ बनते हैं तो वो भी प्रिगोजिन से कम चर्चा में नहीं रहने वाले हैं। आंद्रेई ट्रोशेव पहले ही प्रतिबंधित नेताओं की सूची में शामिल हैं। वो 1953 में पूर्व सोवियत संघ के लेनिनग्राद यानी आज के सेंट पीटर्सबर्ग में पैदा हुए थे। वो सीरिया में वैगनर के लड़ाकों के अभियानों में शामिल रहे हैं। दरअसल, सीरिया में 12 सालों से चल रहे गृह युद्ध में रूस राष्ट्रपति बशर अल असाद का समर्थन करता है। इसके लिए रूसी सेना के साथ-साथ वैगनर के लड़ाकों ने भी वहां असद के समर्थन में लड़ाई लड़ी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सीरिया के एज-जोर इलाके में वैगनर की कार्रवाई में आंद्रेई ट्रोशेव सीधे तौर पर शामिल थे। ट्रोशेव वैगनर समूह में कई हाई-प्रोफाइल हस्तियों के साथ करीबी हैं। इसमें वैनगर के संस्थापक दिमित्री उत्किन, रूस के सैन्य खुफिया विभाग त्रक्र के अधिकारी और कमांडर अलेक्जेंडर सर्गेइविच कुजनेत्सोव और एंड्री बोगाटोव शामिल हैं।

साउथ कोरिया में बाढ़ से 35 लोगों की मौतः 7,866 को सुरक्षित जगह पहुंचाया, सेना से मांगी मदद; टनल से 9 लोगों के शव बरामद

सियोल।

साउथ कोरिया में हफ्ते भर से हो रही तेज बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। जगह-जगह लैंड स्लाइड होने से और पानी भरने से अब तक 35 लोगों की मौत हो चुकी है। 7,866 लोगों को बचाकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। प्रधानमंत्री ने जगह-जगह फंसे लोगों को बचाने के लिए सेना को मदद करने को कहा है। वहीं, रविवार को च्योंगजू इलाके में एक टनल में पानी भरने से वहां बस समेत 15 वाहन फंस गए। टनल से अब तक 9 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। अधिकारियों का मानना है कि ये लोग समय रहते निकल नहीं पाए और डूबने की वजह से इनकी मौत हो गई। 10 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। तेज बारिश की वजह से साउथ कोरिया में नदियां उफान पर हैं। अलजजीरा के मुताबिक सबसे ज्यादा 17 मौतें उत्तरी ग्योंगसैंग प्रांत में हुई हैं। यहां पानी के तेज बहाव से घर बह गए हैं। नॉर्थ चुंगचेयोंग में गोसेन बांध ओवरफ्लो हो गया। इससे आस-पास के गांव से लोगों को निकाला गया है। साउथ कोरिया के गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक 25,470 घरों में हफ्ते भर से बिजली नहीं है। खराब मौसम के चलते 20 फ्लाइट कैंसिल की जा चुकी हैं। साथ ही ट्रैक्स पर पानी भरने की वजह से ट्रेन की स्पीड को कम किया गया है। 200 रास्तों को बंद भी किया गया है।

पब्लिक प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाने के लगभग 59 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 18 सड़कों के नष्ट होने की जानकारी शामिल है। इस बीच निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के 80 मामले सामने आए हैं। आपदा से निपटने के लिए प्रधानमंत्री हान डक-सू ने सभी उपलब्ध संसाधन जुटाने के आदेश दिए हैं। वहीं, इस दौरान साउथ कोरिया के राष्ट्रपित यून सूक येओल यूक्रेन के दौरे पर हैं। उन्होंने वहां से ही अधिकारियों को बाढ़ में फंसे लोगों की मदद करने के निर्देश दिए हैं। 2022 में हुई 80 साल की सबसे ज्यादा बारिश साउथ कोरिया में पिछले साल भी बाढ़ से हालात काफी खराब हुए थे। वहां 2022 में पिछले 80 साल की सबसे ज्यादा बारिश हुई थी।

ताइवान ने जैव सुरक्षा केंद्र विकसित करने का किया एलान, क्या चीन के नए हथियारों की लगी भनक

ताइपे।

ताइवान ने जैविक युद्ध के खिलाफ अपनी रक्षा को मजबूत करने के लिए जैव सुरक्षा अनुसंधान और विकास केंद्रों के निर्माण की अपनी योजना की घोषणा की। हालांकि, इस बात पर जोर दिया गया है कि इस परियोजना में जैविक हथियार विकसित नहीं किए जाएंगे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह योजनाबद्ध निर्माण हाल के वर्षों में अत्यधिक संक्रामक रोगजनकों की वृद्धि की वजह से की जा रही है।

गौरतलब है कि कोरोनावायरस महामारी के पूरी दुनिया में फैलने के बाद चीन की ओर से जैव हथियारों के बनाए जाने के कई दावे हुए थे। इस बीच ताइवान का इस तरह जैविक हथियारों से सुरक्षा के लिए केंद्र बनाना अपने आप में एक चौंकाने वाला घटनाक्रम है। खासकर ऐसे समय, जब चीन पर पारंपरिक युद्ध से इतर गैर-पारंपरिक युद्ध के लिए नए-नए तरह के हथियार बनाने के आरोप लग रहे हैं, जो कि दुश्मनों को युद्ध के मैदान पर चौंकाते हुए पूरी तरह नेस्तनाबूत कर दें।

जैव हथियार बनाने की योजना नहीं

साथ ही ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने उन रिपोर्टों का खंडन किया कि ताइपे को अमेरिका ने हथियारयुक्त जैविक एजेंट विकसित करने के लिए कहा है। मंत्रालय ने बताया कि जिन केंद्रों की योजना बनाई गई है और जो मंत्रालय के चिकित्सा मामलों के ब्यूरो द्वारा बनाई जाएगी, वे द्वीप राष्ट्र में महामारी को रोकने की क्षमता को मजबूत करेंगी।

रक्षा मंत्रालय के चिकित्सा मामलों के ब्यूरो के प्रवक्ता यांग चुंग-ची ने कहा, परमाणु और जैविक युद्ध से निपटने के लिए सेना रक्षा और सुरक्षा पर जोर दे रही है। राष्ट्रीय रक्षा चिकित्सा केंद्र द्वारा पी4 लैब के निर्माण का उद्देश्य मुख्य रूप से बीमारियों और महामारी के रोगजनकों का पता लगाना है ताकि जवाबी उपाय का पता लगाया जा सके। प्रवक्ता ने कहा, बैक्टीरियोलॉजिकल (जैविक) और विषैले हथियारों के विकास, उत्पादन और भंडारण पर प्रतिबंध और उनके विनाश को लेकर समझौता पर ताइवान द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं, जो जैविक और विषैले हथियारों के उत्पादन, अधिग्रहण, विकास और प्रतिधारण पर प्रतिबंध लगाता है।

ताइवान की राष्ट्रपति बोलीं- चीन से लगातार कर रहे खतरों का सामना

उन्होंने कहा, हम कभी भी सैन्य उपयोग के लिए जैविक और जहरीले एजेंटों का विकास, निर्माण, भंडारण और अधिग्रहण नहीं करेंगे। ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने भी रिपोर्ट को मनगढ़ंत और दुष्प्रचार बताते हुए कहा कि जैव हथियारों के विकास पर चर्चा के लिए कोई बैठक आयोजित नहीं की गई। उन्होंने कहा कि यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि ताइवान को बीजिंग से लगातार खतरों का सामना करना पड़ रहा है, जो द्वीप राष्ट्र को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है। बता दें कि चीन ने जरूरत पड़ने पर बलपूर्वक इसे वापस अपने नियंत्रण में लेने की कसम खाई है। पिछले साल अगस्त के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है क्योंकि चीन द्वारा ताइवान के आसपास सैन्य गतिविधियां तेज कर दी गई हैं, जिसमें मध्य रेखा पर युद्धक विमान भेजना भी शामिल है।

पाकिस्तान में सियासी मैदान नहीं छोड़ेंगे इमरान खान, नई टीम बनाने के लिए भी तैयार

इस्लामाबाद ।

हाल में सरकार और ऐस्टैबलिशमेंट (सेना+खुफिया नेतृत्व) की तरफ से हुए भारी दमन और उसकी वजह से अपनी पार्टी में बिखराव के बावजूद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सियासी मैदान में डटे रहने का इरादा जताया है। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के ज्यादातर प्रमुख नेता अलग हो चुके हैं। चर्चा है कि नौ मई को इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद देश में हुई हिंसा को आयोजित करने के आरोप में पीटीआई को प्रतिबंधित किया जा सकता है। इस आशंका के मद्देनजर अब इमरान खान ने एलान किया है कि अगर ऐसा हुआ, तो वे नई पार्टी बना कर अगले आम चुनाव में उतरेंगे। पाकिस्तान में आम चुनाव का माहौल अब गरमाने लगी है। यह आधिकारिक रूप से बताया गया है कि वर्तमान संसद का कार्यकाल 14 अगस्त को खत्म हो जाएगा। उसके बाद पाकिस्तान की परंपरा के मुताबिक देश की सत्ता गैर-राजनीतिक व्यक्तियों की कार्यवाहक सरकार संभाल लेगी।

इसी सरकार की देखरेख में चुनाव होंगे। मतदान संभवत: अक्टूबर में होगी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के यह एलान करने के बाद कि अगले महीने वे सत्ता कार्यवाहक सरकार को सौंप देंगे, राजनीतिक दलों का पूरा ध्यान अपनी चुनावी तैयारियों पर टिक गया है। लेकिन पीटीआई का भविष्य अभी भी अधर में है। यह चर्चा भी है कि इमरान खान को फिर गिरफ्तार किया जा सकता है और उन्हें अगला चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित किया जा सकता है। खान ने खुद अंदेशा जताया है कि अगले हफ्ते उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। इस बीच खान ने कहा- 'अगर वे मेरी पार्टी को मुकाबले से हटा देते हैं, तो हम नए नाम से नई पार्टी बनाएंगे और फिर भी चुनाव जीतेंगे।' पाकिस्तान के राजनीतिक पर्यवेक्षकों की राय है कि पीटीआई की लोकप्रियता इमरान खान की वजह से रही है। खान के वफादार कार्यकर्ता अभी भी उनसे जुड़े हुए हैं। इसलिए अगर उन्हें नई पार्टी के साथ भी मैदान में उतरने दिया जाता है, तब भी एक मजबूत चुनौती पेश करेंगे।

इमरान खान पर डेढ़ सौ से ज्यादा मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें आतंकवाद के आरोप में दायर हुआ मुकदमा भी शामिल है। इमरान ने कहा- 'अगर वे मुझे चुनाव नहीं लड़ने देते हैं, तब भी मेरी पार्टी चुनाव जीतेगी।' उन्होंने दावा किया कि उनका समर्थन आधार जस का तस बना हुआ है। इसका कारण यह है कि पाकिस्तान की सियासत अब बुनियादी रूप से बदल चुकी है। खान ने कहा- 'यह 1980 या 1990 के दशकों के राजनीति नहीं है, जब शक्तिशाली राजनेता और ऐस्टबलिशमेंट यह तय करते थे कि कौन पार्टी चुनाव जीतेगी। अब लोग विचारधारा के आधार पर वोट डालेंगे। ऐसा 1970 के बाद पहली बार होगा।' पाकिस्तान सरकार इमरान खान और उनके समर्थक नेताओं पर सैनिक अदालत में मुकदमा चलाने पर विचार कर रही है। गृह मंत्री राना सनाउल्लाह यह कह चुके हैं कि नौ मई को हुई घटनाओं की योजना इमरान खान ने निजी रूप से बनाई थी, इसलिए उन पर मिलिटरी कोर्ट में मुकदमा चलेगा।

25 की उम्र में सोचने की क्षमता सबसे ज्यादाः एज बढ़ने के साथ जीवन बेहतर होता है, मैराथन जैसी धैर्य वाली गेम्स का पीक 40 की उम्र में

लंदन। कभी-कभी हमारे जेहन में बढ़ती उम्र को लेकर सिहरन पैदा होने लगती है, लेकिन वैज्ञानिक साक्ष्य बताते हैं कि उम्र बढ़ने के साथ जीवन बेहतर होता जाता है। सभी सोच कौशल और पैटर्न एक ही उम्र में चरम पर नहीं होते हैं। मिसाल के तौर पर किशोरों में खूब सारी ऊर्जा हो सकती है, लेकिन बड़े वयस्कों के पास सबसे अच्छी शब्दावली, रचनात्मकता और समस्याओं के समाधान का सबसे बेहतर आइडिया होता है। 50 की उम्र क्रिटिकल एनालिसिस के लिए सबसे बेहतरीन होती है। हार्वर्ड और बोस्टन अटेंशन एंड लर्निंग लेबोरेटरी ने प्रभावशाली अर्थशास्त्रियों, वैज्ञानिकों और मनोवैज्ञानिकों की एक विस्तृत श्रृंखला के नए शोध और गहन विश्लेषण के बाद ये सभी निष्कर्ष निकाले हैं। हमारा शरीर शुरुआती वक्त में उस काम के लिए श्रेष्ठ होता है, जिनमें अपार ऊर्जा लगती है। दौड़ना, स्केटिंग व तैराकी तेज-तर्रार मांसपेशियों पर निर्भर करते हैं। उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों के फाइबर्स कमजोर होने लगते हैं, जिससे तेजी से दौड़ना या तैरना कठिन हो जाता है। यही वजह है कि उच्च ऊर्जा वाले खेलों के पीक की उम्र 20-30 साल और मैराथन, नौकायन जैसे सहनशक्ति वाले खेलों के लिए 40 साल है।

पंजाब और हरियाणा में बाढ़ से अब तक 57 की मौत, 518 गांव चपेट में, भारी बारिश का अलर्ट

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा में बाढ़ का पानी धीरे-धीरे उतरने लगा है लेकिन दोनों राज्यों के अब भी 518 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। दोनों राज्यों में बाढ़ के चलते अब तक 57 लोगों की जान गई है। हरियाणा में 24 घंटे में 403 नये गांव और पंजाब में 115 गांवों में पानी भर गया है। हरियाणा के 1385 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। मौसम विभाग ने पंजाब और हरियाणा में चार दिन भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। विभाग ने लोगों को सावधान रहने को कहा है। जलभराव के कारण शनिवार को दोनों राज्यों में आठ और लोगों की मौत हो गई। फिरोजपुर में गांव नौव बहराम शेर सिंह वाला की तरफ सतलुज पर बने पुल के ऊपर से बह रहे पानी में पांव फिसलने से एक युवक नदी में गिर गया। जब वह खुद को बचाने के लिए हाथ-पांव चला रहा था तो बाहर खड़े लोग उसका वीडियो बना रहे थे। मृतक की पहचान जगदीश सिंह के रूप में हुई है। वहीं, पटियाला की बड़ी नदी के किनारे शौच करने गए 16 साल के किशोर मांगव पैर फिसलने से नदी में जा गिरा और डूबने से उसकी मौत हो गई है। वहीं करनाल के रसूलपुरा कलां गांव में साइकिल पर जा रहे दो किशोर तालाब में गिर पड़े। इसमें 13 साल के सावन की मौत हो गई। कुरुक्षेत्र के गांव गुढ़ा में पशुपालक वीर सिंह की डूबने से मौत हो गई। तीन अन्य लोगों की भी जान गई है जबकि तीन लोग लापता हैं। सिरसा में पनिहारी, मुसाहिब वाला, व रंगा में चार जगह तटबंध टूटा है, यहां घग्गर का जलस्तर 48 हजार क्यूसेक से अधिक पहुंच गया है। पंजाब में 25 हजार से अधिक लोग बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से निकाले जा चुके हैं जबकि 3300 अभी भी राहत शिविरों में हैं। हरियाणा में 43833 प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। जालंधर के 60, संगरूर में 16, फिरोजपुर में 15 और फाजिल्का में 10 गांवों के अलावा अन्य जिलों के 15 गांव बाढ़ के प्रभाव से बाहर नहीं आ पाए हैं। राजस्व विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक अब तक बारिश व बाढ़ के कारण 29 की मौत हो चुकी है, जबकि तीन लापता हैं। पंजाब में अभी तक पटियाला, जालंधर, कपूरथला, पठानकोट, तरनतारन, फिरोजपुर, फतेहगढ़ साहिब, फरीदकोट, होशियारपुर, रूपनगर, मोगा, लुधियाना, मोहाली और संगरूर जिले बाढ़ का सामना कर हैं। ऐसे में सरकार का फोकस अब लोगों और जानवरों की सेहत पर है। पशु पालन विभाग ने पशुओं के टीकाकरण मुहिम तेज की है। वहीं लोगों के लिए लगाए जा रहे मेडिकल कैंपों की संख्या बढ़ा दी है। विभाग के मुताबिक बाढ़ के कारण बीमार हुए 2862 पशुओं का अब तक इलाज किया गया है, जबकि 11672 पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में काम कर रही हैं। इस समय 359 रैपिड रिस्पांस टीमें कार्यशील हैं जबकि बाढ़ प्रभावित एरिया में कैंपों की संख्या 263 कर दी गई है। सूबे में कुल 164 राहत कैंप चल रहे हैं। सबसे अधिक 56 राहत कैंप जालंधर जिले में हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को खाना व अनाज मुहैया करवाया जा रहा है। पटियाला जिले में 52000 और रूपनगर में 20030 पैकेट लोगों को वितरित किए जा चुके हैं।

सरकार की ओर से बचाव व राहत कार्यों में किसी प्रकार की नहीं होगी कोई कमी : मंत्री मूलचंद शर्मा

पलवल (हिंस)। यमुना के जलस्तर बढ़ने से जिला के खादर क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने पर प्रभावित गांवों का परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने रविवार को निरीक्षण कर जायजा लिया। इस मौके पर उनके साथ पलवल विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपक मंगला, हरियाणा वेयरहाउस के चेयरमैन एवं पृथला के विधायक नयनपाल रावत सहित जिले के सभी अधिकारी व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी तथा एनडीआरएफ टीम के सदस्य भी उपस्थित रहे। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने जिला के खादर क्षेत्र में यमुना नदी के साथ लगते मोहना-बागपुर सड़क मार्ग पर पहुंचकर यमुना के बढ़ते जल स्तर का निरीक्षण कर बाढ़ नियंत्रण की तैयारियों का जायजा लिया। स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत करने के दौरान उन्होंने कहा कि बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में फंसे लोगों को एनडीआरएफ की टीमों द्वारा रेस्क्यू किया जा रहा है। सरकार की ओर से सुरक्षित स्थानों पर राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जहां पर लोगों के रहन-सहन व खानपान संबंधी बेहतर से बेहतर व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वयं बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का हेलीकॉप्टर के माध्यम से सर्वे कर रहे है। इन बचाव व राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एनडीआरएफ टीम का भरपूर सहयोग करें और आपदा की इस स्थिति में सभी एक-दूसरे का साथ दें। बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में फंसे हुए हर एक व्यक्ति को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। प्राकृतिक आपदा में सरकार बचाव व राहत कार्यों में युद्ध स्तर पर जुटी हुई है। उन्होंने अधिकारियों को राहत व बचाव कार्यों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

बीस राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालयों में होगा 200 पदों का सृजन

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 20 नवीन राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय खोले जा रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महाविद्यालय संचालन के लिए 200 पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। प्रत्येक राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय के लिए प्राचार्य शास्त्री का एक पद, सहायक आचार्य के पांच पद, पुस्तकालयाध्यक्ष, शारीरिक प्रशिक्षक अनुदेशक, कनिष्ठ सहायक तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का एक-एक पद (कुल 10 पद) सृजित किया जाएगा।

जन शिक्षा अधिकार मंच ने राज्यमंत्री के आवास पर किया प्रदर्शन

कैथल (हिंस)। जन शिक्षा अधिकार मंच ने रविवार को राज्य मंत्री कमलेश ढांडा के निवास पर प्रदर्शन कर धरना दिया। मंच के कार्यकर्ताओं ने राज्य मंत्री के नाम एक मांग पत्र भी दिया। धरने की अध्यक्षता मंच के संयोजक जयप्रकाश शास्त्री ने की और मंच संचालन मास्टर शमशेर कालिया ने किया। जन शिक्षा अधिकार मंच की दस सूत्रीय मांग पत्र का समर्थन करते हुए कर्मचारी व किसान नेताओं ने कहा कि शिक्षा सुधार पर दर्ज एफआईआर को रद्द किया जाए। उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए शहर, कस्बों और बड़े गांवों में शिक्षा अधिकारी अधिनियम के अंतर्गत नए स्कूल खोले जाएं, जिले में लड़कियों के बंद किए गए नौ मिडिल स्कूलों को पुनः खोला जाए, एक ही गांव में कन्या प्राथमिक स्कूलों को सह प्राथमिक

स्कूलों में समायोजित न किया जाए, चिराग योजना को वापस लिया जाए व कम संख्या वाले स्कूलों को बंद करने की बजाए इनमें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाए। जो बच्चे दूर दराज से स्कूलों में आते हैं उनके लिए परिवहन की व्यवस्था की जाए, स्कूलों में छात्र संख्या के अनुसार कक्षा कक्ष, लैब, पुस्तकालय, चारदीवारी, पानी, बिजली, शौचालय एवं बैंचों की उचित व्यवस्था की जाए, शिक्षकों से गैर शैक्षणिक कार्य न लिया जाए, सभी गांव व रूटों पर परिवहन व्यवस्था की जाए। धरने को रमेश हरित जिला प्रधान रिटायर्ड कर्मचारी संघ, महेंद्र सिंह कामरेड जिला प्रधान किसान सभा, शिवचरण जिला प्रधान सर्व कर्मचारी संघ, विजेंद्र मोर जिला प्रधान हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ, कामरेड फूल सिंह जन संघर्ष मंच, सुरेंद्र चौशाला भारतीय किसान यूनियन राकेश टिकैत, होशियार गिल प्रदेशाध्यक्ष किसान यूनियन धन्ना भगत, कमलकांत वर्मा मूलनिवासी संघ, राजपाल जिला प्रधान चमार सभा, मनोज बौद्ध समता सैनिक दल, नरेश फुले पीबीएसएस कुरुक्षेत्र ने संबोधित किया।

सीमा पार से दवाओं और हथियारों की तस्करी बारामूला पुलिस के लिए बड़ी चुनौती

श्रीनगर (हिंस)। पुलिस ने पिछले कुछ दिनों में उड़ी से लेकर बारामूला जिले के विभिन्न स्थानों पर नार्को आतंक पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। इसमें 318 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि भारी मात्रा में नशीली दवाओं की खेप बरामद की गई है। बारामूला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आमोद अशोक नागपुरी ने रविवार को बताया कि पाकिस्तान स्थित हैंडलर एक साजिश के तहत जम्मू-कश्मीर में नशीले पदार्थ भेजने के लिए तस्करों का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे करके वह जम्मू-कश्मीर की युवा पीढ़ी को नशे की लत लगा रहे हैं। बारामूला सीमावर्ती जिला है और सीमा पार से दवाओं और हथियारों की तस्करी हमारे लिए बड़ी चुनौती है। पिछले छह महीनों में बारामूला पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) के तहत 187 एफआईआर दर्ज की हैं। लगभग 284 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया और अन्य 34 कुख्यात तस्करों पर मामला दर्ज किया गया। अब तक कुल मिलाकर 318 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का काम बारामूला जिले में नशीली दवाओं पर नकेल कसना है और हमारा प्रयास बारामूला को नशा मुक्त जिला बनाना है।

धार्मिक स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार : सीएम गहलोत

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि धार्मिक यात्रा हमारे संस्कार और संस्कृति में है। इनसे दर्शनों के साथ श्रद्धालुओं में आपसी समन्वय, सहयोग और सद्भावना बढ़ती है। राज्य सरकार भी इसी मूल भावना के अनुरूप वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना में प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क तीर्थ यात्राएं करा रही है। गहलोत ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए गांधी नगर रेलवे स्टेशन से कटरा मां वैष्णो देवी यात्रा के लिए जाने वाले दूदू के श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ स्थलों की यात्रा कराने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि दूदू विधायक बाबूलाल नागर द्वारा अपने खर्च पर 1200 श्रद्धालुओं को स्पेशल ट्रेन से यात्रा कराना बड़ी और प्रेरणास्त्रोत पहल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगस्त, 2013 में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना की शुरूआत की गई थी। उस समय 41 हजार 390 यात्रियों को विभिन्न स्थलों पर दर्शन कराए गए, जबकि गत सरकार द्वारा 2013 से 2018 में सिर्फ 47 हजार 742 यात्रियों को ही तीर्थ यात्रा कराई गई। हमने नए तीर्थ स्थल जोड़कर इसे आगे बढ़ाया। अब तक 1.25 लाख से अधिक यात्रियों को दर्शन कराया जा चुका है। प्रदेश के वरिष्ठजनों में योजना को लेकर अपार उत्साह है। इनकी भावनाओं के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2023-24 में 40 हजार यात्रियों को यात्रा कराने का लक्ष्य रखा गया है। इस सत्र की पहली ट्रेन 14 जून को जयपुर और कोटा से रामेश्वरम-मदुरई के लिए रवाना की गई थी। गहलोत ने कहा कि हमने इस साल बजट में अयोध्या, वैद्यनाथ, त्रयम्बकेश्वर नासिक और सम्मेद शिखर को भी सूची में जोड़ा है। कोरोना काल में वंचित एक लाख यात्रियों को भी तीर्थ दर्शन कराए जाएंगे। राज्य सरकार तीर्थ यात्रियों के आवागमन, भोजन, आवास, चिकित्सा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थ स्थलों के विकास और विस्तार के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। जयपुर के श्री गोविंद देव जी मंदिर में 100 करोड़ रुपए और खाटूश्याम जी मंदिर में 32 करोड़ रुपए की लागत से भव्य कॉरिडोर बनाया जाएगा। गत साढ़े चार साल में 100 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य कराए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पुजारियों के मानदेय को बढ़ाया गया है। प्रदेश के 593 मंदिरों में आरती, साज-सज्जा के लिए प्रति मंदिर 1 लाख रुपए दिए गए हैं। अब देवस्थान विभाग द्वारा हर संभाग में देवदर्शन पदयात्रा निकाली जा रही है। गहलोत ने कहा कि नए जिले बनने से प्रशासनिक विकेंद्रीकरण होगा, जिससे विकास तीव्र गति से होगा। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक इकाइयां जितनी छोटी होंगी, उतनी ही प्रशासन की आमजन तक पहुंच आसान होगी। कार्यक्रम में विधायक बाबूलाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा धार्मिक क्षेत्र के विकास सहित हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया है। कोरोना और लंपी रोग के दौरान भी सरकार आमजन के साथ खड़ी रही। समारोह में कृषि मंत्री लालचंद कटारिया, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी, राजस्व मंत्री रामलाल जाट, राजस्थान लघु उद्योग विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा सहित दूदू विधानसभा के श्रद्धालु उपस्थित थे।

बाढ़ से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए लगाई अधिकारियों की ड्यूटी

पलवल (हिंस)। यमुना में पानी का जलस्तर बढ़ने से नदी के साथ लगते हुए जिला पलवल के गांवों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। ग्रामवासियों की सुरक्षा के लिए एनडीआरएफ की टीम बचाव कार्यों में लगी हुई है। इन बाढ़ प्रभावित गांवों से मोबाइल/दूरभाष के माध्यम से ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों तक ले जाने के लिए सूचनाएं प्राप्त हो रही हैं, जिसमें प्रशासन के अधिकारियों द्वारा लोगों से संपर्क करके उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की कार्यवाही करने के लिए विभिन्न अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उपायुक्त नेहा सिंह ने रविवार को बताया कि गांव बागपुर खुर्द और बागपुर कला के लिए उप जिला शिक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह (9813043536) व खंड शिक्षा अधिकारी मामराज रावत (9466444561), गांव सोलडा और भोलडा के लिए बीडीपीओ पृथला परविंदर सिंह (9582740761) व ग्राम सचिव वेदपाल (9812375375), गांव शेखपुर और दोस्तपुर के लिए बीडीपीओ पलवल नरेश कुमार (9911315762) व एस.ई.पी.ओ. अंशुल डागर (9813607098), गांव गुरवाड़ी और चांदहट के लिए हरियाणा रोडवेज पलवल के महाप्रबंधक नवनीत सिंह (8860445460), इंद्रानगर और मोहबलीपुर के लिए बीडीपीओ हसनपुर प्रवीण कुमार (8860400275), गांव फाटस्कोनगर व बली मौहम्मदपुर के लिए मार्किट कमेटी हसनुपर के सचिव संदीप कुमार (7015290044), गांव मुर्तजाबाद और माहौली तथा हसनपुर के लिए हथीन के नायब तहसीलदार श्रवण कुमार (8814007772) व खंड शिक्षा अधिकारी हसनपुर अमर सिंह (9466286299) को नियुक्त किया गया है।

बीकानेर व्यापार उद्योग मंडल के चुनाव सितंबर में

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर व्यापार उद्योग मंडल के संवैधानिक तरीके से चुनाव सितंबर में होंगे। इसकी घोषणा रविवार को मंडल के वर्तमान अध्यक्ष रघुराज सिंह राठौड़ ने की। उन्होंने बताया कि इस सम्बन्ध में मंडल के साथ वर्तमान में खारा ग्रोथ सेंटर, बीकानेर भुजिया-पापड़ मैन्यूफैक्चर्स एसोसिएशन, बीकानेर सर्राफा समिति, बीकानेर फूड एसोसिएशन, बीकानेर सर्राफा बाजार, मेडिकल एसोसिएशन, बीकानेर व्यापार उद्योग संघ केईएम रोड़, ऑल राजस्थान पीओपी एसोसिएशन, बीकानेर चाय एसोसिएशन, बीकानेर डिस्ट्रिक्ट कैमिस्ट एसोसिएशन, बीकानेर चाय विक्रेता संघ, बीकानेर ऑटोमोबाइल एसोसिएशन, बीकानेर सर्राफा संघ सहित अनेक व्यापारिक संघ के पदाधिकारी साथ हैं। जिनकी सितंबर महीने में चुनाव को लेकर स्वीकृति भी ले ली गयी है। राठौड़ ने बताया कि सदस्यों द्वारा सदस्यता शुल्क जमा कराया जा रहा है, बाकी जल्द ही सदस्यता शुल्क जमा करा देंगे। सितंबर महीने में चुनाव को लेकर पर्यवेक्षक-संरक्षक गुमान सिंह राजपुरोहित, कन्हैयालाल बोथरा, नरपत सेठिया, कन्हैयालाल कल्ला ने तैयारियां शुरु कर दी है और इन्हीं के सानिध्य में चुनाव होंगे। राठौड़ के अनुसार चुनावी प्रक्रिया वर्तमान में जारी है।

भाजपा 2024 में केंद्र में दोबारा सरकार बनाएगी : कविता जैन

सोनीपत (हिंस)। पूर्व मंत्री डॉ. कविता जैन ने रविवार को देवनगर, जोगी चौपाल तथा कोट अधु बिरादरी धर्मशाला में पन्ना प्रमुख को निमंत्रण बांटे। उन्होंने कहा कि भाजपा 2024 में दोबारा केंद्र में सरकार बनाएगी। यह पन्ना प्रमुखों की शक्ति से होगा। इसीलिए हर बूथ पर कार्यकर्ता को आमंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ तथा प्रभारी एवं त्रिपुरा से पूर्व मुख्यमंत्री विप्लव देव पन्ना प्रमुखों को 2024 में चुनाव जीतने की रणनीति

बताएंगे। प्रभु नगर मंडी, पुरानी गुड मंडी, वेस्ट राम नगर, देवडू रोड पर कार्यकर्ताओं को निमंत्रण पत्र वितरित अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव जैन ने कहा कि 2024 में सत्ता की दावेदारी करने वाले राजनीतिक दलों के प्रदेश पदाधिकारी तक तय नहीं हुए हैं। भाजपा हर घर तक पकड़ बना चुकी है। इसलिए किसी भी राजनीतिक पार्टी के पास पन्ना प्रमुख की रणनीति का कोई तोड़ नहीं है। उन्होंने पन्ना प्रमुख सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने की अपील की। बैठक में डॉ. ओमप्रकाश अत्रे, नरेश वर्मा, नवीन मंगला, पार्षद अतुल जैन, संजीव वलेचा, नीरज अत्रे, सुरजीत दहिया, सुरेश कथुरिया, कुलदीप सैनी, हंसराज, सीमा गोयल, प्रेमो देवी, संजय वर्मा आदि शामिल रहे।

धीरेंद्र शास्त्री का विवादित बयान

पंडित मिश्रा बोले, जो भी बोले पहले खुद पर प्रयोग करें, तभी बोले

अलवर (हिंस)। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री की ओर से नोएडा में महिलाओं पर दिए गए विवादित बयान पर अलवर में शिवमहापुराण की कथा करने आए पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा है कि यह श्रेष्ठता नहीं है। आपका चेहरा आपकी पहचान नहीं है। आप कुछ भी बोलना चाहते हैं तो उसका अनुसरण करें। उसे अपने ऊपर भी करके देखना चाहिए कि यह कहना श्रेष्ठ है या नहीं। किसी नारी, स्त्री व सौभाग्वती नारी के लिए यह शब्द अच्छा रहेगा या नही। अलवर में पंडित प्रदीप मिश्रा की विजय नगर ग्राउंड पर शिव महापुराण कथा चल रही है। कथा के पांचवें दिन पंडित प्रदीप मिश्रा ने मीडिया से बातचीत के दौरान यह बात कही। इस दौरान उन्होंने पंडित धीरेंद्र शास्त्री के बयान को सही नहीं बताया। पंडित मिश्रा ने कथा में महिलाओं की भीड़ आने के सवाल पर कहा कि पुरुष कथा में आएगा तो केवल अपने आपको सुधारेगा, लेकिन महिला बहन, बेटी, मां और बहू के रूप में पूरे परिवार को संभालती है, सुधारती है, इसलिए महिलाएं की भीड़ कथा में अधिक रहती है।

एसएमसी की असहमति के बाद भी हिंदी माध्यम के स्कूल को अंग्रेजी में बदला

भीलवाड़ा (हिंस)। शाहपुरा के शिक्षा विभाग में अंधेरगर्दी के चलते राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कुंडगेट को विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) की असहमति के बाद भी महात्मा गांधी विद्यालय अंग्रेजी माध्यम में बदल दिया। इस कारण प्रवेशोत्सव में अब तक एक भी नामांकन नहीं हो सका है। स्कूल परिक्षेत्र में रहने वाले सभी विद्यार्थी घुमंतु, कच्ची बस्ती व पिछड़ी बस्तियों के निवासी होने के कारण एक भी अभिभावक अंग्रेजी माध्यम में प्रवेश नहीं लेने को तैयार है। एसएमसी के साथ ही विद्यालय की ओर से भी मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को वास्तविकता से अवगत कराने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस बीच एसएमसी ने राजस्थान उच्च न्यायालय की शरण ली जहां से शिक्षा विभाग अंग्रेजी माध्यम में बदले जाने पर स्थगन देने के बाद भी अब तक कोर्ट आदेश की पालना नहीं की है जबकि पालना रिपोर्ट देने की अंतिम दिनांक आज थी। राज्य सरकार द्वारा शाहपुरा की चार स्कूलों को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम में किया जाना था, इसके लिए प्रस्ताव मांगे गए। इस पर नोडल प्रधानाचार्य ने बिना स्कूल एवं एसएमसी की सहमति के प्रस्ताव सीबीईओ कार्यालय भेज दिया, वहां से भी विभाग को भेज दिया। दोनों अधिकारियों ने अपनी अभिशंसा में भौतिक रूप से निरीक्षण बाद अभिशंसा करना बताया जबकि मौके पर दोनों नहीं पहुंचे। ये प्रस्ताव 31 मई को शाहपुरा से रवाना कर दिया गया। एसएमसी व विद्यालय को इसकी सूचना मिलने पर विरोध दर्ज कराया गया पर कोई सुनवाई नहीं हुई। उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देकर एसएमसी सदस्यों ने इसे हिंदी माध्यम में रखने का अनुरोध किया। कोई सुनवाई न होने पर एसएमसी अध्यक्ष उगमलाल माली व अन्य सदस्यों ने उच्च न्यायालय में रिट पेश की। इसकी सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने हिंदी माध्यम में रखने के निर्देश देकर 15 जुलाई को पालना रिपोर्ट पेश करने को कहा। एसएमसी ने उच्च न्यायालय के आदेश सभी अधिकारियों को दे दिये फिर भी आज तक पालना रिपोर्ट पेश नहीं हो सकी है। इस संवाददाता ने आज स्कूल का निरीक्षण किया तो हिंदी माध्यम के 59 विद्यार्थी मिले। उनको बाकायदा हिंदी माध्यम से ही पढ़ाया जा रहा था। उनको पोषाहार तक खिलाया गया। बच्चे भी हिंदी से अंग्रेजी माध्यम में जाने को तैयार नहीं है। विद्यालय का स्टाफ आफिशियल हिंदी माध्यम में प्रवेश दे नहीं सकते है। प्रवेशोत्सव 17 जुलाई तक ही चलेगा

तब जक एक भी प्रवेश नहीं हो सका तो शून्य प्रवेश पर विद्यालय को तोड़ा या मर्ज किया जा सकता है। इस कारण एसएमसी व अभिभावकों की चिंता बढ़ती जा रही है। विद्यालय में 50 से ज्यादा प्रजातियों के पौधे लगा रखे है। प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस के मौके पर यहां रक्तदान शिविर लगाया जाता है। अब तक 1200 से ज्यादा रक्त यूनिट संग्रहित हो चुका है। सामाजिक सरोकारों से जुड़ा होने के बाद भी एसएमसी के प्रस्ताव को दरकिनार किया जाना न्यायोचित नहीं लग रहा है। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कुंडगेट के प्रधानाध्यापक देबीलाल बैरवा ने कहा है कि जानबूझ कर हमारे विद्यालय को टार्गेट किया है। विद्यालय सामाजिक सरोकार से जुड़ा है तथा यह दूर बस्ती में है। इसके परिक्षेत्र में गरीब व घुमंतु परिवार होने के कारण आज दिनांक तक अंग्रेजी माध्यम में एक भी नामाकंन नहीं हो सका है। विद्यालय स्टाफ घर घर संपर्क कर चुका है। शाहपुरा के सीबीईओ कार्यालय से अनुरोध किया है इसे हिंदी माध्यम में ही रखा जाए। सीबीईओ कार्यालय ने शिक्षा निदेशालय से मार्गदर्शन मांगा है। वहां से कोई प्रत्युत्तर नहीं आ रहा है। एसएमसी के अध्यक्ष उगमलाल माली ने कहा कि हमारी सहमति के बिना हिंदी से अंग्रेजी माध्यम में बदलना गलत है। माली ने कहा कि स्कूल परिक्षेत्र का एक भी बच्चा अंग्रेजी पढ़ने को तैयार नहीं है। हम सभी गरीब व घुमंतु परिवार है। सरकार को वापस हिंदी माध्यम का स्कूल करना चाहिए। माली ने कहा कि हमारी असहमति के बाद हिंदी से अंग्रेजी माध्यम बदलना अधिकारियों की मनमर्जी है। इससे सभी सदस्य व विद्यार्थी परेशान है। हिंदी माध्यम में नहीं बदला तो कोर्ट की अवमानना का मामला करायेगें। शाहपुरा के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारका प्रसाद जोशी ने बताया कि इस संबंध में 26 जून 23 को ही भीलवाड़ा के मुख्य शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा को प्रतिवेदन भिजवाया है जिसमें उच्च न्यायालय एवं एसएमसी की परिवेदना को भेज कर मागदर्शन मांग कर सक्षम स्तर से निस्तारण करने का अनुरोध किया गया है। शाहपुरा विधायक कैलाश मेघवाल ने शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला को पत्र लिखकर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कुंडगेट को हिंदी माध्यम में ही यथावत रखने का अनुरोध किया है। विधायक ने अपने पत्र में लिखा है कि एसएमसी की असहमति के बावजूद सीबीईओ ने एसएमसी की सहमति बताकर अंग्रेजी माध्यम में स्थानांतरित कर दिया।

राजस्व सचिव की सलाह, जल्द से जल्द दाखिल करें आईटीआर, 31 जुलाई की समय सीमा बढ़ाने के लिए सरकार नहीं तैयार

नई दिल्ली।
राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने आयकर दाताओं से जल्द से जल्द अपना रिटर्न दाखिल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय 31 जुलाई की समय सीमा को बढ़ाने पर विचार नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, हमें आशा है कि फाइलिंग पिछले साल से ज्यादा होगी...हमें उम्मीद है कि यह पिछले साल से ज्यादा होनी चाहिए। पिछले साल 31 जुलाई तक लगभग 5.83 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए थे, जो आकलन वर्ष 2022-23 के लिए रिटर्न दाखिल करने का आखिरी दिन था। मल्होत्रा ने कहा कि हम आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों को धन्यवाद देना चाहते हैं क्योंकि आईटीआर दाखिल करने की गति पिछले साल की तुलना में बहुत तेज है और हम उन्हें सलाह देंगे कि वे आखिरी क्षण तक इंतजार न करें और समय सीमा में किसी भी विस्तार की उम्मीद न करें। इसलिए, मैं उन्हें जल्द से जल्द अपना टैक्स रिटर्न दाखिल करने की सलाह दूंगा क्योंकि 31 जुलाई की समय सीमा तेजी से नजदीक आ रही है। कर संग्रहण लक्ष्य के संबंध में मल्होत्रा ने कहा, यह लक्ष्य कमोबेश वृद्धि दर के अनुरूप है, जो 10.5 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, जहां तक माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की वृद्धि दर का सवाल है, तो यह अब तक 12 प्रतिशत है। हालांकि, दर में कटौती के कारण उत्पाद शुल्क के मोर्चे पर विकास दर 12 प्रतिशत से कम है। उन्होंने कहा, फिलहाल यह काफी नकारात्मक है। उम्मीद है कि आगे चलकर कर दरों में कमी का असर खत्म होने के बाद हम उत्पाद शुल्क के संग्रह में कुछ वृद्धि देखेंगे। कुल मिलाकर हमें लगता है कि अभी शुरुआती दिन हैं... हम लक्ष्य हासिल करने में सक्षम होंगे। बजट 2023-24 के अनुसार, सरकार को चालू वित्त वर्ष में 33.61 लाख करोड़ रुपये की सकल कर प्राप्ति की उम्मीद है। इसमें से सरकार का लक्ष्य 18.23 लाख करोड़ रुपये जुटाने का है।बजट दस्तावेजों के अनुसार, यह कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत आयकर से एकत्र की गई राशि से 10.5 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023 के संशोधित अनुमान में सीमा शुल्क से संग्रह 2.10 लाख करोड़ रुपये से 11 प्रतिशत बढ़कर 2.33 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। अगले वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह 12 प्रतिशत बढ़कर 9.56 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों करों को मिलाकर, सकल कर संग्रह 2023-24 में 10.45 प्रतिशत बढ़कर 33.61 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह 30.43 लाख करोड़ रुपये था।

न्यूज ब्रीफ

टमाटर की किल्लत के बाद जागी सरकार, खरीदा तीन लाख टन प्याज; सुरक्षित रखने के लिए बीएआरसी के साथ परीक्षण

नई दिल्ली। टमाटर की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर प्याज की कीमतों पर नियंत्रण पाने के लिए केंद्र

सरकार ने तैयारी पहले ही शुरू कर दी है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में बफर स्टॉक (सुरक्षित भंडार) के रूप में 20 फीसदी ज्यादा मात्रा के साथ तीन लाख टन प्याज खरीदा है। साथ ही इसे अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के साथ प्याज के विकिरण का परीक्षण भी किया जा रहा है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने रविवार को यह जानकारी दी। वित्त वर्ष 2022-23 में सरकार ने बफर स्टॉक के तौर पर 2.51 लाख टन प्याज रखा था। बता दें कि यदि कम आपूर्ति वाले मौसम के दौरान प्याज की दरें काफी बढ़ जाती हैं, तो किसी भी आपात स्थिति को पूरा करने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत बफर स्टॉक रखा जाता है। रोहित सिंह ने बताया कि त्योहारों के मौसम में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने इस साल बफर स्टॉक में भारी बढ़ोतरी करते हुए तीन लाख टन प्याज खरीदा है। प्याज की कोई कमी नहीं है। बफर स्टॉक के लिए जो प्याज खरीदा गया है, वह हाल ही में समाप्त हुए रबी सीजन का है। फिलहाल, खरीफ प्याज की बुआई चल रही है और अक्टूबर में इसकी आवक शुरू हो जाती है। सचिव सिंह ने कहा, आमतौर पर खुदरा बाजारों में प्याज की कीमतें 20 दिनों या उसके आसपास ज्यादा रहती हैं जब तक कि ताजा खरीफ फसल बाजार में नहीं आ जाती। लेकिन इस बार, कोई समस्या नहीं होगी। इस बीच, उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय परमाणु ऊर्जा विभाग और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के साथ प्याज के भंडारण के लिए एक नई तकनीक का भी प्रयास कर रहा है। सिंह ने कहा कि प्रायोगिक आधार पर हम महाराष्ट्र के लासलगांव में कोबाल्ट-60 से गामा विकिरण के जरिये 150 टन प्याज संरक्षण का प्रयोग कर रहे हैं। इससे प्याज को अधिक समय तक सुरक्षित रखा जा सकेगा।

बांग्लादेश की पीएम से मिले गौतम अडाणीः गोड्डा पावर प्लांट सौंपा, भारत की पहली इंटरनेशन बिजली परियोजना फुल कैपेसिटी के साथ शुरू

ढाका। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने फुल कैपेसिटी से गोड्डा पावर प्लांट शुरू होने के बाद शनिवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की। यह अडाणी ग्रुप का पहला इंटरनेशनल पावर प्लांट है। इसके साथ ही भारत का भी यह ऐसा पहला इंटरनेशनल पावर प्रोजेक्ट है, जिससे देश में बनी 100प्रतिशत बिजली को दूसरे देश में सप्लाई की जा रही है। इसके लिए अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी पावर ने झारखंड के गोड्डा में 1600 मेगावाट का थर्मल पावर प्लांट लगाया है। ट्रांसमिशन लाइन के जरिए बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड को बिजली की सप्लाई की जा रही है। 2016 में इसे लेकर करार किया गया था। हसीना से मुलाकात के बाद गौतम अडाणी ने ट्विटर पर तस्वीर शेयर की। इसके साथ उन्होंने लिखा, 1600 मेगावाट के अल्ट्रा सुपर-क्रिटिकल गोड्डा पावर प्लांट के फुल लोड शुरुआत और हैंडओवर पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं भारत और बांग्लादेश की समर्पित टीमों को सलाम करता हूं जिन्होंने साढ़े तीन साल के रिकॉर्ड समय में प्लांट को चालू करने के लिए कोविड का सामना किया।

एथर एनर्जी 450एस इलेक्ट्रिक स्कूटर 3 अगस्त को होगा लॉन्चः ओला एस1 को टक्कर देगा; इंट्रोडक्टरी प्राइस 1.29 लाख, सिंगल चार्ज में 115 किलोमीटर की रेंज का दावा

नई दिल्ली। बेंगलुरु की ईवी स्टार्टअप कंपनी एथर एनर्जी 3 अगस्त को नया इलेक्ट्रिक स्कूटर 450एस

लॉन्च करने जा रही है। कंपनी ने ऑफिशियल वेबसाइट पर इसकी प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। कस्टमर्स 2500 रुपए टोकन मनी देकर स्कूटर को बुक कर सकते हैं। कंपनी ने हाल ही में इलेक्ट्रिक स्कूटर का टीजर जारी किया था। इसमें स्कूटर की रेंज, टॉप स्पीड, और इंट्रोडक्टरी प्राइस का खुलासा किया था। कंपनी ने इसकी इंट्रोडक्टरी कीमत 1,29,999 रुपए रखी है। टीजर में स्कूटर का डिजिटल इन्स्ट्रूमेंट क्लस्टर नजर आ रहा है। टीजर के अनुसार, कंपनी ने दावा किया है कि 450 इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंगल चार्ज में 115 किलोमीटर चलेगी।

ऑनलाइन गेमिंग पर 28प्रतिशत जीएसटी वसूलेगी सरकार

गेम में अगर 100 रुपए जीते तो मिलेंगे सिर्फ 64.8 रु, पहले 90 रुपए मिलते थे

नई दिल्ली।
सरकार ने गैंबलिंग की तरह ऑनलाइन गेमिंग पर भी समान जीएसटी वसूलने का फैसला किया है। हालांकि, टैक्स वसूलने के लिए राज्यों को अपने कानून में भी बदलाव करना होगा। जो लोग गेमिंग से पैसा कमाते हैं, उन्हें ज्यादा जीएसटी चुकाना होगा। गेमिंग और गैंबलिंग के बारे में जीएसटी एक्सपर्ट मुकुल शर्मा बता रहे हैं।

गेमिंग और गैंबलिंग में क्या अंतर है - दोनों में अंतर है- गैंबलिंग चांस का गेम है। गेमिंग एक स्किल है, जैसे चेस खेलते हैं। यह मानसिक क्षमताओं पर निर्भर है।

अब तक दोनों के क्या नियम हैं - आईटी एक्ट-2021 के संशोधन के तहत सरकार सभी गेम ऑफ चांस को गैबलिंग मानती है। सरकार चरणबद्ध तरीके से सभी गेम ऑफ चांस की पहचान कर बंद करेगी।

गेमिंग को गैंबलिंग की कैटेगरी में क्यों डाला - सरकार गेमिंग और गैंबलिंग की विशेष निगरानी करना चाहती है। बच्चों और बड़ों को जोखिम में ले जाने वाले गेमिंग और गैंबिलिंग की पहचान की जा रही है।

गैंबलिंग जितना जीएसटी गेमिंग पर लगने से क्या फर्क आएगा - यूजर को गेमिंग प्लेटफॉर्म का कमीशन 10 रुपए देना है। अगर कोई यूजर ऑनलाइन गेमिंग से 100 रुपए कमाता है, तो उसके पास 90 रुपए बचेंगे। नए फैसले के तहत इस पर 28प्रतिशत जीएसटी यानी 25.2 रुपए बतौर टैक्स देने होंगे। सब काटकर हाथ आएंगे 64.8 रुपए। पहले उसे 90 रुपए मिलते थे।

देश का ऑनलाइन गेमिंग बाजार कितना बड़ा है - देश के 40 करोड़ लोग ऑनलाइन गेम खेलते हैं। 2025 तक यह इंडस्ट्री 5 अरब डॉलर (41 हजार करोड़ रुपए) की होने के आसार हैं। 2017-2020 के बीच देशी मोबाइल गेमिंग इंडस्ट्रीज 38प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ रही है। ये दुनिया में सबसे तेज रफ्तार है। चीन में यह ग्रोथ दर केवल 8प्रतिशत और अमेरिका में 10प्रतिशत है।

इस नियम के बाद इंडस्ट्रीज पर क्या असर पड़ेगा - टीसीएस और इंफोसिस समेत कई दिग्गज कंपनियां ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर में हैं। एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि टैक्स लगने से 1 लाख युवा बेरोजगार हो जाएंगे।

दुनिया में गेमिंग-गेंबलिंग का क्या कानून है - दुनिया के ज्यादातर देशों में ऑनलाइन गेमिंग होती है। इस पर टैक्स लिया जा रहा है। फिलीपींस में ऑनलाइन गेमिंग पर 5प्रतिशत, मलेशिया में 6प्रतिशत, सिंगापुर में 10प्रतिशत-25प्रतिशत और अमेरिका में फ्लैट 10प्रतिशत टैक्स लगता है। लेकिन ऑनलाइन गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स में जीत की राशि पर 30प्रतिशत तक टैक्स लग जाता है।

सरकार को इससे कितनी आय की उम्मीद है - केंद्र सरकार को ऑनलाइन गेमिंग और गेंबलिंग पर लगाए गए टैक्स से 20 हजार करोड़ रुपए का रेवेन्यू मिलने की उम्मीद है।

11 जुलाई को किया था ऑनलाइन गेमिंग पर 28प्रतिशत टैक्स लगाने का फैसला - 11 जुलाई को गुड्स एंड सर्विस टैक्स यानी जीएसटी काउंसिल की 50वीं बैठक में ऑनलाइन गेमिंग, हॉर्स रेसिंग और कसीनो पर 28प्रतिशत टैक्स लगाने का फैसला किया गया था। इन पर पहले 18प्रतिशत टैक्स लगता था। सरकार ने गेम ऑफ स्किल और गेम ऑफ चांस को एक जैसा माना है। इस फैसले के बाद ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों ने सरकार से जीएसटी को कम करने की अपील की है।

जून में हुआ था 1.61 लाख करोड़ का जीएसटी कलेक्शन - सरकार ने जून 2023 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स से 1.61 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। सालाना आधार पर इसमें लगभग 12प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल जून 2022 में 1.44 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी कलेक्शन हुआ था। वहीं, एक महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था। वित्त मत्रांलय के अनुसार, इस जीएसटी कलेक्शन में ष्टजीएसटी के रूप में 31,013 करोड़ रुपए, स्जीएसटी से 38,292 करोड़ रुपए और आईजीएसटी के रूप में 80,292 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ है। आईजीएसटी की राशि में 39,035 करोड़ रुपए वस्तुओं के आयात पर लगने वाले टैक्स के रूप में वसूला गया है।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन - पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोटल 18.10 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी कलेक्शन हुआ था। इसके आधार पर हर महीने जीएसटी कलेक्शन का औसत आंकड़ा 1.51 लाख करोड़ रुपए रहा था। वहीं, फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में जीएसटी का ग्रॉस रेवेन्यू, इससे पिछले फाइनेंशियल ईयर 2021-22 की तुलना में 22प्रतिशत ज्यादा रहा था।

6 साल पहले लागू हुआ था जीएसटी - जीएसटी एक इनडायरेक्ट टैक्स है। इसे वैराइटी ऑफ प्रीवियस इनडायरेक्ट टैक्स (वैट), सर्विस टैक्स, परचेज टैक्स, एक्साइज ड्यूटी और कई इनडायरेक्ट टैक्स को रिप्लेस करने के लिए 6 साल पहले 1 जुलाई 2017 को लागू किया गया था। जीएसटी में 5, 12, 18 और 28प्रतिशत के चार स्लैब हैं।

विज्ञापन आय में गिरावट से नकारात्मक बना हुआ है ट्विटर का नकदी प्रवाह, एलन मस्क ने दी जानकारी

नई दिल्ली।
ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि ऐड रेवेन्यू (विज्ञापन आय) में लगभग 50प्रतिशत की गिरावट और भारी कर्ज के कारण ट्विटर का नकदी प्रवाह नकारात्मक बना हुआ है। मस्क ने रीकैपिटलाइजेशन पर सुझावों का जवाब देते हुए एक ट्वीट में कहा कि किसी भी चीज का सुख हासिल करने से पहले हमें सकारात्मक नकदी प्रवाह तक पहुंचना होगा। यह ताजा संकेत है कि अक्टूबर में मस्क द्वारा ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद से लागत में कटौती के उपाय ट्विटर को नकदी प्रवाह को सकारात्मक बनाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। इससे पता चलता है कि ट्विटर का विज्ञापन राजस्व उतनी तेजी से नहीं बढ़ पाया है जितना मस्क ने सोचा था।

ट्विटर ने गैर ऋण व्यय घटाया

बता दें कि हाल ही में कर्मचारियों की छंटनी और क्लाउड सर्विस बिलों में कटौती के बाद मस्क ने कहा था कि कंपनी ने अपने गैर-ऋण व्यय को 2023 में अनुमानित 4.5 बिलियन डॉलर से घटाकर 1.5 बिलियन डॉलर कर दिया है। गौरतलब है कि ट्विटर को कर्ज के कारण लगभग 1.5 बिलियन डॉलर का वार्षिक ब्याज का भुगतान करना पड़ता है।

2023 में तीन बिलियन डॉलर का राजस्व अर्जित करने का दावा

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मस्क द्वारा विज्ञापन आय में 50प्रतिशत की गिरावट का जो दावा किया जा रहा है, उसकी समय-सीमा किया है उन्होंने कहा है कि ट्विटर 2023 में तीन बिलियन डॉलर का राजस्व अर्जित करने की राह पर है। यह 2021 में 5.1 बिलियन डॉलर से कम है।

कंटेंट मॉडरेशन को लेकर आलोचना

कंटेंट मॉडरेशन को लेकर भी ट्विटर की आलोचना हो चुकी है। इसके बाद कई विज्ञापनदाता प्लेटफॉर्म से हट गए हैं। वह नहीं चाहते थे कि उनके विज्ञापन अनुचित कंटेंट के बगल में प्रदर्शित हों।

ट्विटर के लिए विज्ञापन बिक्री अहम

ऐसे में मस्क द्वारा एनबीसी यूनिवर्सल की पूर्व विज्ञापन प्रमुख लिंडा याकारिनो को सीईओ के रूप में नियुक्त करना यह संकेत देता है कि ट्विटर के लिए विज्ञापन बिक्री को प्राथमिकता देना अहम है।

कमर्शियल पार्टनरशिप पर ध्यान केंद्रित रही ट्विटर

बता दें कि याकारिनो ने जून की शुरुआत में ट्विटर के लिए काम करना शुरू किया और निवेशकों को बताया कि ट्विटर वीडियो, निर्माता और कमर्शियल पार्टनरशिप पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रहा है। इसके लिए प्लेटफॉर्म राजनीतिक और मनोरंजन हस्तियों, भुगतान सेवाओं, समाचार और मीडिया प्रकाशकों के साथ बातचीत कर रहा है।

किआ ने 46 महीने में बेच दी 10 लाख कार यूनिट्स, एक ही गाड़ी से मचा दिया तहलका

नई दिल्ली।
इंडियन ऑटोमोबाइल मार्केट की नब्ज को समझने में किआ ने परफेक्शन हासिल कर लिया। इसी की बदौलत कंपनी ने केवल 46 महीने में ही 10 लाख कार यूनिट्स की सेल का आंकड़ा छू लिया है। किआ के अनंतपुर प्लांट से 10 लाख वीं यूनिट बाहर निकली है।

कंपनी की बेहतरीन कारों और लोगों के विश्वास पर खरा उतरने के साथ ही शानदार सर्विस के बल पर ऐसा होना संभव हो सका है.अब इस पूरी बात में खास ये रहा कि 10 लाख यूनिट्स में से आधी से ज्यादा बिकने वाली कंपनी की एक ही कार है ये है सेल्टॉस। सेल्टॉस की कंपनी ने 5,32,450 यूनिट्स की सेल की है।अब कंपनी ने इसका फेसलिफ्ट मॉडल भी लॉन्च कर दिया है और इसकी बुकिंग भी शुक्रवार से ही शुरू की गई है।सेल्टॉस के अलावा किआ ने सोनेट की 3,32,450 यूनिट, कैरेंस की 1,20,516 यूनिट और कार्निवल की 14,584 यूनिट्स की सेल कर दी है। इसी के साथ कंपनी अपने इलेक्ट्रिक व्हीकल के लाइनअप को भी स्ट्रॉन्ग कर रही है और आने वाले समय में कई नए मॉडल्स के साथ किआ इलेक्ट्रिक कारों के बाजार पर भी अपनी हिस्सेदारी जमाने की तैयारी में है। सेल्टॉस को कंपनी पहली बार अपडेट दे रही है।2019 में इस कार के लॉन्च होने के बाद से ही इसका कोई भी फेसलिफ्ट नहीं आया था।नए मॉडल में कंपनी ने सेफ्टी फीचर्स के साथ ही कई और बदलाव भी कर दिए हैं।कार में इंजन के बदलाव भी किए गए हैं।

किआ सेल्टॉस में कंपनी पेट्रोल और डीजल दोनों ही इंजन देने जा रही है।नए फेसलिफ्ट मॉडल में 1.5 लीटर का नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल और 1.5 लीटर का ही टर्बो डीजल इंजन दिया जाएगा।डीजल इंजन को 6 स्पीड मैनुअल और 6 स्पीड ऑटोमैटिक गियर बॉक्स यूनिट के साथ खरीदा जा सकता है।वहीं पेट्रोल इंजन यूनिट के साथ कंपनी आईएमटी और 7 स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स ऑफर कर रही है। बता दें कि कॉस्ट एफिशिएंट होने के साथ ही इंडियन ऑटोमोबाइल मार्केट काफी सेंसिटिव भी है।यहां पर किसी भी ब्रांड को यदि अपने पैर जमाने हैं तो उन्हें भारतीय कस्टमर की नब्ज को पहले समझना होगा।

देशभर में 80/किलो टमाटर बेच रही सरकार: दिल्ली-एनसीआर समेत कई शहरों में बिक्री जारी, थोक कीमतों में कमी के चलते राहत

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार ने आम लोगों को राहत देने के लिए टमाटर 80 रुपए प्रति किलो में बेचना शुरू किया है। पहले इसे 90 रुपए प्रति किलो में बेचा जा रहा था। सरकार ने कहा कि देशभर की 500 से अधिक जगहों पर कीमत का दोबारा आकलन करने के बाद 16 जुलाई से टमाटर 80/किलो बेचने का फैसला लिया गया है। नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन ऑफ इंडिया और नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के माध्यम से दिल्ली, नोएडा, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, पटना, मुजफ्फरपुर और आरा में बिक्री आज से शुरू हो गई है। आज से देश के अन्य शहरों में भी सस्ते टमाटर की बिक्री शुरू होगी। सरकार ने कहा कि थोक कीमतों में कमी आने के कारण कीमतें घटाई गई हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में अभी टमाटर की एवरेज प्राइस 117 रुपए प्रति किलोग्राम है।

शनिवार को दिल्ली-एनसीआर में 18 हजार किलो टमाटर बिका

दिल्ली एनसीआर में शुक्रवार से सस्ते टमाटरों की बिक्री शुरू हुई थी। यहां शनिवार को मोबाइल वैन के जरिए 90 रुपए प्रति किलो के हिसाब से करीब 18 हजार किलो टमाटर बेचा गया। वहीं रिटेल मार्केट में अभी दिल्ली में टमाटर की कीमत 178 रुपए किलो, मुंबई में 150 रुपए किलो और चेन्नई में 132 रुपए किलो है। हापुड में टमाटर की अधिकतम कीमत 250 रुपए किलो है।

दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों का कुल उत्पादन में लगभग 60प्रतिशत योगदान टमाटर का उत्पादन लगभग हर राज्य में होता है। वहीं दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों का देश के कुल उत्पादन में लगभग 60प्रतिशत योगदान होता है। इन क्षेत्रों में हुए ज्यादा उत्पादन का उपयोग भारत के अन्य हिस्सों में टमाटर की निरंतर सप्लाई को सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है। बीते तीन सालों में भी बारिश में टमाटर के दामों में बढ़ोतरी का ट्रेंड दिखा है। पिछले साल यानी 2022 के जून में टमाटर के दाम 60-70 रुपए किलो तक पहुंच गए थे। इससे पहले 2021 में दाम 100 रुपए और 2020 में दाम 70-80 रुपए प्रति किलो के करीब पहुंच गए थे। नेशनल हॉर्टिकल्चरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन के अनुसार चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक देश भारत है। ये करीब 7.89 लाख हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग 25.05 टन प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ करीब 2 करोड़ टन टमाटर का उत्पादन करता है। चीन 5.6 करोड़ टन उत्पादन के साथ टॉप पर है।

नेटवेब टेक का आईपीओ आज ओपन होगा

प्राइस बैंड 475 से 500, 30 शेयर्स का मिनिमम लॉट साइज; इन्वेस्ट करने पर मिल सकता है 65प्रतिशत रिटर्न

नई दिल्ली।
नेटवेब टेक्नोलॉजीज इंडिया लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 17 जुलाई यानी सोमवार को ओपन हो रहा है। इस आईपीओ में इन्वेस्टर्स 19 जुलाई यानी बुधवार तक इन्वेस्ट कर सकते हैं। हाई-एंड कंप्यूटिंग सॉल्यूशन प्रोवाइडर कंपनी नेटवेब के आईपीओ का प्राइस बैंड 475 से 500 प्रति इक्विटी शेयर है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 24 जुलाई को होगा। इन्वेस्टर्स को कंपनी के शेयर्स 26 जुलाई को डीमैट अकाउंट में क्रेडिट किए जाएंगे। इसके शेयर्स बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज दोनों पर 27 जुलाई को लिस्ट होंगे।

मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं - आईपीओ का मिनिमम लॉट साइज 30 शेयर्स का है। मतलब रिटेल इन्वेस्टर्स कम से कम इसके 30 शेयर्स खरीद सकते हैं। जिसके लिए उन्हें 15,000 का इन्वेस्टमेंट करना होगा। वहीं इसके मैक्सिमम 13 लॉट यानी 390 शेयर्स भी इन्वेस्टर्स खरीद सकते हैं। जिसके लिए इन्वेस्टर्स मैक्सिमम 195,000 का इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं।

इन्वेस्ट करने पर मिल सकता है 65प्रतिशत रिटर्न - कंपनी का आईपीओ ओपन होने के पहले ही इसका शेयर ग्रे मार्केट में 65प्रतिशत यानी 338 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ग्रे मार्केट प्राइस के हिसाब से देखें तो अपर प्राइस बैंड 500 के लिहाज से इसकी लिस्टिंग (500+338 =838) 838 के प्रीमियम के साथ हो सकती है।

एक्सपर्ट्स की राय इन्वेस्टमेंट करना चाहिए - जीएमपी के हिसाब से इस आईपीओ में इन्वेस्टमेंट करने से अच्छा रिटर्न मिल सकता है। इसके अलावा कई मार्केट एक्सपर्ट्स का भी मानना है कि इस कंपनी के आईपीओ में इन्वेस्टमेंट करना चाहिए।

इश्यू से 631 करोड़ रुपए जुटाएगी कंपनी - नेटवेब के आईपीओ यानी पब्लिक इश्यू का साइज 631 करोड़ (12,620,000 शेयर्स) का है। यानी कंपनी इश्यू से 631 करोड़ जुटाएगी। इस आईपीओ में 206 करोड़ (4,120,000 शेयर्स) का फ्रेश इश्यू और 425 करोड़ (8,500,000 शेयर्स) का ऑफर फॉर सेल शामिल है।

35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व - कंपनी के इश्यू का 50प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी 15प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। नेटवेब आईपीओ के फ्रेश इश्यू से मिले पैसे का इस्तेमाल सरफेस माउंट टेक्नोलॉजी लाइन के लिए बनने वाली बिल्डिंग और सिविल कंस्ट्रक्शन वर्क्स में किया जाएगा। इसी पैसे से नई एसएमटी प्रोडक्शन लाइन के लिए इक्विपमेंट्स/मशीनरी की खरीद भी की जाएगी।

15 अगस्त को बाजार में आ सकती है ओला की इलेक्ट्रिक बाइक

बेंगलुरु। ओला के इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की बाजार में काफी डिमांड है। अब कंपनी बहुत जल्द इलेक्ट्रिक बाइक ला रही है। ओला 15 अगस्त 2023 को अपनी इलेक्ट्रिक बाइक को पेश करेगी। कंपनी पहले ही इलेक्ट्रिक बाइक और इलेक्ट्रिक कार लाने का ऐलान कर चुकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ओला इलेक्ट्रिक बाइक देश में सबसे प्रतीक्षित मोटरसाइकिलों में से एक है, इतना ही नहीं कंपनी को इस मॉडल से काफी उम्मीद है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अपकमिंग इलेक्ट्रिक बाइक में 8किलोवॉट प्रतिघंटा बैटरी पैक मिल सकता है। बाइक के एक बार फुल चार्ज करने पर 300 से 350 रेंज मिलने की उम्मीद की जा सकती है। इसकी टॉप स्पीड 110 से 120 किलोमीटर की हो सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ओला इलेक्ट्रिक बाइक का डिजाइन बाजार में मौजूद बाइक के डिजाइन से काफी अलग और यूनिक होगा। इसमें कई शानदार फीचर्स देखने को मिल सकते हैं।

दादूजी रोशन की जयंती पर ऋतिक ने लिखा इमोशनल नोट

– दादूजी की अमर विरासत का ऐसे मनाया जश्न

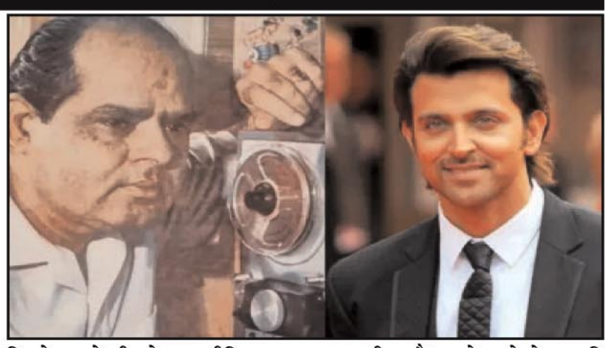

मुंबई (ईएमएस)। अपने दादूजी रोशन की 106वीं जयंती पर बालीवुड एक्टर ऋतिक रोशन ने उनके लिए इमोशनल नोट लिखा। इतना ही नहीं, एक्टर ने उनकी अमर विरासत को भी सेलिब्रेट किया। एक्टर ने खुलासा किया कि यह उनके दादा का पहला नाम है, जिसे वे उपनाम के रूप में उपयोग करते हैं। रोशन लाल नागरथ एक एसराज वादक और संगीत निर्देशक थे। 49 वर्षीय एक्टर ने अपने दादाजी द्वारा रचित उनके पसंदीदा गानों में से एक को बजाकर अपने दादूजी की अमर विरासत का भी जश्न मनाया।रोशन की एक पुरानी ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर साझा करते हुए, ऋतिक ने बैकग्राउंड म्यूजिक के रूप में ओ रे ताल मिले नदी के जल में गाने का इस्तेमाल किया। यह गाना 1968 में आई फिल्म अनोखी रात का है। फोटो के साथ उन्होंने लिखा, आज मेरे दादूजी रोशन की 106वीं जयंती है, जिनका नाम मुझे विरासत में मिला है। हालांकि मुझे उनसे मिलने, उनसे सीखने या शारीरिक रूप से उनके प्यार का अनुभव करने का सम्मान कभी नहीं मिला, लेकिन मुझे एक अमूल्य खजाना मिला है - उनका काम और उनका संगीत। ऋतिक के पिता और फिल्म निमार्ता राकेश रोशन ने पोस्ट पर कमेंट किया और कहा, जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं पापा। एक्टर अनिल कपूर ने पोस्ट के कमेंट पर रेड हार्ट वाला इमोजी भेजा। उन्होंने आगे कहा, उन के पास अपनी कला के माध्यम से समय को पार करने का एक तरीका है। उनके गाने रोशन परिवार की यात्रा की नींव हैं और मुझे उनकी इस असाधारण वंशावली का हिस्सा होने पर बेहद गर्व है। मैं अपने पसंदीदा गीतों में से एक के माध्यम से अपने दादूजी की अमर विरासत का जश्न मना रहा हूं। मैं इस गाने का और भी अधिक जश्न मनाता हूं क्योंकि मेरे दादूजी को कभी इसकी सफलता का जश्न मनाने का मौका नहीं मिला। इस शानदार ट्रैक को रिकॉर्ड करने के तुरंत बाद उनका निधन हो गया। वह 40 वर्ष के थे।

रितेश पांडेय की फिल्म तू तू मैं मैं, आज होगी रिलीज

-दिखने वाली है मजेदार हॉरर कॉमेडी

मुंबई (ईएमएस)। भोजपूरी एक्टर रितेश पांडेय की फिल्म तू तू मैं मैं, आज जियो सिनेमा पर रिलीज होगी। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म में रितेश पांडेय, विक्रांत सिंह राजपूत, मधु शर्मा, यामिनी सिंह लीड रोल में नजर आने वाली हैं। भोजपुरी सिने जगत में अपनी सुरीली गायिकी और अपने बेबाक एक्टिंग से दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाने वाले भोजपुरी एक्टर रितेश पांडेय ने फिल्म तू तू मैं मैं को बेहद खास फिल्म बताया है। रितेश ने कहा, ये फि ल्म अपने नयेपन से भोजपुरी सिनेमा को एक नई दिशा दिखाएगी एवं भोजपुरी सिनेमा जगत को उचाइयों पर ले के जाएगी। उन्होंने कहा कि ये फिल्म भोजपुरी सिनेमा के ग्राफ को बढ़ाने वाली है। फिल्म की स्क्रिप्ट से लेकर डायलॉग और गाने इतने अच्छे हैं कि दर्शकों को फिल्म के दौरान फुल मनोरंजन मिलने वाला है। रितेश पांडेय ने ये भी कहा, मैंने फिल्म के लिए बहुत मेहनत की है। सभी कलाकारों ने बेस्ट दिया है। इसलिए हम अपने सभी दर्शकों से आग्रह करेंगे कि वे हमारी फिल्म देखें और अपनी प्रतिक्रिया भी हमें दें।बताते चलें कि फिल्म तू तू मैं मैं में भोजपुरी के एक्टर अवधेश मिश्रा, प्रकाश जैश, के के गोस्वामी, महेश आचार्य और देव

सिंह जैसे दिग्गज कलाकार भी हैं। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत व मैडज मूवीज और एक्कुअल मूवीज प्रॉडक्शन की फिल्म तू तू मैं मैं की निमार्ता ज्योति देशपांडे, अविनाश रोहरा, समीर आफताब और वेंकट महेश हैं। इस फिल्म निर्देशक प्रवीन कुमार गुड्डुरी हैं। कैमरामैन वासु, म्यूजिक छोटे बाबा, लिरिक्स अरबिंद तिवारी व सुमित सिंह चंद्रवंशी के हैं। लेखक इंद्रजीत कुमार हैं और कोरियोग्राफर संजय कोर्वे हैं।इसकी एक झलक फिल्म के ट्रेलर में भी देखने को मिली है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया है।

सामंथा ने किया फिल्मों से ब्रेक लेने का ऐलान

- एक्ट्रेस ने देश के लाखों फैंस को दिया झटका

मुंबई (ईएमएस)। साउथ फिल्म इंडस्ट्री की एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री से ब्रेक लेने का ऐलान कर दिया है। ऐसा उन्होंने अपनी हेल्थ की वजह से किया है। लगातार खबर आ रही थी कि सामंथा रुथ प्रभु अभिनय से ब्रेक लेंगी, लेकिन अभी तक ऐसी खबरों पर उनकी तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया था। हालांकि, अब खुद सामंथा ने इन खबरों पर मुहर लगा दी है। दरअसल, सामंथा ने अपनी अपकमिंग वेब सीरीज सिटाडेल की शूटिंग पूरी कर ली है। इस बात की जानकारी देते हुए उन्होंने निर्देशक राज और डीके के साथ शूटिंग के आखिरी दिन की एक तस्वीर शेयर की और एक नोट लिखा। इसी दौरान कुछ महीनों के लिए काम से ब्रेक लेने की पुष्टि करते हुए सामंथा ने लिखा, और यह सिटडेल इंडिया का समापन है। जब आप जानते हैं कि क्या होने वाला है तो ब्रेक बिल्कुल भी बुरी बात नहीं लगती। जिस परिवार की मुझे जरूरत नहीं थी, उस परिवार ने मुझे हर लड़ाई लड़ने में मदद की और कभी भी मेरा साथ नहीं छोड़ने के लिए धन्यवाद..मैं चाहती हूं कि दुनिया की किसी भी चीज से ज्यादा आपको गर्व महसूस हो। जीवन भर की भूमिका के लिए धन्यवाद.. यानी जब तक आप मुझे अगला पत्र नहीं लिखते। बता दें, सामंथा रुथ प्रभु को आखिरी बार गुणशेखर के डायरेक्शन में बनी शकुंतलम में देखा गया था, जिसमें उन्हें लीड रोल शकुंतला के रूप में देखा गया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। वहीं, अब वह बॉलीवुड स्टार वरुण धवन के साथ स्पाई थ्रिलर सीरीज सिटाडेल में नजर आएंगी। बता दें कि सामंथा के देश-दुनिया में लाखों दीवाने हैं। एक्ट्रेस की अदाकारी पर फैंस खूब जान छिड़कते हैं। हालांकि, अब सामंथा ने अपने दीवानों का दिल तोड़ दिया है।

शाहरुख की जवान में एक मशहूर सिंगद देगा आवाज

शाहरुख खान पठान के बाद अब साउथ निर्देशक एटली की फिल्म जवान में दिखाई देने वाले हैं। उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म जवान का हाल ही में प्रीव्यू रिलीज किया गया, जिसमें शाहरुख खान पुलिस से लेकर विलेन तक के किरदार में दिखाई दिए। हाल ही में शाहरुख ने खुद ये खुलासा किया कि बॉलीवुड के सबसे पॉपुलर सिंगर जवान में अपनी आवाज देने वाले हैं। शाहरुख ने अपनी फिल्म का प्रमोशन करते हुए ट्विटर पर सवाल जवाब के दौरान फैन ने शाहरुख से पूछा कि क्या उनकी फिल्म जवान में अरिजीत सिंह का गाना होगा? शाह रुख ने भी बड़े ही प्यार से फैंस के सवाल का जवाब देकर कहा, बेशक होगा, जहां मैं वहां अरिजीत दादा होंगे ही ना। हालांकि, शाहरुख ने बातचीत में ये सरप्राइज ही रखा कि अरिजीत सिंह का फिल्म में रोमांटिक ट्रैक होगा या फिर कोई पैपी गाना। आपको बता दें कि दीपिका पादुकोण ने अपने करियर की शुरूआत शाहरुख खान की फिल्म ओम शांति ओम के साथ की थी।

जवान ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर होगी : अग्निहोत्री

-द वैक्सीन वॉर लेकर आ रहे हैं फिल्म निर्माता

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म निमार्ता विवेक रंजन अग्निहोत्री ने गारंटी दी है कि शाहरुख खान अभिनीत फिल्म जवान ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर होगी। विवेक जल्दी ही एक और वास्तविक जीवन पर आधारित कहानी द वैक्सीन वॉर लेकर आ रहे हैं। एक यूजर ने उनसे पूछा कि क्या उनमें शाहरुख की अपकमिंग एक्शन एंटरटेनर जवान के साथ अपनी फिल्म को टक्कर देने की हिम्मत है, तो विवेक ने जवाब दिया: हम बॉलीवुड गेम और क्लैश जैसे शब्दों में नहीं हैं। मैं गारंटी दे सकता हूं कि शाहरुख की जवान ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर होगी। उन्होंने जवान के बाद अपनी खुद की फिल्म देखने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, इसे देखने के बाद कृपया एक युद्ध में भारत की सबसे बड़ी जीत के बारे में हमारी छोटी फिल्म भी देखें जिसके बारे में आप कुछ भी नहीं जानते हैं। उन्होंने कहा, मुझे इस कहानी (द वैक्सीन वॉर) पर पूरा यकीन है और मुझे यकीन है कि भले ही संख्या में बड़े-बड़े दिग्गजों से कम हों, लोग इसे देखने के बाद गर्व महसूस करेंगे। भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि की कहानी केवल परिवार, खासकर बच्चों के साथ बड़े पर्दे पर देखी जानी चाहिए। एक फैन ने फिल्म निमार्ता को द वैक्सीन वॉर के लिए शुभकामनाएं दीं और उनसे कंटेंट पर विश्वास रखने को कहा। कमेंट का जवाब देते हुए विवेक ने कहा कि द वैक्सीन वॉर का बजट द कश्मीर फाइल्स से भी कम है। द कश्मीर फाइल्स 12 करोड़ के बजट में बनी थी। उन्होंने कहा, हम अपने कंटेंट में विश्वास करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि हमारी फिल्में सीमित बजट पर हों ताकि हम कभी भी बॉक्स ऑफिस के दबाव में न हों।

कानपुर का एक और सितारा फोटोग्राफी से बने निदेशक सौरभ गांधी

कानपुर, (हि.स.)। अपने पिता से फोटोग्राफी सीखी और अब बॉलीवुड में चमक बिखेरने जा रहे है। कानपुर शहर के रहने वाले सौरभ गांधी ने 90 मिनट की सस्पेंस थ्रिलर मूवी द प्री वेडिंग फिल्म का पहला निर्देशन किया। यह जानकारी शनिवार को मीडिया से सौरभ गांधी ने दी। सौरभ गांधी ने बताया कि इस फिल्म में कानपुर के कलाकार ईशान यादव नजर आएंगे। अभिनेत्री के रूप में जैस्मिन बन्ना जो सुप्रिया का रोल कर रही है। जैस्मिन ने इसी फिल्म से अपना डब्यू भी किया है, हालांकि वे यूट्यूब की दुनिया में काफी जाना पहचाना चेहरा रहा है। वह कई गानों पर शार्ट फिल्मों और कमर्शियल शूट में काम किया है, फिल्म में भी नजर आने वाले हैं। उन्होंने के लिए तांडव वेब सीरीज श्रृंखला में अभिनय किया लघु फिल्मे जिंगल मनोरंजन रेडिओ नाटक बुनियाद किया है इस फिल्म के निमार्ता प्रीति गांधी और प्रदीप यादव है। डीओपी भी प्रदीप यादव ने की हुई है फिल्म द प्री वेडिंग प्यार और रहस्य पर आधारित है। मूवी में खूबसूरत गाने भी हैं जिसको गायक स्नेहा बोस ने गाया है। सौरभ गांधी ने बताया कि यह मेरी पहली फिल्म है और कानपुर मेरा अपना शहर इसलिए मैं कानपुर में इसका प्रमोशन करने आया और यहां से ट्रेलर लॉन्च किया। मैंने हमेशा से सोच रखा था कि मैं कानपुर कानपुर के उभरते कलाकारों के साथ काम करूंगा और उप्र कानपुर के लिए आगे भी स्पेशल सीरीज या मूवी बनाता रहूंगा। कानपुर के ऐसे तमाम कलाकार जो अच्छी एक्टिंग अच्छा काम करते हैं। हम सबके बावजूद उनको बॉलीवुड मैं काम नहीं मिल पाता है। मैं पूरी कोशिश करूंगा कि उसका आगे भी उप्र और कानपुर के कलाकारों को भी अपनी फिल्म में जगह दूं। सौरभ गांधी ने यह फिल्म मेरी पहली फिल्म नहीं है। हालांकि फिल्म निर्देशक के तौर पर पहली फीचर फिल्म है। हमें बहुत जल्द यह फिल्म डिजनी होटस्टार पे देखने को मिलेगी। इसे तैयार करने में टीम के सभी सदस्यों ने कड़ी मेहनत की है। जिसका नतीजा है कि इस पर काम करने वाले निर्देशक सौरभ गांधी के बगैर पूरी नहीं होती। उन्होंने इस पर अथक परिश्रम किया, इसे पूरा करने के लिए सौरभ गांधी ने अन्य कार्यो को छोड़ दिया। सौरभ गांधी कानपुर शहर के ही है, उन पर कानपुर वासियों को गर्व है। अब फिल्म क्षेत्र में काम करने के इच्छुक लोगों को मुंबई जाने की आवश्यकता नहीं। इस फिल्म के निमार्ता प्रीति गांधी और प्रदीप यादव हैं।

आईएफएफ मेलबर्न में होगा घूमर का प्रीमियर

मेलबर्न का भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफ) भारत के बाहर सबसे बड़े फिल्म महोत्सवों में से एक है। हाल ही में अपने 14वें संस्करण की घोषणा की है। अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर अभिनीत आर बाल्की की घूमर इस साल आईएफएफ की शुरूआत करेगी। यह महोत्सव 11 से 20 अगस्त, 2023 तक होगा। यह अपनी शुरूआती रात के दौरान मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शन और एक उल्लेखनीय सिनेमाई अनुभव के साथ मंच तैयार करने का भी वादा करता है। घूमर की कहानी दिलचस्प है, जो एक पैराप्लेजिक खिलाड़ी की यात्रा और जीवन को दशार्ती है, जिसे उसके कोच द्वारा निर्देशित किया जाता है। खिलाड़ी की भूमिका सैयामी खेर ने निभाई है और कोच की भूमिका अभिषेक ने निभाई है। घूमर में अंगद बेदी और शबाना आजमी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म आर बाल्की की बहुप्रतीक्षित फिल्म है और फेस्टिवल ओपनर के रूप में काम करेगी।

किम कार्दशियन का ग्लैमरस अवतार

अभिनेत्री किम कार्दशियन हॉलीवुड की बोल्ड एंड ग्लैमरस एक्ट्रेसेस में से एक हैं। हाल ही में किम ने खूबसूरत गाउन में फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। किम अपने लुक्स से कभी भी फैंस को निराश नहीं करतीं। फैंस किम की इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं। इन तस्वीरों में किम कार्दशियन पर्पल कलर के फ्लोर टच गाउन में नजर आ रही हैं। थाई स्लिट गाउन में किम अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं और पैरों में उन्होंने ट्रांसपेरेंट हील्स पहनी हैं। ऑफ शोल्डर गाउन में नेक पर डायमंड नेकलेस किम के लुक की ग्रेस बढ़ा रहा है। इस लुक को अभिनेत्री ने मिनिमल मेकअप और पफी हेयरस्टाइल के साथ कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को फैंस खूब लाइक कर रहे हैं। बता दें, किम कार्दशियन सोशल मीडिया की दुनिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर दिवा के 362 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

नोरा- रेमो खोजेगें हिप-हॉप सनसनी

हिप-हॉप-आधारित डांस रियलिटी शो, हिप-हॉप इंडिया के माध्यम से नृत्य समुदाय को हिला देने के लिए पूरी तरह तैयार है। स्ट्रीमिंग सेवा ने गुरुवार को डांस दिवा नोरा फतेही को शो में दूसरे जज के रूप में पेश किया। नोरा मशहूर कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा के साथ सह-जज के रूप में जुड़ेंगी और दोनों देश की अगली सबसे बड़ी हिप-हॉप सनसनी की खोज करने वाले हैं। पोस्टर में नोरा फतेही एक अनोखे अवतार में ग्लैमरस अंडरग्राउंड लुक में नजर आ रही हैं। पोस्टर के साथ, अमेजन मिनीटीवी ने यह भी खुलासा किया कि यह शो 21 जुलाई से शुरू होने वाली सेवा पर मुफ्त में स्ट्रीम होगा। स्ट्रीट डांसर्स के लिए सबसे बड़े मंचों में से एक, हिप-हॉप इंडिया एक यात्रा है, गली से ग्लोरी तक। शो का हिस्सा बनने को लेकर अपना उत्साह व्यक्त कर नोरा फतेही ने कहा, हिप-हॉप इंडिया सचमुच वे शब्द हैं जिन्हें मैं जब भी किसी को थिरकते और नाचते हुए देखती हूं तो जोर से चिल्लाना पसंद करती हूं। हिप-हॉप नृत्य की सबसे बेहतरीन और सबसे मजेदार शैलियों में से एक है।

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का अफेयर पब्लिसिटी स्टंट? एक्टर ने बताई सच्चाई

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और एक्टर विजय वर्मा बॉलीवुड के नए कपल हैं, जो इस वक्त चर्चा में हैं। फिल्म "लस्ट स्टोरीज 2" की रिलीज से कुछ दिन पहले इन दोनों ने ऐलान किया था कि ये एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इसके बाद से ही तमन्ना और विजय शर्मा के अफेयर को फिल्म "लस्ट स्टोरीज 2" के लिए पब्लिसिटी स्टंट बताया जाने लगा लेकिन अब विजय वर्मा ने इसका साफ जवाब दिया है। मीडिया को दिए इंटरव्यू में विजय वर्मा ने तमन्ना के साथ अपने अफेयर की बात को पब्लिसिटी स्टंट बताने पर कहा, "बहुत से लोग जानते हैं कि हम दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। मैं बहुत खुश हूं और मैं तमन्ना के प्यार में पागल हूं। मैंने अपने जीवन के खलनायक चरण को समाप्त कर दिया है और रोमांटिक चरण में प्रवेश कर लिया है।" इस बीच, जब तमन्ना और विजय को गोवा में नए साल की पार्टी में एक साथ देखा गया तो उनके अफेयर की अफवाहें तेज हो गईं। इसके बाद दोनों को मुंबई एयरपोर्ट पर एक साथ देखा गया। फिर फिल्म "लस्ट स्टोरीज 2" की रिलीज से पहले दोनों ने अपने प्यार का इजहार किया था। इस फिल्म में दोनों बोल्ड सीन करते नजर आ रहे हैं। विजय वर्मा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही वेब सीरीज "कल कूट" में नजर आएंगे। इस सीरीज का टीजर कुछ दिनों पहले रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। इस सीरीज में विजय के साथ एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

सूडोकु नवताल- 6494

★★★✯☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6493 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7241

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	ट
रा	वि	ली	प्रे	दि	ला	व	र	ज	कां	ड़
न्यौ	छा	व	र	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	ता
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	थु	ल	ष	क
डि	आ	मु	नी	श्व	र	न	न	न	भ	त
या	ल	मा	र	रा	क	ली	ट	ण	घ	व
द	स	न	न	ट्रे	जो	रा	व	र	व	र
क	रो	ऊ	ई	स	ब	क	र	चो	श	क
रा	व	तु	ला	रा	रो	ते	या	औ	र	आ
क	र	ल	प	लि	जी	व	भ	म	प	द
क	ड	क	अ	धी	श्व	र	र	ब	त	म

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'वर' शब्द लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

दिलावर, सरोवर, जोरावर, नटवर, तेवर, अधीश्वर, मुनीश्वर, न्यौछावर,ताकतवर, मानसरोवर,

शब्दजाल - 7240 का हल

अ	ज	खी	रे	दा	र	रि	सि	या	र	ट
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ह	ली
गि	स	शे	ज	ग	न्ना	थ	ता	गा	क	क
री	ज	र	दो	पु	ज	न	म	न	त	ज
क	ग	ग	भा	लू	लं	ग	म	ग	व	न
जी	द	ल	जा	य	ज	पू	ना	हि	र	नी
ती	गु	म	ड़ी	हि	प	र	श	र	र	ल
क	रु	ल्जा	ई	धा	र	क	ज	ल	न	ण
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	श	प	क
ज	ग	त	प	व	ज	ग	दा	चा	र्य	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	ज	ग	ख्या	त	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6194

	1		4			2
2	28	4	40		35	4
	2		6	4		
5	28	3	38	6	34	1
		6	3		1	
3	31		24	1	30	6
7			4		3	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6193 का हल

1	2	5	6	4	7	3
2	26	4	40	7	38	4
4	2	6	3	5	1	7
5	34	3	37	6	30	1
6	1	7	4	3	5	2
3	33	2	24	1	27	6
7	6	1	4	2	3	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

एशियन गेम्स में फुटबॉल टीम का जाना मुश्किल :17 दिन में 2 कप जीते, अब खेल मंत्रालय के नियम आए आड़े

मुंबई ।
भारतीय फुटबॉल टीम पिछले एक महीने में 3 बड़े अचीवमेंट हासिल करने के बावजूद एशियन गेम्स में जाना मुश्किल है। खेल मंत्रालय ने उन्हीं खिलाड़ियों और टीमों को एशियन गेम्स में भेजने का फैसला किया है, जो एशियन रैंकिंग के टॉप-आठ में शामिल हों।

टीम इंडिया की एशियन रैंकिंग-18 है। इस वजह से वह खेल मंत्रालय की ओर से एशियन गेम्स में भेजने के लिए बनाए गए क्राइटेरिया में नहीं आती है। भारतीय फुटबॉल टीम लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में भाग नहीं ले सकेगी। सुनील छेत्री की अगुआई में टीम इंडिया ने एक महीने में दो बड़े टूर्नामेंट जीते सुनील छेत्री की अगुआई में टीम इंडिया ने अपने इंटरनेशनल कैंपेन की शुरुआत इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतकर की।18 जून को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में इंटरकॉन्टिनेंटल कप के हुए फाइनल में भारतीय टीम ने लेबनान को 2-0 से हराया। भारत ने 5 साल बाद इंटरकॉन्टिनेंटल कप को अपने नाम किया। इससे पहले 2018 में भारतीय टीम चैंपियन बनी थी। वहीं भारत ने लेबनान को 46 साल बाद हराया। टीम इंडिया ने इससे पहले लेबनान को प्रेसिडेंट कप में 1977 में हराया था।

9वीं बार सैफ चैंपियन बनी

इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतने के 15 दिन बाद भारत ने 4 जुलाई को बेंगलुरु में खेले गए साउथ एशियन चैम्पियनशिप के फाइनल में कुवैत को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराने के बाद 9वीं बार साउथ एशियन चैंपियनशिप जीता। 2023 से पहले भारतीय टीम गोल खाने के बाद कमजोर पड़ जाती थी, लेकिन एसएएफएफ फाइनल में भारत ने अपना नया रूप दिखाया। टीम ने फर्स्ट हाफ में ही गोल खाने के बावजूद शानदार कमबैक किया और सेकेंड हाफ में गोल स्कोर कर बराबरी हासिल की। टीम ने फिर पेनल्टी शूटआउट में मुकाबला भी जीता।

अपनी चौथी बेस्ट रैंकिंग में पहुंचा भारत

इंटरकॉन्टिनेंटल कप के बाद भारत को फीफा रैंकिंग में फायदा हुआ और टीम अपने इतिहास की चौथी बेस्ट रैंकिंग पर पहुंच गई। टीम ने 5 साल बाद टॉप-100 रैंकिंग में वापसी की थी, जो बताता है कि टीम पिछले कुछ समय से अपना बेस्ट फुटबॉल खेल रही है। फुटबॉल फेडरेशन खेल मंत्रालय से करेगा अपील एआईएफएफ महासचिव शाजी प्रभाकरन ने बताया, यह सरकार का निर्णय है। इसलिए, हमें इसका पालन करना होगा। हालांकि, जहां तक फुटबॉल का सवाल है।

न्यूज ब्रीफ

समरसेट 18 साल बाद टी-20 ब्लास्ट चैम्पियनः 4 फाइनल हारे...पांचवें में एसेक्स को हराया; एक दिन में 2 बार 150 रन डिफेंड किए

बर्मिंघम। समरसेट ने इंग्लैंड का घरेलू टी-20 टूर्नामेंट टी-20 ब्लास्ट जीत लिया है। टीम 18 साल बाद चैम्पियन बनी। उन्होंने फाइनल में एसेक्स के खिलाफ 145 रन डिफेंड किए और 14 रन से मुकाबला जीता। शनिवार देर रात खेले गए फाइनल से आधे घंटे पहले सेमीफाइनल में टीम ने सरे के खिलाफ 142 रन डिफेंड किए थे। इस तरह टीम एक ही दिन में 2 बार 150 से कम रन का स्कोर डिफेंड कर चैम्पियन बनी। बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर शनिवार को 2 सेमीफाइनल भी खेले गए। एसेक्स ने पहले सेमीफाइनल में हैम्पशायर को 5 विकेट से हराया। वहीं समरसेट ने दूसरे सेमीफाइनल में सरे पर 24 रन से जीत दर्ज की। शनिवार देर रात ही फाइनल भी हुआ, जिसे समरसेट ने जीता। इंग्लैंड का टी-20 ब्लास्ट टूर्नामेंट 2003 में पहली बार खेला गया। 18 टीमों के टूर्नामेंट में सरे पहला चैम्पियन बना। समरसेट ने 2005 में लैंकशायर को हराकर ट्रॉफी जीती। ये शनिवार से पहले तक टीम का पहला और आखिरी खिताब था। 2005 के बाद समरसेट ने 2009, 2010 और 2011 में 3 लगातार फाइनल गंवाए। समरसेट टीम फिर 10 साल बाद 2021 में फाइनल तक पहुंची, लेकिन यहां भी मुकाबला हार गई। टीम ने 2023 में बेहतरीन खेल दिखाया और एक ही दिन में सेमीफाइनल-फाइनल दोनों में 145 रन से कम का स्कोर डिफेंड किया और खिताब भी जीता। टीम ने इस बार लीग स्टेज में भी बेहतरीन परफॉर्म किया और 14 में से 12 मैच जीते। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी समरसेट टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने तीसरे ही ओवर में विल स्मीद का विकेट गंवा दिया। दूसरे विकेट के लिए टॉम बैंटन और कोहलर-कैडमोर ने 29 रन जोड़े, लेकिन पावरप्ले के बाद दोनों आउट हो गए।

लक्ष्य सेन यूएस ओपन के सेमीफाइनल में हारेः वर्ल्ड नंबर 7 चीन के फेंग ने 21-17, 22-24, 21-17 से हराया; टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती खत्म

मुंबई । भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन को यूएस ओपन सुपर-300 बैडमिंटन चैम्पियनशिप में मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ यूएस ओपन 2023 में भारतीय चुनौती खत्म हो गई। खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में ऑल इंग्लैंड चैम्पियन और वर्ल्ड नंबर 7 चीन के ली शी फेंग ने दुनिया के 12 नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य को 21-17, 22-24, 21-17 से हराया। लक्ष्य ने इससे पहले फेंग को हराकर कनाडा ओपन में खिताब जीता था। यूएस ओपन फाइनल में फेंग का सामना थाईलैंड के उभरते सितारे कुन्लावुत वितिसार्न से होगा।

अगले महीने आयरलैंड दौरे से वापसी करेंगे जसप्रीत बुमराहः रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह लंबी चोट से उबरने के बाद अपनी पूरी फिटनेस हासिल करने के करीब हैं। अगले महीने आयरलैंड दौरे के साथ उनकी टीम में वापसी की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में पीठ की सर्जरी

कराने और बेंगलुरु में राष्टीय क्रिकेट अकादमी में सफलतापूर्वक रीहैबिलिटेशन के बाद बुमराह ने पिछले महीने गेंदबाजी फिर से शुरू कर दी है और धीरे-धीरे पूरी क्षमता से गेंदबाजी की तरफ लौट रहे हैं। एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण की निगरानी में वह अपना रिहैब कर रहे हैं। वह इन दिनों नेट्स पर पूरे जोश के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं। वह रोजाना 8-10 ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं। चयनकर्ता और टीम प्रबंधन सितंबर में एशिया कप के लिए बुमराह को शामिल करना चाह रहे थे, लेकिन पिछले कुछ सप्ताह में उन्होंने जो प्रगति की है उसका मतलब है कि वह अगले महीने दूसरी पंक्ति की भारतीय टीम के साथ आयरलैंड की यात्रा कर सकते हैं। उनकी यात्रा पर फैसला आने वाले दिनों में लिया जाएगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि उन्हें जिस तरह की चोट थी उसे देखते हुए बुमराह के मामले में अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है। वह पिछले साल सितंबर से ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेले हैं।

बृजभूषण के खिलाफ धरना देने वाली रेसलर को ब्रॉन्ज

रैंकिंग सीरीज में संगीता फोगाट ने जीता, कहा- ये मेडल संघर्षशील महिलाओं को समर्पित

पानीपत।
भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मोर्चा खोलने वाली महिला पहलवानों में शामिल संगीता फोगाट ने भारत का नाम एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। संगीता ने हंगरी के बुडापेस्ट में पॉलीक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल रैंकिंग सीरीज कुश्ती चैंपियनशिप में हंगरी की विक्टोरिया बोरसोस को हराकर 59 किग्रा में ब्रॉन्ज मेडल जीता। संगीता ने तीसरे-चौथे स्थान के मैच में अपने हंगेरियन प्रतिद्वंद्वी को निर्णय द्वारा जीत (वीपीओ1) में 6-2 से हराया। संगीता ने टेकडाउन मूव के साथ बढ़त बना ली। हालांकि हंगरी की पहलवान ने स्कोर 2-2 से बराबर कर लिया, लेकिन भारतीय पहलवान ने उग्र हमला किया। संगीता ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडल विजेता बजरंग पुनिया की पत्नी और राष्ट्रमंडल खेलों की गोल्ड मेडल विजेता गीता फोगाट की बहन है।

कॉमनवेल्थ में ब्रॉन्ज जीत चुकी हैं संगीता

फोगाट परिवार की संगीता ने 2013 की जूनियर एशियन चैम्पियनशिप में पहली बार सिल्वर मेडल जीता था। टीम ने 2017 के नेशनल रेसलिंग चैम्पियनशिप में गोल्ड जीता, लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि 2018 में आई। जब उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

रोमांचक मुकाबले में जीता मेडल

संयुक्त राज्य अमेरिका की जेनिफर पेज रोजर्स से करारी हार के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने के बाद रेपेचेज राउंड के माध्यम से सेमीफाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने तीसरे दौर में एक अन्य अमेरिकी पहलवान ब्रेंडा ओलिविया रेयना को तकनीकी श्रेष्ठता (वीएसयू1) से जीत हासिल कर, 12-2 से हराकर वापसी की थी।

संगीता ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। तेज चाल से 4-2 की बढ़त बना ली और तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर मुकाबला जीत लिया। तीसरे राउंड में जीत से संगीता को सेमीफाइनल में जगह तो मिल गई, लेकिन वह फाइनल में आगे नहीं बढ़ सकीं। संगीता अपना सेमीफाइनल मुकाबला पोलैंड की मैग्डेलेना उर्सजुला ग्लोडर के खिलाफ 4-6 अंकों से हार गईं, लेकिन तीसरे-चौथे स्थान के मैच में फिर से वापसी करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता।

मेडल संघर्षशील महिलाओं को किया समर्पित

ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद संगीता ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर लिखा, 'आप सभी के बधाई के संदेश मुझ तक पहुंच रहे हैं, इस पल पर बहुत भावुक हूं। आप सभी का बहुत बहुत शुक्रिया। यह मेडल सिर्फ मेरा नहीं है, आप सभी का मेडल है। मैं इस मेडल को दुनिया की उन सभी संघर्षशील महिलाओं को समर्पित करती हूं, जो महिलाओं के विरुद्ध हुए अपराधों के खिलाफ संघर्षरत हैं। जय हिन्द।

विनेश फोगाट ने नाम वापस लिया था

इससे पहले विनेश फोगाट ने मुकाबले से ऐन पहले अपना नाम वापस ले लिया था। विनेश फीवर और फूड पॉइजनिंग का हवाला देते हुए रैंकिंग सीरीज से हट गईं। यह टूर्नामेंट में एशियाड के ट्रायल्स से पहले उन खिलाड़ियों की फिटनेस का आकलन करने के लिए बेहतरीन मंच है जिन्होंने धरना प्रदर्शन के दौरान अपना कीमती समय गंवाया और ट्रेनिंग व मुकाबले से दूर रहे।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहीं थी संगीता

बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट, संगीता फोगाट, साक्षी मालिक जैसे भारत के शीर्ष पहलवान कुछ दिन पहले देश की राजधानी दिल्ली में प्रदर्शन पर बैठे हुए थे। पहलवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दिया था। उन्होंने बृज भूशण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। काफी समय तक पहलवानों की आवाज को नहीं सुना गया था, जिसके चलते उन्होंने अपने मेडल को गंगा में बहाने का भी मन बना लिया था।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने मणिपुर में शांति, सद्भाव की अपील की

इंफाल।
महान एथलीट और राज्यसभा सदस्य पी.टी. उषा ने शनिवार को मणिपुर में शांति और सद्भाव की अपील की, जहां जातीय हिंसा ने 150 से अधिक लोगों की जान ले ली है और 600 से अधिक अन्य घायल हो गए हैं। उषा भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष भी हैं, उन्होंने मणिपुर के लोगों को एक खुले पत्र में कहा : आइए, एक साथ मिलकर प्रगति करें, आइए, उन मुस्कुराहट को वापस लाएं और बेहतर भविष्य के लिए सद्भाव व आशा के साथ एक नए दिन की शुरुआत करें।

उन्होंने लिखा : हमारी ताकत हमारी ताकत है, हमारी सफलता हमारी समावेशी विविधता है। आज आइए प्रतिज्ञा करें कि हम शांति और सद्भाव का स्वागत करने के लिए खुद को समर्पित करके अपने मणिपुरी भाइयों और बहनों के दिल और दिमाग में उन मुस्कुराहट और गर्मजोशी को वापस लाएंगे। शुक्रवार को लॉन्च किए गए भारत के चंद्रमा मिशन का जिक्र करते हुए उषा ने कहा कि औद्योगिक विकास, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी में भारत की सफलता की कहानी दुनिया को प्रेरित कर रही है। उन्होंने कहा, विकास के हमारे पथ में हम एक हैं, हम भारतीय हैं और भारतीय वही हैं जो हम सभी हैं। एक एथलीट के रूप में मेरे करियर और मेरी विनम्र उपलब्धियों का सभी ने जश्न मनाया और मेरे पदक सभी भारतीयों की महत्वाकांक्षाओं को दर्शाते हैं।

उन्होंने कहा, एम.सी. मेरी कॉम, कुंजारानी देवी, सरिता देवी, मीराबाई चानू, देवेंद्रो सिंह, संजीता चानू, लौरेम्बम ब्रोजेशोरी, खुमुजम टोम्बी, लिकमाबम सुशीला, लिनथोई चानंबम, लैशराम बोम्बायला, पुखरामबम सुशीला चानू, बाला देवी जैसे अत्यधिक कुशल और मेहनती मणिपुरी, एलंगबाम पंथोई चानू, मोइरांगथेम मंदाकिनी देवी और ओइनम बेमबेम और हमारे प्रिय दिवंगत डिंग्को सिंह ने देश के लिए कई पदक जीते।

आईएओ अध्यक्ष ने कहा, उनकी जीत और सफलता लाखों भारतीयों को उत्कृष्टता हासिल करने और उनके सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करती है और मणिपुर के इन दिग्गजों को भारत की बहुमूल्य संपत्ति और हमारे मुकुट रत्नों के रूप में सम्मानित किया जाता है।

उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत एक ऐसा राष्ट्र है, जहां विभिन्न जातियों, धर्मों और भाषाओं के लोग सद्भाव से रहते हैं, और आत्मविश्वास के इस नए युग में एक साथ प्रगति करते हैं।

साउथ जोन ने जीता दलीप ट्रॉफी का खिताबः 19 बार की चैम्पियन वेस्ट जोन को 75 रन से हराया; विद्वत कवेरप्पा प्लेयर ऑफ द सीरीज

बेंगलुरु।
दलीप ट्रॉफी 2023 के फाइनल मुकाबले में साउथ जोन ने वेस्ट जोन को हरा दिया है। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में रविवार को मैच के पांचवें दिन साउथ जोन ने वेस्ट जोन को 75 रन से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की।

साउथ जोन नौ साल बाद दलीप ट्रॉफी जीता है। इससे पहले, वह 2013-14 में नार्थ जोन के साथ संयुक्त विजेता बना था। साउथ जोन का यह 14वां टाइटल है। वहीं वेस्ट जोन ने 19 बार दलीप ट्रॉफी का खिताब जीता है और वह टूर्नामेंट की सबसे सक्सेसफुल टीम है। मैच पांचवें दिन वेस्ट जोन ने 182/5 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। आखिरी दिन वेस्ट जोन को जीत के लिए 116 रन की जरूरत थी लेकिन टीम ने 47 रनों पर ही अपने पांच विकेट गंवा दिए। विद्वत कावेरप्पा को उनकी जबरदस्त गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच और टूर्नामेंट में 15 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया।

प्रियांक पांचाल ने 95 रनों की पारी खेली

चौथे दिन के स्कोर 182/5 से आगे खेलते हुए वेस्ट जोन को छठा झटका कप्तान प्रियांक पांचाल के रूप में लगा। पांचाल अपने स्कोर में 3 रन और जोड़कर आउट हो गए। पांचाल ने 211 गेंद पर 11 चौके की मदद से 95 रनों की पारी खेली। निचले क्रम में धर्मेंद्र सिंह जडेजा ने 15 रन बनाए लेकिन बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला।

साउथ जोन की तरफ से दूसरी पारी में वासुकी कौशिक और साई किशोर ने 4-4 विकेट लिए। विद्वत कावेरप्पा ने दूसरी पारी में एक विकेट लिया और मैच में कुल मिलाकर 8 विकेट चटकाए।

वेस्ट जोन 222 रन ही बना सकी

साउथ जोन ने अपनी पहली पारी में 213 रन बनाए थे। कप्तान हनुमा विहारी ने 63 रनों की पारी खेली थी। जवाब में वेस्ट जोन की टीम 146 रन पर ही सिमट गई थी। पृथ्वी शॉ ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 65 रन बनाए थे। विद्वत कावेरप्पा ने सात विकेट लिए थे। दूसरी पारी में साउथ जोन ने 230 रन बनाए और वेस्ट जोन के सामने 298 रनों का टारगेट रखा। इसके जवाब में टीम 222 रन ही बना सकी।

क्या भारतीय टीम के खिलाड़ी के रुप में गब्बर का कैरियर खत्म, धवन को मिल रही किस बात की सजा

मुंबई ।
भारतीय सेलेक्टर्स ने एशियन गेम्स 2023 के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया, तब कई युवा खिलाड़ियों की किस्मत जाग उठी। रिंकू सिंह, प्रभसिमरन, जितेश शर्मा जैसे युवा खिलाड़ियों के घर में यकीनन खुशी का माहौल है। हालांकि, टीम के चयनकर्ताओं ने टीम चयन के साथ ही एक स्टार बल्लेबाज शिखर धवन के करियर पर ग्रहण भी लगा दिया है। माना जा रहा था कि गब्बर को इस टूर्नामेंट के लिए टीम की कप्तानी सौंपी जाएगी। हालांकि, कप्तानी छोड़िए धवन को टीम में जगह तक नहीं दी गई है। इसके बाद यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या धवन के लिए टीम इंडिया के दरवाजे अब हमेशा के लिए बंद हो गए हैं पिछले साल जब टी-20 वर्ल्ड कप के लिए धवन को नजरअंदाज किया गया था, तब गब्बर का कहना था कि उनका फोकस 50 ओवर के वर्ल्ड कप पर है। हालांकि, सच्चाई यह है कि धवन को टी-20 की तरह ही वनडे टीम से भी लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। वेस्टइंडीज दौरे पर टीम इंडिया को तीन वनडे खेलने हैं, लेकिन उस टीम में गब्बर का दूर-दूर तक नाम शुमार नहीं है। इसके बाद धवन भारत की धरती पर होने वाले विश्व कप में टीम में शामिल होने वाले हैं, या नहीं यह अपने आप में एक बड़ा सवाल है। दरअसल बीसीसीआई ने जब एशियन गेम्स 2023 में भारतीय टीम को भेजने का फैसला किया, तब बताया गया कि टूर्नामेंट में बी टीम शिरकत करेगी। तभी से ऐसी अटकलें थी कि एशियन गेम्स में शिखर धवन को टीम की कमान सौंपी जा सकती है। हालांकि, भारतीय सेलेक्टर्स ने सभी को हैरान कर रुतुराज गायकवाड़ को टीम का कप्तान नियुक्त किया और गब्बर को टीम में जगह तक नहीं मिली। जहां धवन का टीम में चयन ना होना यकीनन थोड़ा चौंकाने वाला है। गब्बर आखिरी बार टीम की जर्सी पहनकर साल 2022 में उतरे थे। वनडे में बांग्लादेश के खिलाफ दिसंबर में धवन ने अपना आखिरी मैच खेला था। इस सीरीज में धवन का बल्ला खामोश रहा था और उन्होंने तीन मैचों में सिर्फ 18 रन बनाए थे। हालांकि, इस सीरीज में फ्लॉप होने के बाद धवन की वनडे टीम में वापसी नहीं हुई। 167 वनडे मैचों में 44.11 की औसत से 6,793 रन बनने वाले बाएं हाथ के इस खिलाड़ी का रिकॉर्ड इतना भी खराब नहीं है कि उन्हें अब मौके ही ना दिए जाए।

साल 2022 में धवन ने 22 वनडे मैच खेले थे और इस दौरान 34 की औसत से उनके बल्ले से 688 रन निकले थे, जिसमें छह अर्धशतक शामिल थे। वहीं, 2021 में गब्बर ने 59.40 की औसत से 297 रन बनाए थे। टी-20 टीम से धवन का नाता पहले ही टूट चुका है। एशियन गेम्स 2023 का फॉर्मेट भी फटाफट वाला है और शायद इस वजह से भी उन्हें टीम में नहीं रखा गया है। हालांकि, वनडे में बेमिसाल रिकॉर्ड होने के बावजूद धवन की अनदेखी थोड़ी चौंकाने वाली जरूर है।

इंटर मियामी और मेसी का आधिकारिक करार

शुक्रवार तक टीम से जुड़ेंगे, 2025 तक इस क्लब से खेलेंगे

नई दिल्ली ।
अर्जेंटीना के फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी ने आधिकारिक तौर पर इंटर मियामी के साथ करार कर लिया है। वह 2025 तक इसी क्लब के लिए खेलेंगे। मेजर लीग सॉकर टीम ने शनिवार को यह जानकारी दी। 36 वर्षीय मेसी ने पिछले साल कतर में अर्जेंटीना को विश्व कप खिताब दिलाया था और मौजूदा समय के सबसे महान फुटबॉल खिलाड़ी माने जाते हैं। इंटर मियामी की टीम रविवार को एक समारोह में उन्हें अपने साथ जोड़ेगी। शुक्रवार तक वह मैदान में इस टीम के साथ जुड़ जाएंगे। मेसी ने एक बयान में कहा, मैं इंटर मियामी और संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने करियर का अगला पड़ाव शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

सात बार के बैलन डी ओर विजेता मेसी के पेरिस सेंट-जर्मन से मियामी पहुंचने से पहले ही सनसनी फैल गई है और उम्मीद है कि पूरे अमेरिका में इस खेल और एमएलएस में लोगों की रुचि बढ़ेगी। यह भी उम्मीद है कि लंबे समय तक बार्सिलोना के लिए कमाल करने वाले मेसी मियामी की टीम की किस्मत पलटेंगे। फिलहाल यह टीम जीत के लिए तरस रही है और अंक तालिका में भी इसकी हालत बेहद खराब है।

मेसी ने कहा, यह एक शानदार अवसर है और हम साथ मिलकर इस खूबसूरत परियोजना का निर्माण जारी रखेंगे। विचार हमारे निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करने का है और मैं यहां अपनी नई टीम में खेलने के लिए बहुत उत्सुक हूं। मेसी के पदार्पण मैच की योजना शुक्रवार को बनाई गई है जब इंटर मियामी की टीम लीग्स कप में क्रूज अजुल के खिलाफ अपने घर में खेलेगी। लीग्स कप एमएलएस और मैक्सिकन लीग टीमों के बीच एक नई प्रतियोगिता है। अंग्रेजी स्टार डेविड बेकहम, जो अब इंटर मियामी के सह-मालिक हैं, के 2007 में लॉस एंजिल्स गैलेक्सी में शामिल होने के बाद से यह एमएलएस के लिए सबसे बड़ा प्रोत्साहन है। स्टेडियम साइट खोजने की वर्षों की कोशिश के बाद उन्होंने 2020 में एमएलएस मियामी टीम लॉन्च की। उन्होंने कहा

दस साल पहले, जब मैंने मियामी में एक नई टीम बनाने की अपनी यात्रा शुरू की थी, तो मैंने कहा था कि मैंने दुनिया के महानतम खिलाड़ियों को इस अद्भुत शहर में लाने का सपना देखा था, ऐसे खिलाड़ी जिन्होंने मेरी उस महत्वाकांक्षा को साझा किया था जब मैं मदद के लिए एलए गैलेक्सी में शामिल हुआ था। मेरा उद्देश्य है संयुक्त राज्य अमेरिका में फुटबॉल को विकसित करना और इस खेल में अगली पीढ़ी के लिए एक विरासत बनाना, जिसे हम बहुत पसंद करते हैं। आज वह सपना सच हो गया। मैं इससे अधिक गौरवान्वित नहीं हो सकता कि लियो जैसी क्षमता वाला खिलाड़ी हमारे क्लब में शामिल हो रहा है... हमारे साहसिक कार्य का अगला चरण यहां शुरू होता है और मैं लियो को मैदान पर उतरते देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। इंटर मियामी के मुख्य कोच गेरार्डो टाटा मार्टिनो दो अलग-अलग कार्यकालों में मेसी के साथ काम कर चुके हैं। 2013-14 में एफसी बार्सिलोना के साथ और 2014-2016 तक अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के साथ। इस दौरान 2013 में इन दोनों ने मिलकर स्पेनिश सुपरकप भी जीता था। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 2021 कोपा अमेरिका और कतर विश्व कप जीता। वह अपने देश के लिए 175 मैच में 103 गोल कर चुके हैं।

एमएलएस कमिश्नर डॉन गार्बर ने कहा, हमें बहुत खुशी है कि दुनिया के महानतम खिलाड़ी ने इंटर मियामी और मेजर लीग सॉकर को चुना। उनका निर्णय हमारी लीग और उत्तरी अमेरिका में हमारे खेल के पीछे की गति और ऊर्जा का प्रमाण है। मेसी रविवार को द अनवील में एक शानदार आगमन समारोह के लिए तैयार हैं, जिसमें 18,000 लोगों के उनके नए क्लब के साथ उनके पहले सार्वजनिक कार्यक्रम को देखने की उम्मीद है, जिसके बाद मंगलवार को उनका पहला प्रशिक्षण सत्र होगा। इंटर मियामी के प्रबंध मालिक जॉर्ज मास ने कहा, हमने एक महत्वाकांक्षी क्लब बनाने का वादा किया था जो दुनिया के विशिष्ट खिलाड़ियों को आकर्षित करेगा। हमारे प्रशंसकों को दिल से धन्यवाद जिन्होंने कभी विश्वास करना नहीं छोड़ा। हम साथ मिलकर सपनों को हकीकत में बदलना जारी रखेंगे। प्रतिष्ठित मेसी के स्पेनिश मिडफील्डर सर्जियो बसक्वेट्स के साथ जुड़ने की उम्मीद के साथ, उम्मीद है कि इंटर मियामी चैंपियन बन सकता है।

हड्डियां व दांत बनाए मजबूत

दूध में भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, जो हमारी हड्डियों की मजबूती के लिए बेहद आवश्यक होता है। सिर्फ बढ़ते बच्चों के लिए ही कैल्शियम जरूरी नहीं होता, बल्कि वयस्कों को भी अपनी हड्डियां मजबूत बनाए रखने के लिए कैल्शियम की जरूरत होती है। इससे वे ऑस्टियोपोरोसिस से बचे रहते हैं। दूध दांतों के लिए भी फायदेमंद होता है। यह दांतों की सड़न और कैविटी से बचाए रखने में मदद करता है।

डेस्क जॉब करने वाले जरुर करें ये काम

डेस्क जॉब करने वालों को कई सारी बीमारियां एक साथ लगती हैं। अगर आप घंटो अपनी कुर्सी से चिपके रहेंगे तो आपको दिल की बीमारी, मोटापा, पीठ दर्द, स्लिप डिस्क या अन्य बीमारी होने का खतरा हो सकता है। अगर आप अपने दिन का 8-9 घंटा ऑफिस में ही काटते हैं तो आप ऑफिस में ही कुछ कुछ देर पर उठ कर टहल लें या सीट पर बैठ कर ही स्ट्रेचिंग कर लें तो भी आपको काफी लाभ मिलेगा।

रोज खाना चाहिए केला?

जब आपको टाइप-2 डायबिटीज होता है तो आपका शरीर उचित मात्रा में इन्सुलिन का उत्पादन नहीं कर पाता जिसके कारण रक्त में से ग्लूकोज खींच लिया जाता है ताकि कोशिकाओं में उसे एकत्रित करके रखा जा सके। इसके परिणामस्वरूप आपके शरीर में शुगर (शर्करा) का स्तर बढ़ता या घटता रहता है। इसका अर्थ यह है कि आपके शरीर में शुगर के स्तर को नियमित करने में आहार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अधिक ग्लाइसिमिक युक्त आहार लेने से शुगर का स्तर एकदम बढ़ जाता है तथा शुगर के तुरंत बर्न होने के बाद अचानक कम हो जाता है।

केले में क्या होता है?

केला फाइबर का समृद्ध स्त्रोत होने के अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन बी6 और पौटेशियम भी मौजूद रहता है जिसके कारण इसे आहार में शामिल करना अच्छा माना जाता है। जहां बी6 आपके मूड को अच्छा रखता है वहीं विटामिन सी आपके प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाता है, पौटेशियम आपके ब्लडप्रेशर को नियमित रखता है तथा फाइबर के कारण आपको पेट काफी समय तक भरा हुआ महसूस होता है। एक अध्ययन से यह भी पता चला है कि केले में उपस्थित स्टार्च (24 ग्राम प्रतिदिन) इन्सुलिन की संवेदनशीलता को बढ़ने में सहायक होता है तथा टाइप-2 डायबिटीज में वजन कम करने में सहायक होता है। डायबिटीज के रोगियों को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि केले में कार्बोहाइड्रेट भी होते हैं तथा आपके आहार में इसे शामिल करते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखना चाहिए।

डायबिटीज रोगी खा सकते हैं केले

अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन ने डायबिटिक लोगों को (डायबिटीज के मरीजों को) केला खाने के लिए प्रोत्साहित करता है। उनके अनुसार केला एक स्वस्थ आहार है जिसका सेवन करना पूर्णतया उचित है। वास्तव में एक अध्ययन से पता चला है कि यदि आप टाइप-2 के डायबिटीज को दूर करना चाहते हैं तो केला सबसे उत्तम फल है।

कच्चे केले या पके हुए केले

जैसे जैसे केला पकता है उसमें उपस्थित स्टार्च, शुगर (शर्करा) में बदलने लगता है। जब आप पूर्ण रूप से पका हुआ केला खाते हैं तो आप ऐसे फल का सेवन करते हैं जिसमें लगभग 90 प्रतिशत स्टार्च होता है। यही कारण है कि शोधकर्ता कहते हैं कि कच्चा केला कम ग्लायसिमिक प्रतिक्रिया देता है। अतः पके हुए केले की तुलना में कच्चा केला अधिक श्रेष्ठ है।

प्रतिदिन कितने केले खाएं?

आप प्रतिदिन एक केले का सेवन कर सकते हैं। आपको अपने आहार की मात्रा पर ध्यान देना आवश्यक है। जब केले की बात आती है तो अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन आपको यह बताना चाहता है कि कितनी मात्रा का सेवन किया जा सकता है। उनके अनुमानों के अनुसार केले के आकार के अनुसार उसके कार्बोहाइड्रेट घटक में परिवर्तन होता है। उदाहरण के लिए एक बहुत छोटे केले (लगभग 6 इंच या उससे कम) में केवल 18.5 ग्राम कार्ब्स होता है। दूसरी ओर मध्यम आकार के (लगभग 7 से 7 7/8 इंच) केले में 27 ग्राम कार्ब्स होता है। 9 इंच या उससे अधिक ब? केले में 35 ग्राम से अधिक कार्ब्स होते हैं। प्रत्येक व्यक्ति की ग्लूकोज के प्रति प्रतिक्रियाएं अलग अलग हो सकती हैं, अतः आपके शरीर के लिए क्या सही है यह जानने के लिए आपको अपने विवेक का उपयोग करना होगा। अपने आहार की मात्रा में फल सब्जियों और केले के बीच संतुलन बनाएं। क्योंकि आहार के मामले में संयम रखना बहुत आवश्यक है और विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ खाना बहुत अच्छी बात है। तो यदि आप अपने आहार में सेब, अंगूर, ब्लूबेरीज को शामिल कर सकते हैं तो आप अपने शरीर में शुगर के स्तर को आसानी से संतुलित रख सकते हैं।

इसके अलावा शरीर में शुगर के स्तर एक जैसा रखने के लिए फल तथा कार्ब्स का सेवन दिन में थोड़े-थोड़े अंतराल पर करें। सही तरीके से अपनी योजना बनाएं तथा दिन में एक केले के सेवन का आनंद उठायें। इस प्रकार डायबिटीज के रोगी केला खाने से होने वाली समस्याओं से बच सकते हैं।

जिम के बाद पावरफुल बनाएंगी ये सुपर ड्रिंक्स

घर पर बने पेय पदार्थ, हेल्दी और सस्ते होते हैं जबकि मार्केट में पैकेट में बिकने वाले पेय पदार्थ में प्रीजर्वेटिव मिला होता है और इनमें सुगर की मात्रा भी बहुत अधिक होती है। ऐसे में अगर इनका सेवन जिम के तुरंत बाद किया जाए तो लाभ की बजाय नुकसान ही करेंगे और आपके द्वारा जितनी कैलोरी वहां कम की गई है उतनी कैलोरी आप आते ही ग्रहण कर लेंगे।

साथ ही इनमें सिंथेटिक एडीटिव्स, कलर्स और असामान्य फ्लेवर पड़े हुए होते हैं जो नुकसान करते हैं। इसलिए, अपने दिन की शुरूआत नीचे बताए जाने वाले पेय पदार्थों का सेवन करके करें।

इन पेय पदार्थों को सुबह ट्राई करें और जिम से आने के बाद खासतौर पर पिएं। इसस आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और फैट भी नहीं बढ़ेगा। फलों के रस से बनने वाले ये पेय पदार्थ आपको तंदुरूस्त बनाने में मददगार साबित होंगे। आइए जानते हैं इन चार सुपर ड्रिंक्स के बारे में

चॉकलेट ड्रिंक

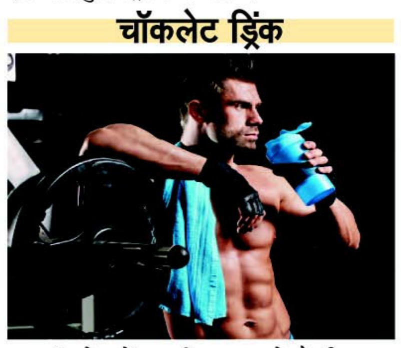

चॉकलेट में प्राकृतिक रूप से कैफीन पड़ा हुआ होता है, इसीलिए इससे आने वाली महक आपको इसे पीने के लिए मजबूर कर देती है। इस ड्रिंक में सुगर मिलाने की जरूरत नहीं होती है इसमें फलों की सुगर ही बनी रहती है। इसकी ठंडक भरी महक आपको तरोताजा कर देगी।

व्हीटग्रास और बनाना ड्रिंक

व्हीटग्रास को कई सालों से स्वास्थ्यवर्धक ड्रिंक माना जाता है क्योंकि इससे शरीर को बहुत ऊर्जा मिलती है। अगर इसे पके हुए केले के साथ फेंट लें और तब पिएं तो यह ज्यादा लाभ देगा। गुणों से भरा गेहूं के जवारे का पाउडर

गाजर और संतरे का ड्रिंक

अगर आप अपनी सुबह ऊर्जावान बनाना चाहते हैं तो गाजर और संतरे का जूस निकाल कर पिएं। इस पेय पदार्थ में विटामिन सी, ई की भरमार होगी। इससे आपको पूरे दिन शक्ति महसूस होगी। साथ ही आपको थकान भी नहीं होगी।

मेपल सिरप पिएं

मेपल सिरप पीने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और आपके शरीर में सुगर की मात्रा भी नहीं बढ़ती है। इस पेय पदार्थ में सोडियम भी होता है

और अगर आपका रक्तचाप ज्यादा रहता है तो इसे न पिएं।

ये पेय पदार्थ न सिर्फ आपके शरीर को ताकत देते हैं बल्कि डिटॉक्सीफिकेशन की प्रक्रिया में भी सहायक होते हैं। अगर आपको इन ड्रिंक्स का स्वाद थोड़ा कम अच्छा लगे तो इसमें अदरक को भी मिलाया जा सकता है। इन्हें पीकर आप सारा एनर्जीफुल फील कर सकते हैं और अच्छे से काम कर सकते हैं। बस इन ड्रिंक्स को एक कप पीने मात्र से शरीर में ऊर्जा का संचार हो जाता है।

त्वचा पर स्ट्रॉबेरी और दही लगाने के फायदे

स्ट्रॉबेरी स्वास्थ्य के लिए लाभदायक फल है तथा दही एक प्राकृतिक घटक है जो स्वास्थ्य पर आश्चर्यजनक परिणाम दर्शाता है। क्या आप जानते हैं कि स्ट्रॉबेरी तथा दही दोनों में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो आपकी त्वचा की रंगत को प्राकृतिक तरीके से निखारते हैं? जब इन दोनों घटकों को आपस में मिलाया जाता है तो त्वचा को मिलने वाले फायदे भी दोगुने हो जाते हैं। आपको सिर्फ इतना करना है कि कुछ ताजा कटी हुई स्ट्रॉबेरीज लें तथा इन्हें ब्लेंडर में पीसकर पेस्ट बनाएं। अब स्ट्रॉबेरी के इस पेस्ट में 2 टेबलस्पून दही मिलाएं। दोनों को अच्छे से मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। स्ट्रॉबेरी और दही के इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं। इसे 20 मिनिट लगा रहने दें तथा बाद में फेस वॉश से चेहरा धो डालें। स्ट्रॉबेरी और दही के मिश्रण से बने फेस पैक से होने वाले अन्य लाभों के बारे में जानें।

एंटी ऐजिंग प्रभावः स्ट्रॉबेरी और दही के मिश्रण मे विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो आपकी त्वचा की कोशिकाओं को पोषण प्रदान करता है तथा कोलेजन के उत्पादन को बढ़ाता है जिससे झुर्रियां तथा फाइन लाइंस दूर होती है।

मधुमेह में फायदेमंद है अमरूद का सेवन

मधुमेह ऐसी बीमारी है जो एक बार होने पर
वनभर साथ निभाती है।
्मेह पर नियंत्रण के लिए
नपान पर विशेष ध्यान रखने
जरूरत है। मधुमेह रोगियों
ऐसे आहार का सेवन करना
हेए जिससे उनका ब्लड
्कोज का स्तर न बढ़े।

मधुमेह रोगियों को अमरूद खाने की सलाह जाती है। अमरूद में प्रोटीन 10.5 प्रतिशत, 0.2 कैल्शियम 1.01 प्रतिशत बी 0.2 शत पाया जाता है। ये फल मीठा होते हुए भी ेह को नियंत्रित रखता है। मधुमेह के रोगियों इस फल का सेवन करना चाहिए। इसके बारे म आपको विस्तार से बता रहे हैं।

़से करें अमरूद का सेवन

़र सीजन में मिलने वाला अमरूद विटामिन एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। कर मधुमेह के रोगियों के लिए यह वरदान तरह है। इसको कई तरह से खाया जा सकता डायबिटीज के रोगी के लिए एक पके हुए रूद को आग में डालकर उसे भूनकर निकाल और भुने हुई अमरुद को छीलकर साफ करके अच्छे से मैश करके उसका भरता बना लें, में स्वादानुसार नमक, कालीमिर्च, जीरा कर खाएं, इससे डायबिटीज में काफी लाभ है।

ताजे अमरूद के 100 ग्राम बीजरहित टुकड़े र उसे ठंडे पानी में 4 घंटे भीगने दीजिए। बाद अमरूद के टुकड़े निकालकर फेंक इस पानी को मधुमेह के रोगी को पिलाने से होता है।अमरूद तो फायदेमंद होता ही हैं न इसका जूस भी गुणकारी होता हैं। घर पर ए गए जूस में स्वाद और गुण दोनों ही रार रहते हैं । जूस में मिनरल्स और एंट्स की मात्रा अधिक होती हैं ।

अमरूद पोषक तत्वों की खान है, लेकिन एक थ व्यक्ति को दिन में दो अमरूद से ज्यादा से बचना चाहिए। पचने में दिक्कत होने के ण अगर हो सके तो इसके बीज निकाल कर । इससे पेट दर्द की आशंका नहीं रहती।

अमरूद में विटामिन ए और विटामिन सी के अलावा फाइबर भी होता है। अमरूद पत्ती से बनी चाय में एल्फा-ग्लूकोसाइडिस एंजाइम गतिविधि को कम कर मधुमेह रोगियों में प्रभावी रूप से रक्त शर्करा को कम करती है। इसके अलावा यह सुक्रोज और माल्टोज को सोखने से शरीर को रोकती है जिससे शुगर का स्तर नियंत्रित रहता है। अमरूद की पत्ती से बनी चाय 12 सप्ताह पीने से इंसुलिन के उत्पादन में वृद्धि के बिना रक्त में शर्करा के स्तर को कम कर सकते हैं। फाइबर से धनी अमरूद शरीर में मीठे की खपत को धीमा करता है। नियमित सेवन टाइप 2 मधुमेह के जोखिम को कम करने में मदद करता है। अमरूद का प्रभाव अग्नाशय पर भी अच्छा असर डालता है जिस कारण मधुमेह के रोगियों के लिए पके अमरूद का नियमित सेवन बहुत ही लाभदायक सिद्ध होता है।

मधुमेह को नियंत्रित करता है अमरूद

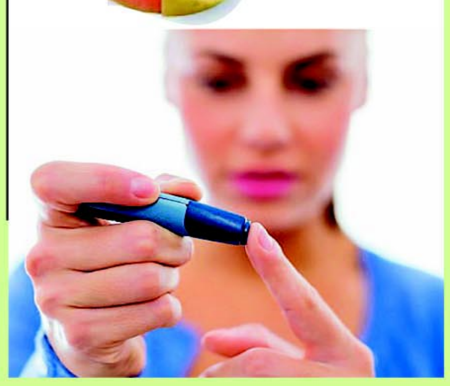

चॉकलेट देती है तनाव और थकान से तुरंत राहत

जो लोग मुंह मीठा करने के लिए चॉकलेट खाते हैं, उन्हें यह जान कर हैरत होगी कि चॉकलेट का प्रारंभिक नाम बिटर वॉटर यानी कड़वा पानी रखा गया था। दक्षिण अमेरिका में थियोब्रोमा कोकोआ पेड़ से चॉकलेट उत्पादन किया जाता था। चॉकलेट का प्रारंभिक उल्लेख 1100 बीसी में देखने को मिलता है।

उस वक्त चॉकलेट एजटेक्ट बेवरेज को शाही बनाने के लिए चॉकलेट का इस्तेमाल प्रमुख रूप से किया जाता है। कोकोआ पेड़ का बीज मूलतः कड़वा होता है, जिसमें खमीर उठाया जाता है, सुखाया जाता है और फिर उसे भूना जाता है। कोकोआ पाने के लिए उसकी परत को हटाया जाता है। इस प्रक्रिया तक चॉकलेट कच्चे माल के रूप में होती है।

जिसे आज हम चॉकलेट कहते हैं, वह मीठी होती है, जिसमें कोकोआ सॉलिड, बटर और अन्य वसा व चीनी मिलाई जाती है। चॉकलेट का इस्तेमाल कई तरह के पेय पदार्थ बनाने में भी किया जाता है। खासतौर पर बेवरेजेस में, जिसमें मेक्सिको शराब भी शामिल है। फल व मेवा के साथ मिलाकर चॉकलेट को सीधे ही खाया भी जाता है। केक और डेजर्ट में भी इसका खूब इस्तेमाल किया जाता है। जहां चॉकलेट की शुरुआत हुई, उस सेंटर अमेरिका में चॉकलेट का इस्तेमाल चिकन और मीट में भी किया जाता है।

रेसिपी

ब्लॅक बीन डिप

सामग्री

1/2 कप ब्लॅक बीन्स , रातभर भिगोए और छाने हुए, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 2 टी-स्पून नींबू का रस, 1 टेबल-स्पून सूखी लाल मिर्च के फ्लैक्स, 1 टी-स्पून सूखे मिले-जुले हर्बस, नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए:** नाचो चिप्स

विधि

ब्लॅक बीन्स, नमक और 21/2 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में अच्छी तरह मिला लें और 5 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। अच्छी तरह छानकर, ब्लॅक बीन्स् को एक गहरे बाउल मे निकाल लें। बची हुई सभी सामग्री डालकर, आलू मैशर का प्रयोग कर दरदरे मिश्रण में मसल लें। कम से कम 1 घंटे के लिए फ्रिज मे रखकर, चिप्स् के साथ ठंडा परोसें।

चीज़ी नूडल कटलेट

सामग्री

1/2 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज, 1 कप उबले हुए नूडल्स, 1/2 कप उबले और क्रश किए हुए मीठी मकई के दानें, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरी प्याज का सफेद भाग, 1/4 कप बारीक कटे हुए हरी प्याज़ के पत्ते, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक और ताज़ी पिसी काली मिर्च , स्वादअनुसार, **रोल करने के लिए:** ब्रेड क्रम्बस, **तलने के लिए:** तेल, **परोसने के लिए:** टमेटो कैचप

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग के 75 मिमी (3) आकार के चपटे, गोल कटलेट बना लें। प्रत्येक कटलेट को ब्रेड क्रम्बस् में अच्छी तरह से सभी तरफ से लपेट लें। एक कढ़ाई में तेल गरम करें और थोड़े-थोड़े कटलेट डालकर, उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)